बिहार की महिलाएं सुनिश्चित करें कभी सत्ता में न लौटें राजद और उसके सहयोगी - 5

भारत-रूस के कारोबारी रिश्तों को उड़ान यूपी अहम किरदार- 8

यूएन में नेतन्याहू ने दिखाए तेवर बोले-गाजा में हमास के खिलाफ काम खत्म करके रहेंगे - 9

यह दबाव लिए बिना परिस्थितियों का लुत्फ उठाने के बारे में है : हरमनप्रीत - 10

आज का मौसम
35.0° अधिकतम तापमान
27.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.03
सूर्यास्त 06.03

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ▪ बरेली ▪ कानपुर ▪ मुरादाबाद ▪ अयोध्या ▪ हल्द्वानी

आश्विन शुक्ल पक्ष पंचमी उपरांत 12:04 षष्ठी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 27 सितंबर 2025, वर्ष 6, अंक 308, पृष्ठ 12+4 ▪ मूल्य 6 रुपये

आत्मनिर्भर भारत आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश

मिशन 2047

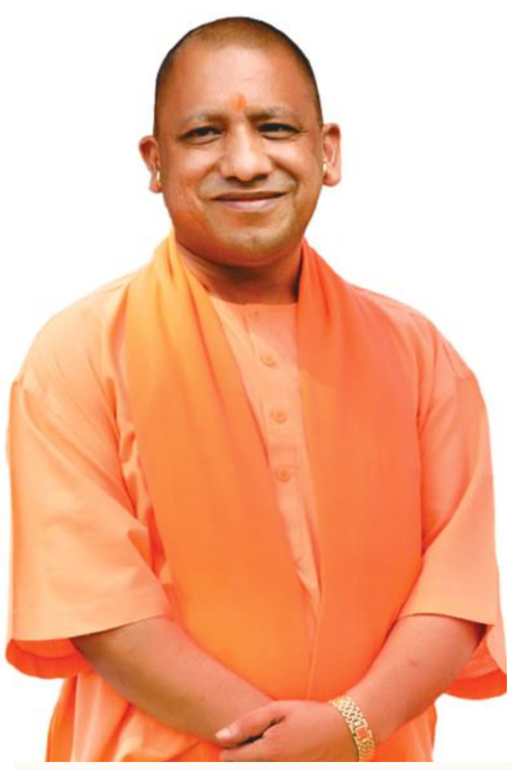

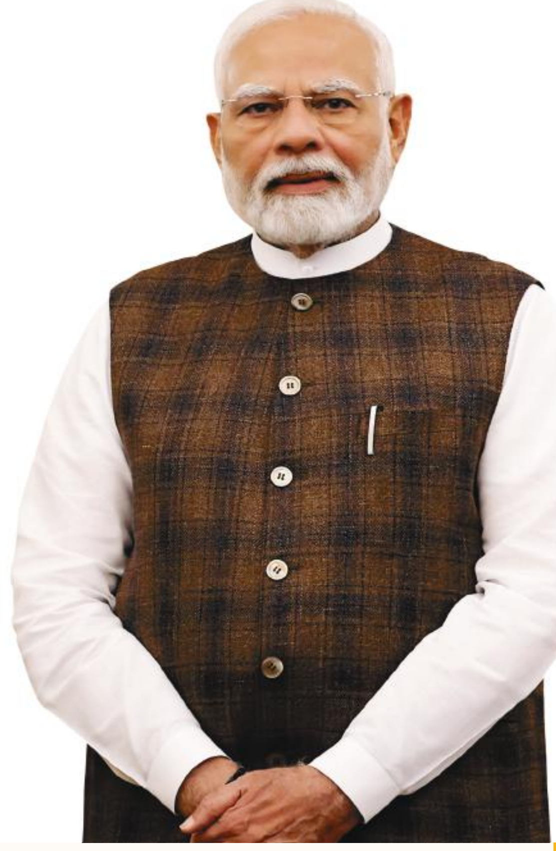

विज़न 2047 हमारे लिए एक संकल्प है। एक ऐसा संकल्प कि हम उत्तर प्रदेश को न केवल भारत का सबसे सशक्त और समृद्ध राज्य बनाएँगे, बल्कि दुनिया के सामने विकास, संस्कृति और मानवीय मूल्यों का आदर्श भी पेश करेंगे। हम वो प्रदेश बनाएंगे जो न केवल भारत में, बल्कि पूरी दुनिया में अपने विकास, अपनी तकनीकी ताकत, अपने उद्योग और अपनी अद्वितीय संस्कृति के लिए जाना जाएगा। यहाँ विकास की गंगा व परंपरा की यमुना साथ-साथ बहेंगी। आइए, हाथ से हाथ, मन से मन और कदम से कदम मिलाकर हम सब इस महान यात्रा का शुभारंभ करें।

चिन्हित 12 सेक्टर

कृषि एवं संबद्ध	पशुधन संरक्षण	स्वास्थ्य	शिक्षा	पर्यटन	सुरक्षा एवं सुशासन
अवस्थापना	समाज कल्याण	संतुलित विकास	नगर एवं ग्राम्य विकास	औद्योगिक विकास	आईटी एवं इमर्जिंग टेक्नोलॉजी

पर्यटन सेक्टर

1947-2017 तक उपेक्षा के कारण उत्तर प्रदेश की राष्ट्रीय पर्यटन हिस्सेदारी घटकर 13.1% रह गई

2017 के बाद तीव्र उछाल से यह 18.99% पहुँची

श्रीकाशी विश्वनाथ धाम, श्रीराम जन्मभूमि, दीपोत्सव, ब्रज विकास, पर्यटन परिपथ और हेलीपोर्ट सुविधाओं से यूपी बना धार्मिक-सांस्कृतिक पर्यटन का वैश्विक केंद्र

महाकुंभ 2025 ने यूपी को विश्व मानचित्र पर स्थापित कर अर्थव्यवस्था व रोजगार को नया आयाम दिया

2047 तक पर्यटन के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश

लघु अवधि (2029-30 तक)

नैमिषारण्य, विंध्याचल, मथुरा जैसे नए पर्यटन कॉरिडोर, रामायण-कृष्ण-बौद्ध सर्किट का विस्तार, ईको टूरिज्म और विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ाने पर फोकस

मध्यम एवं दीर्घ अवधि (2030-47)

यूपी को विश्व की सांस्कृतिक राजधानी के रुप में स्थापित कर परंपराओं और समृद्ध वैभव को वैश्विक पहचान दिलाना

नगर एवं ग्राम्य विकास सेक्टर

1947-2017 तक शहरीकरण अव्यवस्थित रहा निकाय और बजट आबादी के अनुरुप नहीं थे, बुनियादी सुविधाएँ अधूरी और विकास असंतुलित था

2017 के बाद योजनाबद्ध और तकनीक-सक्षम शहरीकरण शुरु हुआ

नए व विस्तारित निकाय, स्मार्ट सिटी मॉडल बने

राज्य राजधानी क्षेत्र और क्षेत्रीय विकास योजनाओं से जल-सीवर का संयोजन

हरित क्षेत्र और स्वच्छता में हुआ सुधार

2047 तक नगर विकास

लघु अवधि (2029-30 तक)

हर शहर को आधुनिक स्मार्ट सिटी बनाना, जहाँ स्वच्छ पेयजल व स्वच्छता उपलब्ध हो

24x7 बिजली और पक्का आवास उपलब्ध हो

मेट्रो, लाइट मेट्रो और इको-फ्रेंडली पब्लिक ट्रांसपोर्ट से शहरी कनेक्टिविटी सुदृढ़ करना

तीन नए रीजनल आर्थिक जोन, पारदर्शी नगर वित्तीय प्रबंधन, आधुनिक सीवेज व अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली लागू करना

मध्यम एवं दीर्घ अवधि (2030-47)

पाँच अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्मार्ट शहर विकसित करना, जो कनेक्टिविटी, जीवन स्तर और निवेश के मामले में वैश्विक मानकों के अनुरुप हों

पूरे प्रदेश में 100% ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन तथा वैज्ञानिक पुनर्चक्रण व्यवस्था सुनिश्चित करना

आपके सुझाव से बनेगा विकसित उत्तर प्रदेश

UP 2047

मिशन

समग्र विकास	आर्थिक नेतृत्व	सांस्कृतिक पुनर्जागरण
हर नागरिक को घर, पानी, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य	उद्योग, कृषि और सेवा क्षेत्र में प्रतिस्पर्धी बढ़त	परम्परा और आधुनिकता का संतुलित संगम

पशुधन संरक्षण सेक्टर

वर्ष 2017 तक अपार संभावनाओं के बाद भी पशुधन और दुग्ध विकास सेक्टर उपेक्षित रहा

पहले दुग्ध, अंडा और मत्स्य क्षेत्र में योगदान सीमित था

2017 के बाद नस्ल सुधार, कृत्रिम गर्भाधान, चारा व चिकित्सा प्रबंधन और गोवंश संवर्धन- संरक्षण से बड़ा बदलाव आया

प्रदेश में 414 लाख मी. टन दुग्ध उत्पादन हो रहा है (राष्ट्रीय योगदान 16.2%, देश में प्रथम)

अंडा उत्पादन में दोगुनी वृद्धि, मत्स्य उत्पादन में क्रांतिकारी बदलाव का साक्षी बना उत्तर प्रदेश

यह सेक्टर रोजगार-सेवायोजन के नए अवसरों का सहज माध्यम बन कर उभरा है

2047 तक पशुधन संरक्षण

लघु अवधि (2029-30 तक)

प्रदेश में दुधारु पशुओं की उत्पादकता दोगुनी, अंडा उत्पादन एवं मत्स्य उत्पादन में देश का शीर्ष राज्य बनना

गोवंश नस्ल सुधार, सॉर्टेड AI, प्रोटीनयुक्त आहार और निर्यातोन्मुख मछली प्रजातियों का विस्तार करना

मध्यम एवं दीर्घ अवधि (2030-47)

उत्तर प्रदेश को दूध व अंडा उत्पादकता में विश्वस्तरीय स्तर पर पहुँचाना

मत्स्य व पशुपालन को निर्यातोन्मुख बनाना और पशुधन विज्ञान व प्रबंधन के अंतरराष्ट्रीय संस्थानों की स्थापना करना

अवस्थापना सेक्टर

1947-2017 तक प्रदेश में आधारभूत ढांचा लगभग ठहरा रहा

सीमित सड़क और हवाई कनेक्टिविटी, औद्योगिक विकास हेतु कोई ठोस नीति नहीं थी और ऊर्जा उत्पादन मात्र 12,000 मेगावॉट तक सीमित था

2017 के बाद जल, थल और नभ तीनों मोर्चों पर अभूतपूर्व प्रगति हुई। 22 एक्सप्रेसवे, 16,000 किमी रेल लाइन, मल्टीमोडल लाजिस्टिक्स हब, 16 संचालित व 5 निर्माणाधीन हवाई अड्डे तथा जेवर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट जैसे प्रोजेक्ट्स ने उत्तर प्रदेश को इंफ्रास्ट्रक्चर पॉवरहाउस बना दिया

ऊर्जा उत्पादन 20,000 मेगावॉट से अधिक और विद्युतीकृत मजरों की संख्या दोगुनी हो गई

2047 तक अवस्थापना

लघु अवधि (2029-30 तक)

जेवर एयरपोर्ट को आधुनिक कार्गो ट्रांजिट हब बनाना

सभी जिलों को एक्सप्रेसवे से जोड़ना

स्मार्ट ग्रिड और नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार तथा नेपाल सीमा पर ट्रांजिट हब और पर्यटन स्थलों पर रोपवे विकसित करना

मध्यम एवं दीर्घ अवधि (2030-47)

"एक मंडल-एक एयरपोर्ट" के तहत हर मंडल में विश्वस्तरीय हवाई अड्डे का विकास

उत्तर प्रदेश को वैश्विक विमानन और अवसंरचना का केंद्र बनाने पर फोकस

अपने विचार और संकल्प साझा करने के लिए अभी QR कोड स्कैन करें या विज़िट करें:

https://samarthuttarpradesh.up.gov.in

शिक्षा सेक्टर

1947-2017 तक शिक्षा अवसंरचना कमजोर रही ड्रॉपआउट दर अधिक और तकनीकी-कौशलपरक शिक्षा का अभाव था

बेरोजगारी, भर्तियों में भेदभाव और महिलाओं की सीमित भागीदारी बड़ी चुनौतियाँ थीं

2017 के बाद व्यापक सुधार हुए, स्कूल चलो अभियान और ऑपरेशन कायाकल्प से विद्यालयों में बुनियादी सुविधाएँ पहुँचीं

अटल आवासीय विद्यालय, मुख्यमंत्री अभ्युदय कंपोजिट विद्यालय और प्रोजेक्ट अलंकार जैसे अभिनव प्रयास हुए

10 नए राज्य विश्वविद्यालय, आधुनिक आईटीआई और लगभग 50 लाख टैबलेट-स्मार्टफोन से युवाओं का डिजिटल सशक्तिकरण हुआ

पारदर्शी भर्तियों से लाखों युवाओं को रोजगार और महिला श्रम भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई

2047 तक शिक्षा क्षेत्र

लघु अवधि (2029-30 तक)

थीम आधारित विश्वविद्यालयों की श्रृंखला, ग्लोबल स्किल यूनिवर्सिटी की स्थापना

IIT-IIM समकक्ष संस्थानों की स्थापना, साथ ही अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के कैम्पस व एक्सचेंज प्रोग्राम से युवाओं को वैश्विक अवसर देना

मध्यम एवं दीर्घ अवधि (2030-47)

उत्तर प्रदेश को शिक्षा व कौशल विकास का वैश्विक केंद्र बनाना

प्रदेश में विश्वस्तरीय अनुसंधान और नवाचार केंद्र स्थापित हों और प्रदेश की उच्च शिक्षा संस्थाओं को अंतरराष्ट्रीय ख्याति दिलाने पर जोर

समाज कल्याण सेक्टर

1947-2017 तक योजनाओं का लाभ सीमित और अपारदर्शी रहा

2017 के बाद लक्षित व पारदर्शी मॉडल से 6 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए

जीरो पावर्टी अभियान, पेंशन, सामूहिक विवाह, उज्ज्वला, अन्नपूर्णा भवन व राशन कार्ड बना सुरक्षा कवच

2047 तक सामाजिक सुरक्षा एवं गरीब कल्याण

लघु अवधि (2029-30 तक)

वंचित वर्गों को शिक्षा स्वास्थ्य आवास-आजीविका में समान अवसर

महिलाओं की श्रम भागीदारी को 50% तक बढ़ाना, बहुआयामी गरीबी का उन्मूलन और हर नागरिक को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने का लक्ष्य

मध्यम एवं दीर्घ अवधि (2030-47)

पूर्वांचल बुंदेलखंड का संतुलित विकास

युवाओं को नवाचार, खेल-संस्कृति में वैश्विक अवसर

यूपी को स्किल्ड मानव संसाधन का प्रमुख आपूर्तिकर्ता बनाना

ADVERTORIAL

बिहार की महिलाएं सुनिश्चित करें कभी सत्ता में न लौटें राजद और उसके सहयोगी - 5

भारत-रूस के कारोबारी रिश्तों को उड़ान यूपी अहम किरदार- 8

यूएन में नेतन्याहू ने दिखाए तेवर बोले-गाजा में हमास के खिलाफ काम खत्म करके रहेंगे - 9

यह दबाव लिए बिना परिस्थितियों का लुत्फ उठाने के बारे में है : हरमनप्रीत - 10

आज का मौसम
35.0° अधिकतम तापमान
27.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.03
सूर्यास्त 06.03

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

आश्विन शुक्ल पक्ष पंचमी उपरांत 12:04 षष्ठी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 27 सितंबर 2025, वर्ष 6, अंक 308, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

स्वदेशी 4जी का आज लोकार्पण करेंगे मोदी

भोपाल। बीएसएनएल अपने रजत जयंती वर्ष में स्वदेशी 4जी युग में प्रवेश करने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कल 27 सितंबर को ओडिशा के झारसुगुड़ा से देश को बीएसएनएल की स्वदेशी 4जी सेवा राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इस अवसर पर लगभग 37 हजार करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 97,500 मोबाइल टावरों का उद्घाटन किया जाएगा। यह सेवा टीसीएस और तेजस नेटवर्क के साथ सी-डॉट कोर पर आधारित है। यह तकनीक पूरी तरह से स्वदेशी है और 5जी में अपग्रेड करने की क्षमता भी रखती है।

प्रदूषण निधि का 75 % उपयोग करना अनिवार्य

नई दिल्ली। पर्यावरण मंत्रालय ने राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के तहत शामिल शहरों के लिए यह अनिवार्य कर दिया है कि वे अब तक वितरित की गई राशि का कम से कम 75 प्रतिशत उपयोग करें, तभी उन्हें वित्त वर्ष 2025-26 के लिए धन आवंटित किया जाएगा। कार्यक्रम के क्रियान्वयन की निगरानी कर रही समिति ने 29 अगस्त को बुलाई गई एक बैठक में कहा कि एनसीएपी के तहत 130 शहरों को वितरित कुल 13,236 .80 करोड़ में से केवल 769 .83 करोड़ रुपये (74%) का ही उपयोग किया गया है।

प.बंगाल के पूर्व मंत्री पार्थ को दी जमानत

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने शिक्षक भर्ती अनियमितता मामले में पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी को शुक्रवार को जमानत दे दी। इस मामले की जांच केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) कर रहा है। पश्चिम बंगाल के सरकारी स्कूलों में नौकरी के लिए नकदी मामले के मुख्य आरोपी चटर्जी को प्राथमिक स्कूल भर्ती में अनियमितताओं के मामले में जमानत दी गई। सीबीआई ने पिछले साल 27 दिसंबर को आरोप-पत्र दायर किया था। यह घोटाला हजारों करोड़ रुपये का है।

कैदी के दिल से निकाली गईं तीन सुइयां

इंदौर। इंदौर के एक सरकारी अस्पताल के चिकित्सकों ने 29 वर्षीय कैदी के दिल में धंसी तीन सुइयों को जटिल सर्जरी से निकालकर उसे नया जीवन दिया। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि ये सुइयां एयरगन से दागी गई थीं। उसका अब तक जिंदा रहना करिश्मे से कम नहीं है। शल्य चिकित्सक डॉ. सुमित प्रताप सिंह ने बताया कि मरीज को छाती के बाई तरफ चुभन और दर्द की शिकायत थी।

निकायों में होंगी तीन हजार भर्ती, महिलाओं को दिवाली पर फ्री सिलेंडर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

यूपी कैबिनेट के फैसले

- **स्कॉलरशिप से वंचित छात्रों के लिए 647.38 करोड़ रुपये**

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक में 22 प्रस्तावों को पेश किया गया। इन प्रस्तावों में पर्यटन, शिक्षा, खनन, कृषि, बुनियादी ढांचा, और सामाजिक कल्याण जैसे क्षेत्रों को मजबूत करने की योजनाएं शामिल रहीं।

शुक्रवार शाम लोक भवन में हुई इस बैठक में राज्य के निकायों में तीन हजार कर्मियों की भर्ती का रास्ता भी साफ किया गया। निवेशकों को प्रोत्साहन देने की योजनाओं के साथ दिवाली में उज्जवला योजना के तहत लगभग 1.85 करोड़ महिलाओं को फ्री में सिलेंडर और साल 2024 में विभिन्न कारणों से छात्रवृत्ति पाने से वंचित रह गए लगभग पांच लाख बच्चों को छात्रवृत्ति देने को मंजूरी दी गई। इस हेतु 647.38 करोड़ की व्यवस्था की गई है।

कैबिनेट ने स्थानीय निकायों में लगभग तीन हजार पदों पर भर्ती नीति को मंजूरी दी है। निकायों में कॉडर पुनर्गठन के बाद बढ़े इन पदों के लिए मानक तय करने का प्रस्ताव भी पारित किया है। इससे हजारों युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। निवेशकों को अनुदान प्रदान करने के प्रस्ताव पर भी मुहर लगाई गई। विभिन्न विभागों के निवेश प्रोत्साहन योजनाओं को मंजूरी दी गई है।

मोटा अनाज खरीद नीति को मंजूरी

खरीफ विपणन साल 2025-26 में मूल्य समर्थन योजनान्तर्गत धान क्रय नीति निर्धारण को स्वीकृति दी गई। 1 अक्टूबर 2025 से 31 जनवरी 2026 तक पश्चिमी उप्र. में, 15 अक्टूबर से 28 फरवरी 2026 तक पूर्वी उप्र. में, धान क्रय किया जाएगा। इस साल कॉमन धान का क्रय मूल्य 2369 रु./क्विंटल तथा ग्रेड ए धान के लिए 2389 रु./क्विंटल तय किया गया है। 60 लाख मीट्रिक टन खरीद का लक्ष्य रखा गया है। मक्का क्रय 2400 रुपये क्विंटल, बाजरा 2775 रुपये क्विंटल, ज्वार (हाइब्रिड) 3699 रुपये तथा ज्वार का खरीद मूल्य 3749 रुपये क्विंटल तय किया गया है।

मृतक आश्रित को उसी कैडर में नौकरी

सुप्रीम कोर्ट में दायर मृतक आश्रित संबंध में अपील ''प्रेमलता बनाम उप्र. सरकार'' के आधार पर मृतक आश्रित योजनांतर्गत जो व्यक्ति जिस कैडर अंतर्गत मृत होगा उसके आश्रित को उसी कैडर अंतर्गत नौकरी मिलेगी, उदाहरण के तौर पर समूह ग आश्रित को उसी श्रेणी में, समूह घ आश्रित को उसी श्रेणी में नौकरी मिलेगी। इस संबंध में प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

ग्रीनफील्ड लिंक एक्सप्रेस वे का प्रस्ताव पास

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे से गंगा एक्सप्रेस वे तक लिंक एक्सप्रेस वे वाया फर्रुखाबाद 90 किमी का ग्रीनफील्ड लिंक एक्सप्रेस वे प्रस्ताव को मंजूरी मिली है। मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण नए शहर प्रोत्साहन परियोजना अंतर्गत रामपुर, अयोध्या, लखनऊ, बागपत विकास प्राधिकरण को धनराशि प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई है।

तीन नए निजी विवि की स्थापना को मंजूरी

लखनऊ। कैबिनेट ने प्रदेश में उच्च शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण और सुलभ बनाने के लिए तीन नए निजी विश्वविद्यालय स्थापित किए जाने का निर्णय लिया है। उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने बताया कि संभल के चन्दौसी क्षेत्र में राधा गोविंद विवि की स्थापना के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान करते हुए, उप्र. निजी विवि (पंचम संशोधन) अध्यादेश, 2025 लाने का निर्णय लिया गया। यह विश्वविद्यालय 22 .05 एकड़ भूमि पर स्थापित होगा। झांसी में गांधी विवि की स्थापना के लिए आशय-पत्र निर्गत किया गया है। यह विवि 20 .21 एकड़ भूमि पर स्थापित होगा। फतेहपुर में ठाकुर युगराज सिंह विवि की स्थापना को आशय-पत्र जारी किया गया है।

शहर में बवाल, पुलिस पर पथराव और फायरिंग के बाद लाठी चार्ज

आई लव मोहम्मद के पोस्टर पर कानपुर में हुई कार्रवाई के विरोध में जुटी थी भीड़

शरारती तत्वों ने गलियों और छतों से पुलिस फोर्स पर किया पथराव

- **उपद्रवियों पर काबू पाने के लिए पुलिस ने छोड़े आंसू गैस के गोले**
- **पथराव और फायरिंग में पुलिस कर्मियों को लगे छर्रे, 10 घायल**
- **बवाल के बाद शहर के तमाम बाजार हुए बंद, कई गिरफ्तार**

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : आई लव मोहम्मद के पोस्टर लगाने पर कानपुर में हुई कार्रवाई के विरोध में आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के आह्वान पर जुमे की नमाज के बाद जुटी भीड़ में शामिल उपद्रवियों ने शहर में पांच जगहों पर भारी बवाल किया।

उपद्रवियों ने पुलिस पर पथराव कर फायरिंग की। दुकानों में तोड़-फोड़ और कई वाहन भी क्षतिग्रस्त कर दिए। बिहारीपुर पुलिस चौकी के पास पुलिस पर फायरिंग की। पथराव और छर्रे लगने 10 से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हो गए। भीड़ नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़ने के साथ लाठी चार्ज किया। कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बवालियों से कई असलहे भी बरामद किए गए हैं। घटना के बाद आधे से ज्यादा शहर के बाजार बंद हो गए।

जुमे की नमाज के बाद उपद्रव कर रही भीड़ को पुलिसकर्मियों ने लाठीचार्ज कर खदेड़ा।

कानपुर की घटना के विरोध में मौलाना तौकीर रजा खां ने जुमे की नमाज के बाद समुदाय के लोगों के साथ इस्लामिया इंटर स्कूल के ग्राउंड पर धरना प्रदर्शन का एलान किया था। इसकी अनुमति पुलिस-प्रशासन ने नहीं दी थी। जिले में धारा 163 लागू होने के बावजूद शुक्रवार दोपहर लोगों का हुजूम इस्लामिया पहुंचने लगा। इसी बीच भीड़ की शक्ल में उपद्रवियों ने पुलिस के सामने नारेबाजी और तकरीर शुरू कर दी। उपद्रवी बेकाबू होते दिखे तो पुलिस ने उन्हें रोकने-समझाने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया गया। कई दुकानों में तोड़-फोड़ भी की। हालात काबू में करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले छोड़े। उपद्रवियों ने गली और छतों से पुलिस पर पथराव किया।

बरेली में माहौल खराब करने की थी साजिश

बरेली में माहौल खराब करने की साजिश थी। साजिश के पीछे पश्चिम में उद्योग धंधों और प्रगति के खिलाफ एक नकारात्मक माहौल बनाना था। सरकार पता लगा रही है कि साजिश के पीछे किसका हाथ है। सूत्रों का मानना है कि बरेली की साजिश के पीछे नोएडा के इंटरनेशनल ट्रेड शो को दंगों की आड़ में कमतर दिखाना और ये जाहिर करना था कि उत्तर प्रदेश अभी भी सुरक्षित नहीं है, ताकि विदेशी निवेश यूपी में न आ पाए।

“उपद्रवियों ने पथराव और फायरिंग कर शहर का माहौल खराब करने की कोशिश की। बवाल में 10 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। पुलिस ने लाठी चार्ज करते हुए आंसू गैस के गोले छोड़े, जिससे भीड़ तितर-बितर हुई। घटनाक्रम की वीडियोग्राफी कराई गई है। उपद्रवियों को चिन्हित किया जा रहा है। कई लोगों को गिरफ्तार किया है। असलहे बरामद किए हैं। इस घटनाक्रम में शामिल किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

-अजय कुमार साहनी, डीआईजी बरेली

ट्रंप ने अब दवाओं पर लगाया 100 % टैरिफ

वाशिंगटन/नई दिल्ली, एजेंसी

- **दवाओं पर शुल्क उन कंपनियों पर लागू नहीं होगा जो अमेरिका में लगा रहीं संयंत्र**
- **किचन कैबिनेट, फर्नीचर और भारी ट्रकों पर भी आयात कर लगाने की घोषणा की**

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह एक अक्टूबर से आयातित वस्तुओं पर भारी कर लगाएंगे, जिनमें दवाइयों पर 100 प्रतिशत, किचन कैबिनेट और बाथरूम वैनिटी पर 50 प्रतिशत, अपहोल्स्टर्ड फर्नीचर पर 30 प्रतिशत और भारी ट्रकों पर 25 प्रतिशत कर लगाया जाएगा। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर गुरुवार को एक पोस्ट में यह घोषणा की। ट्रंप ने इन शुल्कों को लगाने का कोई कानूनी आधार नहीं दिया। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि आयातित किचन कैबिनेट और सोफों पर कर राष्ट्रीय सुरक्षा और अन्य कारणों से जरूरी है। ट्रंप ने कहा कि दवाओं पर शुल्क उन कंपनियों पर लागू नहीं होगा जो अमेरिका में संयंत्र लगा रही हैं। अमेरिका ने 2024 में लगभग 233 अरब डॉलर की दवाएं आयात कीं। ऐसे में दवाओं की कीमत दोगुनी होना स्वास्थ्य खर्च और इलाज की लागत को बढ़ा सकता है। इस घोषणा ने सभी को चौंकाया है क्योंकि पहले ट्रंप ने कहा था कि दवाओं पर कर धीरे-धीरे लागू होगा।

भारतीय कंपनियों पर ज्यादा असर

भारत से बड़ी मात्रा में अमेरिका को दवाओं का निर्यात होता है। अमेरिका में अधिकांश सस्ती और जेनेरिक दवा भारत से ही जाती हैं। ट्रंप के फैसले का सबसे अधिक असर भारतीय दवा कंपनियों पर पड़ेगा। इससे पहले अमेरिका ने अगस्त में दो बार में भारतीय वस्तुओं पर 50% आयात शुल्क लगा दिया था।

ट्रेड शो : दूसरे दिन 120 समझौतों पर हस्ताक्षर

नोएडा, एजेंसी

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के दूसरे दिन दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित ट्रेड शो के दूसरे दिन कुल 91,259 आगंतुक पहुंचे, जिनमें 23,758 बी2बी (बिजनेस टू बिजनेस) और 67,501 बी2सी (बिजनेस टू कंज्यूमर) शामिल रहे। पहले दिन आए 49 हजार आगंतुकों को जोड़कर दो दिनों में कुल 1,40,259 दर्शक ट्रेड शो पहुंचे।

यह रिकॉर्ड-ब्रेकिंग फुटफॉल उत्तर प्रदेश की बढ़ती औद्योगिक ताकत और यूपीआईटीएस की वैश्विक पहचान को दर्शाता है। दिनभर चले विविध कार्यक्रमों में भारत-रूस बिजनेस डायलॉग केंद्र में रहा। इसमें 85 से अधिक कंपनियों ने भाग लिया और 240 से ज्यादा बी2बी बैठकें हुईं जिनें लगभग 120 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर हुए, जिनका अनुमानित मूल्य 5.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर रहा।

दूसरे दिन एमएसएमई, शहरी विकास, आईटी-इलेक्ट्रॉनिक्स, कृषि और स्वास्थ्य विभाग द्वारा भी कई विषयगत सत्र आयोजित किए गए। करीब दो हजार से अधिक युवा व्यापार-उन्मुख गतिविधियों से जुड़े, जबकि 362 छात्रों ने क्विज, माइम और मॉडल यूनाइटेड नेशंस जैसी प्रतियोगिताओं में प्रतिभा दिखाई। दूसरे दिन आयोजित सत्र एमएसएमई@2047 एक विकसित भारत का इंजन में शामिल हुए केंद्रीय एमएसएमई मंत्री जीतनराम मांझी ने कहा कि एमएसएमई को बढ़ावा देने के लिए यूपीआईटीएस जैसे आयोजन देशभर में होने चाहिए। इससे उद्यमियों को मंच मिलेगा और रोजगार भी सृजित होंगे। प्रदेश के एमएसएमई, खादी एवं ग्रामोद्योग मंत्री राकेश सचान ने कहा कि राज्य सरकार केंद्र के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलेगी।

UP INTERNATIONAL TRADE SHOW 3rd Edition

- **युवाओं की संख्या :** 1500
- **कुल व्यापारिक पूछताछ :** 2000 से अधिक
- **विशेष आकर्षण :** ओसियान इंटरप्राइजेज (125 से अधिक युवाओं की रुचि)
- **प्रमुख स्टॉल :** क्यूटीएम, ग्रिप इंटरनेशनल, प्रॉस्पर समूह, कोशिश समाधान
- **नव उद्यम :** डॉ. गैराज, मिस्टर सैंडविच, धोबीलाइट, अर्द्धसैनिक कैंटीन, अमूल

- **रिकॉर्ड 91 हजार से अधिक दर्शक पहुंचे, 240 बिजनेस मीट**

तय तिथि पर होगी यूपीपीएससी मुख्य परीक्षा

विधि संवाददाता, प्रयागराज

- **हाईकोर्ट ने लोकसेवा आयोग को दी अनुमति**

अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) को 28 सितंबर को प्रस्तावित मुख्य परीक्षा आयोजित करने की अनुमति दे दी है। कोर्ट ने यह स्पष्ट किया कि परीक्षा के परिणाम वर्तमान विशेष अपील के अंतिम निर्णय पर ही निर्भर होंगे।

मामला 7 अक्टूबर 2025 को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है। यह आदेश न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी और न्यायमूर्ति अनीश कुमार गुप्ता की खंडपीठ ने आयोग की विशेष अपील पर पारित किया। आयोग ने कोर्ट को बताया कि परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी की जा चुकी हैं। प्रवेश पत्र जारी कर परीक्षा केंद्र भी आवंटित कर दिए गए हैं। कोर्ट ने माना कि परीक्षा रद्द करने से 7 हज़ार से अधिक अभ्यर्थियों को असुविधा होगी, इसलिए न्यायहित में परीक्षा समय पर कराना उचित होगा। मालूम हो कि न्यायमूर्ति अजीत कुमार की एकल पीठ ने 25 सितंबर को नई मेरिट सूची बनाने के बाद मुख्य परीक्षा कराने का आदेश दिया था।

जलवायु कार्यकर्ता वांगचुक गिरफ्तार

लेह, एजेंसी

- **सुरक्षा कारणों से लेह में बंद की गईं मोबाइल इंटरनेट सेवाएं**

लद्दाख को राज्य का दर्जा और संविधान की छठी अनुसूची के विस्तार की मांग को लेकर केंद्र शासित प्रदेश में हुए हिंसक प्रदर्शन के दो दिन बाद शुक्रवार को जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। हिंसक प्रदर्शन में चार लोगों की मौत हो गई थी और 90 अन्य घायल हो गए थे।

लद्दाख के डीजीपी एसडी सिंह जामवाल के नेतृत्व में एक पुलिस दल ने अपराह्न 2.30 बजे वांगचुक को हिरासत में ले लिया। प्रशासन के सूत्रों ने संकेत दिया है कि जलवायु कार्यकर्ता के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) लगाया गया है। प्रशासन ने एहतियात के तौर पर लेह क्षेत्र में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं भी बंद कर दी हैं। लेह एपेक्स बॉडी और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस की ओर से मुखर रूप से बोलने वाले वांगचुक, (लद्दाख को) राज्य का दर्जा तथा लेह और कारगिल के निवासियों के लिए पांच साल से चल रहे आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं।

लेह में तीसरे दिन भी कर्फ्यू

लेह शहर में लगातार तीसरे दिन शुक्रवार को भी कर्फ्यू जारी रहा। अधिकारियों ने बताया कि कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की खबर नहीं है। स्थिति शांतिपूर्ण रही।

यूपीईएसएससी अध्यक्ष प्रो. कीर्ति पांडेय का इस्तीफा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग (यूपीईएसएससी) की अध्यक्ष प्रोफेसर कीर्ति पांडेय ने पद से त्यागपत्र दे दिया है। शासन ने त्यागपत्र स्वीकार करते हुए आयोग के वरिष्ठ सदस्य रामसूचित को वैकल्पित कार्यभार सौंपा है। प्रो. पांडेय ने व्यक्तिगत कारणों का हवाला दिया है। हालांकि, उनके निर्णय पर तमाम कयास लगाए जा रहे हैं।

ऐसे समय में जब कई परीक्षाएं संभावित हैं। आयोग के अध्यक्ष के त्यागपत्र देने से परीक्षा संबंधी तैयारियों पर असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है। उच्च शिक्षा विभाग के विशेष सचिव गिरिजेश त्यागी के अनुसार एक सितंबर 2024 को प्रो. कीर्ति अध्यक्ष नियुक्त हुई थीं।

जवाबदेही तय होगी

मुख्यमंत्री ने 3,96,602 छात्र-छात्राओं को वितरित की 89 .96 करोड़ रुपये छात्रवृत्ति

बख्शे नहीं जाएंगे छात्रवृत्ति रोकने वाले अफसर : योगी

- **पांच लाख छात्रों को दिवाली से पहले मिलेगी स्कॉलरशिप**

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को सख्त चेतावनी दी कि छात्रवृत्ति रोकने वाले अफसरों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि संस्थानों की लापरवाही से अनुसूचित जाति-जनजाति के पांच लाख से अधिक छात्र-छात्राएं छात्रवृत्ति से वंचित रह गए।

डाटा अपलोड न होने के कारण स्कॉलरशिप रोक दी गई थी, मगर अब सरकार ने दिवाली से पहले सभी के खाते में छात्रवृत्ति भेजने का फैसला किया है। आईजीपी में शुक्रवार को समाज कल्याण विभाग की ओर से आयोजित छात्रवृत्ति वितरण समारोह में मुख्यमंत्री योगी ने 3,96,602 छात्र-छात्राओं को 89.96 करोड़ रुपये की स्कॉलरशिप वितरित की। उन्होंने साफ कहा कि जिन अफसरों की वजह से बच्चों को स्कॉलरशिप नहीं मिली, उनकी जवाबदेही तय होगी। भविष्य में ऐसी गलती दोहराने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा। योगी ने कहा कि 2017 से पहले छात्रवृत्ति में भारी गड़बड़ियां होती थीं। राशि समय पर नहीं मिलती थी और भेदभाव भी होता था। लेकिन 2017 में भाजपा सरकार आने के बाद 2016-17 और 2017-18 की छात्रवृत्ति हर बच्चे तक पहुंचाई गई। सीएम ने जोर देकर कहा कि अब डीबीटी से पैसा सीधे खाते में जाता है, न कोई बिचौलिया, न भ्रष्टाचार। सीएम ने बताया कि 2017-18 से 2024-25 तक एससी-एसटी वर्ग के 1.23 करोड़ छात्रों को 9,150 करोड़ रुपये छात्रवृत्ति दी गई। सामान्य वर्ग के 58.90 लाख छात्रों को 5,945 करोड़ रुपये और पिछड़े वर्ग के 2.07 करोड़ छात्रों को 13,535 करोड़ रुपये छात्रवृत्ति दी गई। मंत्री नरेंद्र कश्यप, असीम अरुण, राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी, संजीव गौड़, अनुसुचित जाति-जनजाति आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत आदि इस अवसर पर मौजूद रहे।

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित समारोह में एक छात्रा को छात्रवृत्ति देते मुख्यमंत्री योगी।

स्कॉलरशिप दोगुनी बजट की कमी नहीं

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017-18 में 1,648 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति दी जाती थी, 2025-26 में यह बढ़कर 3,124 करोड़ रुपये हो गई है। यानी स्कॉलरशिप दोगुनी हो चुकी है। 2017 से अब तक 2 करोड़ से ज्यादा छात्रों को छात्रवृत्ति का लाभ मिल चुका है।

पंचम स्कंदमाता

पहाड़ों पर रहकर सांसारिक जीवों में नवचेतना का निर्माण करने वाली स्कंदमाता। नवरात्रि में पांचवें दिन इस देवी की पूजा-अर्चना की जाती है। कहते हैं कि इनकी कृपा से मूढ़ भी ज्ञानी हो जाता है। स्कंद कुमार कार्तिकेय की माता के कारण इन्हें स्कंदमाता नाम से अभिहित किया गया है। इनके विग्रह में भगवान स्कंद बालरूप में इनकी गोद में विराजित हैं। देवी स्कंदमाता की पूजा से बुध ग्रह का दोष कम होता है।

बीज मंत्र...ह्रीं क्लीं स्वमिन्यै नमः।

200 मीटर दौड़ में मुजाहिद ने मारी बाजी

गोला फेंक में आकाश प्रथम, पश्चिमी जोन खेल कूद प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया

संवाददाता, मीरगंज

अमृत विचार : राजेंद्र प्रसाद इंटर कॉलेज के मैदान में चल रही माध्यमिक विद्यालयों की तहसील स्तरीय पश्चिमी जोन खेल कूद प्रतियोगिता के दूसरे दिन शुक्रवार को सीनियर बालक वर्ग 200 मीटर दौड़ में केएसजी इंटर कॉलेज के छात्र मुजाहिद ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

हेमर थ्रो में राजेंद्र प्रसाद इंटर कॉलेज के छात्र उपदेश ने, गोला फेंक में आकाश ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं सीनियर बालिका वर्ग में जैवलिन थ्रो में पूजा ने, 200 मीटर दौड़ में ब्रह्म देवी बालिका इंटर कॉलेज की छात्रा शीतल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 3000 मीटर दौड़ में शिद्धांत सिंह, हेमर थ्रो में अरमान प्रथम स्थान पर रहे। जूनियर बालिका वर्ग में नाजिया ने 200 मीटर दौड़ व भाला फेंक मे प्रथम स्थान प्राप्त किया। 3000 मीटर दौड़ में रिंकी, सब जूनियर बालक वर्ग के ऊंची कूद में मो.अनस ने पहला स्थान प्राप्त किया। जबकि सब जूनियर बालिका वर्ग में कैफी प्रथम स्थान पर रहीं। विनोद कुमार, श्रीकृष्ण यादव, स्नेह कुमार कुशवाहा, मनोज कुमार वर्मा, बालेश्वर गौतम, हिमांशु प्रसाद, हेमन्त कुमार, धर्मेंद्र, रामदास मिश्रा, अमित कुमार तिवारी, राम अवतार, सलिल वर्मा, नितेश कुमार, किरन आदि का सहयोग रहा।

राजेंद्र प्रसाद इंटर कॉलेज में आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेते खिलाड़ी।

श्यामसुंदर कन्या इंटर कॉलेज में विजयी प्रतिभागी, साथ में शिक्षिकाएं व कर्मी।

क्षेत्रीय विद्यालय बालिका एथलेटिक्स प्रतियोगिता शुरू

फरीदपुर, अमृत विचार : कस्बे के श्यामसुन्दर कन्या इंटर कॉलेज में शुक्रवार को क्षेत्रीय विद्यालय बालिका एथलेटिक्स प्रतियोगिता का शुभारंभ एमएलसी कुंवर महाराज सिंह ने किया। प्रधानाचार्या डॉ. दीपाकाला ने अतिथि का स्वागत किया। मुख्य अतिथि और प्रधानाचार्या ने हरी झंडी दिखाकर प्रतियोगिताओं की शुरुआत कराई। पहले दिन लंबीकूद, गोला फेंक और चक्का फेंक प्रतियोगिताओं में नौ विद्यालयों की लगभग 100 छात्राओं ने हिस्सा लिया। श्याम सुन्दर कन्या इंटर कॉलेज की वर्षा, नंदनी और सलोनी ने गोला फेंक में प्रथम स्थान प्रापत किया। काजल यादव, सना, चहक और प्रज्ञा ने विभिन्न खेलों में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। क्रीड़ा प्रभारी रीता रानी समेत अन्य लोग मौजूद रहे। संचालन शबनम बानो ने किया।

भरतौल प्रधान से मुख्यमंत्री ने की बात, विकास को लेकर पूछे सुझाव

भरतौल की प्रधान प्रवेश कुमारी से वर्चुअल संवाद करते सीएम योगी आदित्यनाथ।

बिथरी चैनपुर, अमृत विचार : राष्ट्रीय पुरस्कार हासिल कर चुकी बिथरी ब्लॉक की मॉडल ग्राम पंचायत भरतौल में और अधिक विकास को लेकर गांव की प्रधान से मुख्यमंत्री ने वर्चुअल बातचीत कर सुझाव पूछे।

शुक्रवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने भरतौल प्रधान प्रवेश कुमारी से वर्चुअल संवाद कर समूह से जुड़ी महिलाओं के कार्यों की जानकारी ली। प्रधान ने बताया कि वह गांव में गेस्ट हाउस का निर्माण करवा रही हैं। प्रधान ने बताया कि उन्होंने विद्यालयों में बच्चों की पढ़ाई के लिए क्लास में स्मार्ट टीवी लगवाए हैं। इसपर मुख्यमंत्री ने उनके कार्यों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'हमारा प्रदेश, हमारा देश' विकसित हो, इसके लिए ग्राम प्रधानों ने सुझाव मांगे जा रहे हैं। कहा कि ग्राम पंचायत के नागरिकों, समहू की महिलाओं, पंचायत से जुड़े कर्मचारियों से बातचीत कर प्रदेश को विकसित करने के लिए सुझाव दे सकते हैं। मुख्यमंत्री ने अन्नपूर्णा दुकान के बारे में भी जानकारी ली। खंड विकास अधिकारी कौशल कुमार गुप्ता, प्रभारी जिला पंचायत राज अधिकारी शशांक सक्सेना, सहायक विकास अधिकारी पंचायत बिथरी चैनपुर शिखर गुप्ता, डीपीएम अरुण कुमार आदि मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

शिकायत पर तहसील पहुंचे विधायक, लगाई फटकार

नवाबगंज, अमृत विचार : दाखिल खारिज के मामले में रिश्वतखोरी की शिकायत पर शुक्रवार को विधायक डॉ. एमपी आर्य अचानक तहसील पहुंचे। उन्होंने एक अफसर को फटकार लगाई। विधायक ने कहा कि आमजन के कार्य पारदर्शिता और ईमानदारी से करना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पक्ष जानने के लिए संबंधित अफसर से संपर्क किया मगर बात नहीं हो सकी।

रेलवे में नौकरी के नाम पर लाखों की ठगी

देवरनियां, अमृत विचार : कठर्रा गांव निवासी मोहनलाल ने गांव गुना हट्टू निवासी सुनील कुमार पर ठगी करने का आरोप लगाया है। मोहनलाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि सुनील ने बेटे की नौकरी रेलवे में लगवाने के नाम पर 11,70,400 रुपये ठग लिए। एसएसपी के आदेश पर पुलिस ने सुनील कुमार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

देव स्थान पर मूर्ति स्थापित, लगाए कैमरे

आंवला, अमृत विचार : कस्बे के मोहल्ला बजरिया कृष्णा कोल्डस्टोरेज के समीप गली में प्राचीन देवस्थान (मठिया) पर गुरुवार की शाम दुर्गा देवी की मूर्ति खंडित करने के मामले में प्रशासन ने नई मूर्ति स्थापित कराकर प्राण प्रतिष्ठा कराई। शुक्रवार को देवस्थान पर सुरक्षा को लेकर सीसीटीवी कैमरे लगवाए।

बीते सोमवार को मठिया पर दुर्गा देवी की मूर्ति की स्थापना कराई गई थी। गुरुवार को किसी ने मूर्ति तोड़कर खंडित कर दी। सूचना पर हिंदू संगठनों के पदाधिकारी, भाजपाई और स्थानीय लोग पहुंच गए। लोगों ने आक्रोश जताया। एसडीएम विदुषी सिंह, सीओ नितिन कुमार, इंस्पेक्टर कुंवरबहादुर सिंह ने लोगों को समझा बुझाकर शांत किया।

शोहदे ने छात्रा को उठा ले जाने की दी धमकी

संवाददाता, फरीदपुर

अमृत विचार : शोहदे ने छात्रा का पीछा किया। बात करने का दबाव बनाया। विरोध करने पर शोहदे ने छात्रा को उठा ले जाने की धमकी दी। मामले में पुलिस को तहरीर दी गई है।

कोतवाली क्षेत्र की छात्रा एक कॉलेज में पढ़ती है। थाना फतेहगंज पूर्वी के एक गांव निवासी युवक आए दिन उसका पीछा करता है। फोन नंबर मांगकर बात करने का दबाव बनाता है। पीड़िता के अनुसार शुक्रवार को वह कॉलेज जा रही थी। ऑटो से उतरने के बाद आरोपी युवक ने साथियों के साथ उसका पीछा किया। स्कूल बैग छीनकर उसमें रखे चार हजार रुपये निकाल लिए। कुछ दूर जाकर आरोपी ने बैग फेंक दिया। पीड़िता ने कोतवाली में पहुंचकर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

छेड़छाड़ के विरोध पर पीटा, रिपोर्ट

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार छेड़छाड़ का विरोध करने पर पीड़िता के भाई को पीटने के मामले में पुलिस ने एक नामजद और दस अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। गुरुवार शाम दूसरे समुदाय के युवक ने कोचिंग जाते समय छात्रा का पीछा किया था। आरोपी ने छात्रा के भाई को पीटा था। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है।

स्टेशन रोड पर जनसुविधा केंद्र पर छापा, मचा हड़कंप

नवाबगंज, अमृत विचार : तीन दिन पहले तहसील गेट के बाहर जनसुविधा केंद्र से फर्जी आय, जाति और जन्म प्रमाणपत्र जारी होने का मामला सामने आया था। इसके बाद तहसील प्रशासन ने गुरुवार को स्टेशन रोड स्थित एक जनसुविधा केंद्र पर छापा मारा। करीब एक घंटे तक जांच चली। इस कार्रवाई से जन सुविधा केंद्र संचालकों में हड़कंप मचा रहा।

तहसीलदार दुष्यंत प्रताप सिंह ने बताया कि उनकी ड्यूटी महानगर में लगी है। वहां से लौटने के बाद ही मामले की जानकारी लेंगे। दरअसल तीन दिन पूर्व तहसील प्रशासन ने तहसील गेट के सामने एक जनसुविधा केंद्र पर छापामारी की थी। गड़बड़ी मिलने पर केंद्र संचालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी।

ससुराल की चौखट पर 'खुशी', मगर दरवाजे बंद

फरीदपुर, अमृत विचार : बच्ची के साथ एक महिला ससुराल पहुंची। आरोप है कि ससुरालियों ने महिला को घर में घुसने नहीं दिया। गेट बंद कर लिया। पूरे दिन महिला बच्ची के साथ गेट के बाहर बैठी रही।

स्टेशन रोड निवासी खुशी सिंह की शादी 14 फरवरी 2024 को मोहल्ला बक्सरिया निवासी आदित्य प्रताप सिंह से हुई थी। शुक्रवार को वह दो माह के दुधमुंही बच्ची के साथ ससुराल पहुंचीं। आरोप है कि उन्हें देखकर ससुराल वालों ने दरवाजा बंद कर लिया। वह सुबह 11 से शाम 6 बजे तक दरवाजे पर बैठी रहीं, लेकिन ससुराल में दरवाजा नहीं खोला। इसपर उन्होंने डायल 112 पुलिस को सूचना दी। पुलिस दरवाजा खुलवाने का प्रयास किया, लेकिन दरवाजा नहीं खोला गया। खुशी ने परिजनों के साथ कोतवाली पहुंचकर ससुरालियों के खिलाफ तहरीर दी। खुशी और उनके ससुरालियों के बीच विवाद चल रहा है। मामला परामर्श केंद्र में पहुंच चुका है। खुशी ने ससुरालियों पर दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाया है।

गेट के बाहर बच्ची के साथ खुशी।

100 रुपये के लिए दो पक्षों में मारपीट कई लोग घायल

नवाबगंज, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव गरगईया में गुरुवार रात 100 रुपये की उधारी को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। जिसमें कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

ग्रामीणों के अनुसार विवाद की शुरुआत तब हुई, जब एक युवक ने उधार दिये 100 रुपये वापस मांगे। बात इतनी बढ़ी कि दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आए गए। गांव के मुख्य चौराहे पर उनके बीच मारपीट शुरू हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामला शांत कराया। दोनों पक्षों ने थाने में तहरीर दी है। हालांकि, पंचायत के माध्यम से दोनों पक्षों के बीच सुलह करा दी गई है।

दाँतों में तकलीफ
अब कोई चिन्ता नहीं!

ग्लोबल डेन्टल हॉस्पिटल एण्ड इम्पलान्ट सेन्टर
डॉ० एम.बी. गौतम
बी.डी.एस.
(वरिष्ठ मुख एवं दन्त रोग विशेषज्ञ)
उपलब्ध सुविधायें
- शादी से पहले स्माईल डिजाइन अवश्य करायें।
- दांतों की सफाई विदेशी तकनीक द्वारा (Ultrasonic scaler)
- हिलते हुए दांतों को जाम करना।
- दांतों की नसों का इलाज Root Canal Treatment, (Single Siting RCT)
- मसूड़ों से खून आना/बदबू आना व पायरिया का इलाज।
- दांतों में ठण्डा व गर्म पानी लगने का इलाज।
- सड़े गले दांतों को बना तकलीफ के निकालना (Laser Filling)
- टेढ़े-मेढ़े, ऊँचे-नीचे दांतों का इलाज। (Fix Braces)
- डेन्टल इम्प्लांट द्वारा दांत लगाना। (Zirconia Crown/ Bridges)
- मुलायम जबड़े की बत्तीसी (Flexible/RPD)
- गुटखे की वजह से मुंह कम खुलने का इलाज।
- एक्सीडेन्टल टूटे जबडे व अक्कल दाढ़ की सर्जरी की सुविधा

सम्पर्क करें:-
9997317000, 0581-4508701
स्थान परिवर्तन
प्रभा टाकीज के सामने वाली रोड, महाजन स्क्वायर 35/के रामपुर गार्डन, जीवन ज्योति अस्पताल के बराबर में, बरेली

बुआ के घर आए युवक की मौत

आंवला, अमृत विचार : बुआ के घर आए युवक का शव संदिग्ध अवस्था में एक झोपड़ी में पड़ा मिला। परिजनों ने हत्या कर शव फेंकने का आरोप लगाया है।

पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। भीमपुर गांव के ग्रामीणों ने बताया कि गांव के दानसिंह के खेत में बनी झोपड़ी में डनलप के नीचे शुक्रवार सुबह बिशारतगंज के गांव नूरपुर बुजुर्ग निवासी वीरपाल (40) का शव पड़ा था।

चुनावी रंजिश में प्रधान का घर घेरा, परिजनों को पीटा

कैंट, अमृत विचार : चुनावी रंजिश के चलते गांव पालपुर कमालपुर में दर्जनभर लोगों ने प्रधान और उनके भाई के घर का घेराव किया। आरोपियों ने प्रधान के परिजनों के साथ मारपीट की। पुलिस ने 12 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

गांव पालपुर कमालपुर निवासी राम प्रकाश के बड़े भाई तोताराम ग्राम प्रधान हैं। जिसकी वजह से गांव के छविराम, हुरेश वर्मा, पूरनलाल आदि का परिवार उनसे चुनावी रंजिश मानता है। राम प्रकाश ने बताया कि गुरुवार रात उनका बेटा अमित गांव में रामलीला देखने जा रहा था। आरोप है कि छविराम ने उसके साथ मारपीट की। इसके बाद आरोपी छविराम एक दर्जन से अधिक लोगों के साथ प्रधान व उनके भाई के घर का घेराव किया। उनके परिजनों को पीटा।

कलह में महिला ने फंदे से लटककर दी जान

भुता, अमृत विचार : घरेलू कलह के चलते एक महिला ने फंदे से लटककर जान दे दी। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

गांव अंगदपुर खमरिया निवासी मुकुट बिहारी व उनकी पत्नी कलावती के बीच अनबन रहती थी। शुक्रवार शाम कलावती ने कमरे के कुंडे में रस्सी का फंदा डालकर गले में कस लिया, जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने जांच की।

संदिग्ध हालात में महिला की मौत, हत्या का आरोप

बरेली, अमृत विचार : थाना सीबीगंज क्षेत्र के बंडीया गांव निवासी रियाज अहमद ने बताया कि उन्होंने बहन इरम की शादी तीन साल पहले देवरनियां थाना क्षेत्र के कमालपुर गांव के रहने वाले इमरान के साथ की थी।

आरोप है कि ससुराली दहेज को लेकर बहन को प्रताड़ित करते थे। इसी बीच इरम को इमरान इंदौर ले गया। वहां मारपीट कर बरेली लेकर आया। गुरुवार को पति-पत्नी के बीच झगड़ा हुआ। इरम ने घर में दुपट्टे से फांसी लगाकर जान दे दी। मृतक के भाई रियाज का आरोप है बहन को इमरान ने मार कर आत्महत्या का रूप दिया है। इसकी जानकारी होने पर वह मौके पर पहुंचे तो बहन का शव जमीन पर पड़ा था। परिवार के लोग फरार थे।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
- 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
- बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
- आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
- कैशलेस ईलाज

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन - 8979252222, 9457663289

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
8077344353
समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
TPA सुविधा उपलब्ध

डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

न्यूज डायरी

एक दिन को छात्रा बनी प्रिंसिपल

भोजीपुरा, अमृत विचार : मिशन शक्ति के तहत राजकीय हाईस्कूल अलीनगर में कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें कक्षा नौ की छात्रा पायल को एक दिन के लिए प्रधानाचार्य की जिम्मेदारी सौंपी गई। प्रधानाचार्य मनोज दिवाकर ने सभी बालिकाओं को विद्यालय संचालन एवं प्रबंधन से संबंधित जानकारी दी। बालिकाओं में सुरक्षा, सम्मान, आत्म विश्वास तथा स्वावलंबी बनने के संबंध में जानकारी दी। संचालन अनामिका वर्मा ने किया। अमन अन्सारी, जितेंद्र कुमार सिंह मौजूद रहे।

दशरथ ने त्यागे प्राण

नवाबगंज, अमृत विचार : कस्बे में चल रही रामलीला में शुक्रवार को दशरथ मरण लीला का मंचन हुआ। मंचन में कलाकारों ने दिखाया कि भगवान श्रीराम वन को जाते हैं। पुत्र के वियोग में राजा दशरथ अपने प्राण त्याग देते हैं। भरत व शत्रुघन ननिहाल से अयोध्या आते हैं। श्री राम के वनवास व पिता के मरण का कारण मानते हुए भरत माता कैकई की घोर निंदा करते हैं। मेलाध्यक्ष रविंद्र पाल ने बताया कि शनिवार को सीता हरण का मंचन होगा।

स्वदेशी उत्पादों की खरीद पर जोर

रिठौरा, अमृत विचार : सांसद छत्रपाल गंगवार ने शुक्रवार को कस्बे में दुकानदारों व ग्राहकों से वार्ता की। उन्होंने कहा कि जीएसटी के स्लैब में हुए बदलाव से व्यापारी और ग्राहक दोनों को फायदा हो रहा है। कहा कि देश को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए दुकानों से स्वदेशी उत्पादों को खरीदना चाहिए। अनिल कुमार गुप्ता, शिवा गुप्ता, चेयरमैन शकुंतला देवी, अमित कुमार गुप्ता आदि मौजूद रहे।

केवट संवाद का मंचन

कैंट, अमृत विचार : श्री रामलीला नाटक समाज (रजि) की ओर से कैंट के सदर बाजार में चल रही रामलीला में शनिवार को केवट संवाद, दशरथ मरण का मंचन किया गया। कलाकारों में मुख्य निदेशक सुनील कुमार सिंह ने केवट, सुमित ने श्रीराम, सचिन ने लक्ष्मण, रचित ने भरत, वसुंधरा ने सीता की भूमिका निभाई। रामलीला कमेटी के अध्यक्ष प्रवेश कुमार पाराशर ने आभार व्यक्त किया।

पांच दिन से छाया बिजली संकट, लोग परेशान

भुता, अमृत विचार : ग्राम डभौरा में 5 दिन से ट्रांसफार्मर फुंका पड़ा है। शिकायत के बाद भी खराब ट्रांसफार्मर को अभी तक नहीं बदला गया है। बिजली संकट के चलते ग्रामीणों को परेशानी से जूझना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने अधिशासी अभियंता को शिकायती पत्र भेजकर शीघ्र ट्रांसफार्मर बदलवाए जाने की मांग की है। इस संबंध में गांव के राजवीर, महावीर, रोहित कुमार, कवेनदर ,हरीश कुमार हरिओम ,वीरेश, दोदराम, राजकुमार, महेंद्र कुमार आदि ने अधिशासी अभियंता बरेली को शिकायती पत्र भेजा है।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना
मेरे अभिलेखों में मेरा नाम SYED MUJABA YAWAR ALIAS ANJUM गलत दर्ज है, जबकि मेरा वास्तविक व सही नाम SYED MUJTABA YAWAR ALIAS ANJUM पुत्र यावर हुसैन नि. मीरा की पैठ, पुराना शहर, बरेली है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये।

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

उत्तर प्रदेश
विकासशील परिवेश सुरक्षित निवेश

ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में 25 से 29 सितंबर, 2025 तक उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (UPITS) का भव्य आयोजन होने जा रहा है। यह मेगा शो प्रदेश की औद्योगिक ताकत, सांस्कृतिक धरोहर और "मेड इन यूपी" की वैश्विक पहचान को सामने लाएगा। 80 से अधिक देशों के बायर्स, हजारों एग्जिबिटर्स और लाखों विजिटर्स की मौजूदगी इस आयोजन को अंतरराष्ट्रीय मंच पर खास बनाएगी। ओडीओपी और जीआई उत्पादों की विशेष प्रदर्शनी स्थानीय कारीगरों और उद्यमियों को वैश्विक बाजार से जोड़ेगी। साथ ही 17 प्रमुख सेक्टर्स की भागीदारी, विभागीय स्टॉल्स और सांस्कृतिक कार्यक्रम इस आयोजन को और भी आकर्षक बनाएंगे।

"यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो उत्तर प्रदेश के एमएसएमई क्षेत्र की उल्लेखनीय वृद्धि और असीम संभावनाओं का सच्चा प्रतिबिंब है। पिछले दो संस्करणों की अपार सफलता ने हमारे लोगों की उद्यमशीलता की भावना में हमारे विश्वास को और मजबूत किया है। तीसरे संस्करण की तैयारी करते हुए, हम वैश्विक खरीदारों का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं, जो हमारे राज्य की ताकत, कौशल और परंपरा का प्रतिनिधित्व करने वाले बेहतरीन उत्पादों को देखेंगे और खरीदेंगे"

योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो

25 से 29 सितंबर, 2025

ग्रेटर नोएडा में सजेगा यूपीआईटीएस का ग्लोबल मंच, दिखेगी मेड इन यूपी की ताकत

"आज यूपी इतनी तेज गति से औद्योगिक विकास कर रहा है, देश और दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियाँ यहाँ निवेश कर रही हैं, इसके पीछे यूपी सरकार की विकासपरक नीतियों की बड़ी भूमिका है। पिछली सरकारों में यूपी में अपराधी बेखौफ थे और निवेशक यहां आने से भी डरते थे। लेकिन, यूपी की सरकार में अपराधियों में खौफ है और निवेशक यूपी के भविष्य में भरोसा देख रहे हैं। मैं विकास की इस रफ्तार के लिए यूपी सरकार को बधाई देता हूँ"

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो 2023

1914 एग्जिबिटर्स | **70 हजार** B2B विजिटर्स | **1 लाख+** बिजनेस लीड्स

66 देशों के 400+ विदेशी खरीदार

10 लाख बार #UPITS2023 इंटरनेट पर अंकित किया गया

उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो 2024

2122 एग्जिबिटर्स | **1 लाख+** B2B विजिटर्स | **2 लाख+** बिजनेस लीड्स

70 देशों के 350+ विदेशी खरीदार

3.2 करोड़ बार #UPITS2024 इंटरनेट पर अंकित किया गया

उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025*

2500 एग्जिबिटर्स | **2.5 लाख+** B2B विजिटर्स | **2 लाख+** बिजनेस लीड्स

80+ देशों के 500+ विदेशी खरीदार

5 करोड़ बार #UPITS2025 इंटरनेट पर अंकित किया जायेगा

*लक्ष्य

- पंजीकरण: मोबाइल ऐप के माध्यम से क्यूआर कोड (QR Code) आधारित पंजीकरण।
- यह आयोजन प्रदेश की औद्योगिक शक्ति, सांस्कृतिक पहचान और "मेड इन यूपी" की ताकत दुनिया के सामने रखेगा।
- 80 देशों से 500+ बायर्स के आने की उम्मीद, अब तक 75 देशों के 340 बायर्स ने पुष्टि की।
- ओडीओपी की विशेष प्रदर्शनी से स्थानीय कारीगरों और उद्यमियों को वैश्विक बाजार से जोड़ा जाएगा।
- उद्देश्य – यूपी को निर्यात में शीर्ष पर ले जाना और निवेश आकर्षित करना।
- यूरोप और सीआईएस से 110 बायर्स की संभावना, 88 ने सहमति दी।
- शो में 17 प्रमुख सेक्टर्स के उत्पाद प्रदर्शित होंगे, विशेष फोकस ओडीओपी व जीआई प्रोडक्ट्स पर।
- सरकार के विभिन्न विभाग 37085 स्क्वायर मीटर में अपने-अपने स्टॉल्स लगाएँगे (28649 स्क्वायर मीटर बुक)।

- उद्देश्य – प्रदेश की औद्योगिक शक्ति, सांस्कृतिक विरासत और मेड इन यूपी उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करना।
- विदेशी सहभागिता – लगभग 80 देशों से खरीदार और निवेशक इसमें भाग लेंगे।
- बायर्स और निवेशक – 500 से अधिक इंटरनेशनल बायर्स की मौजूदगी की उम्मीद है।
- प्रमुख सेक्टर्स – कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, वस्त्र एवं हैंडलूम, आईटी, स्टार्टअप, पर्यटन, स्वास्थ्य, शिक्षा और अवसंरचना जैसे क्षेत्रों पर विशेष फोकस रहेगा।
- स्थानीय उद्यमियों को बढ़ावा – MSME और स्टार्टअप्स को अपने उत्पाद और सेवाएं प्रदर्शित करने का मौका मिलेगा।
- सांस्कृतिक झलक – कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश की कला, शिल्प, संगीत और नृत्य की प्रस्तुतियां भी शामिल होंगी।
- राज्य सरकार का विजन – इस आयोजन के माध्यम से उत्तर प्रदेश को एक ग्लोबल इन्वेस्टमेंट डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करना।

मुख्य आकर्षण

इन्वेस्ट यूपी, यूपीसीडा, जीएनआईडीए, यीडा, आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स, ऊर्जा व अतिरिक्त ऊर्जा विभाग।

विजिटर्स के लिए विशेष स्टॉल – नगर विकास, पर्यटन, स्वच्छ गंगा मिशन, स्वास्थ्य, आयुष, पर्यावरण व वन विभाग।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर फोकस – कृषि, डेयरी, पशुपालन, मत्स्य और यूपीएसआरएलएम।

अतिरिक्त सेक्टर्स – शुगर व केन, टेक्सटाइल्स, हैंडलूम, क्रेडाई, बैंकिंग-फाइनेंस, ऑटो-ईवी, यूपीएसडीएम और हायर एजुकेशन।

खास आकर्षण – सीएम युवा, न्यू एंटरप्रेन्योर्स और पार्टनर कंट्री पवेलियन।

आयोजन स्थल पर फूड कोर्ट्स, B2B - B2C स्टेज और कल्चरल स्टेज भी होंगे, जहां सांस्कृतिक गतिविधियाँ और शोज होंगे।

यूपीआईटीएस में निर्यात

2023

पहले संस्करण के दौरान भी 1000 करोड़ रुपए से अधिक रहा था ओवरऑल बिजनेस वॉल्यूम।

2024

बी2बी और बी2सी के माध्यम से 2200 करोड़ रुपए से अधिक के मिले निर्यात ऑर्डर।

शीर्ष 20 उद्यमियों को ही 630 करोड़ रुपए से अधिक के निर्यात ऑर्डर मिले। इनमें मेरठ, हापुड़, गाजियाबाद, कानपुर, बागपत, बाराबंकी, मिर्जापुर, मथुरा, संभल और ग्रेटर नोएडा जैसे जिलों के उद्यमी शामिल रहे।

भारत सरकार से सहयोग

वाणिज्य मंत्रालय फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (FIEO) के समर्थन से दुनियाभर से विदेशी खरीदारों को जुटाने के लिए वित्तीय सहायता।

विदेश मंत्रालय (MEA): अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में प्रचार और खरीदारों को भारतीय वाणिज्य दूतावासों के माध्यम से वीजा सहायता एवं यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का प्रचार।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय : पीएमएस (खरीद और विपणन) योजना के तहत उद्यमियों और स्टार्टअप को वित्तीय और विपणन सहायता।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई): सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर यूपीआईटीएस का प्रचार।

ADVERTORIAL

न्यूज ब्रीफ

कार्यस्थल पर महिला सुरक्षा अभियान शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से शुक्रवार को प्रदेश के सभी जिलों में एक साथ सुरक्षित कार्यस्थल-सशक्त नारी अभियान और सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य कार्यस्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा और यौन उत्पीड़न से संरक्षण संबंधी कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के प्रति प्रतिभागियों और आमजन को जागरूक करना था। अभियान के पहले दिन विभिन्न आयोजनों में प्रदेश की लगभग 50 हजार महिलाओं ने हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री योगी की महिला सशक्तिकरण मुहिम में कॉलेज छात्राएं, अधिवक्ता, श्रमिक संगठन और स्थानीय समुदाय के प्रतिनिधि शामिल रहे।

महाकुंभ की टीम को एक्सीलेंस अवार्ड

अमृत विचार, लखनऊ : प्रयागराज महाकुंभ का फायर एंड सेफ्टी मॉडल देशभर के अन्य राज्यों में बड़े आयोजनों के लिए एक रोल मॉडल बनता जा रहा है। अपने कौशल, रणनीति और क्विक रेस्पॉन्स से प्रयागराज महाकुंभ को आग की बड़ी दुर्घटनाओं और जन हानि से बचाने वाली इस टीम को महाराष्ट्र में सम्मान से नवाजा गया है। महाराष्ट्र तीसरा राज्य है, जिसने प्रयागराज के फायर सेफ्टी मॉडल पर टीम को सराहा और सम्मानित किया है।

धान क्रय लक्ष्य 60 लाख मीट्रिक टन
सेमीकंडक्टर निवेश को हरी झंडी
यूपी कैबिनेट ने लिए आर्थिक, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे संबंधी फैसले

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शुक्रवार को लोक भवन में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में सभी 22 प्रस्तावों पर सहमति बनी। बैठक के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत मंत्री योगेंद्र उपाध्याय तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री सुनील कुमार शर्मा ने कैबिनेट के फैसलों की विस्तृत जानकारी साझा की। खन्ना ने बताया कि सभी प्रस्तावों को सर्वसम्मति से मंजूरी मिली है, जो राज्य के आर्थिक, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे के क्षेत्रों में नई दिशा प्रदान करेंगे।

2025-26 के लिए धान क्रय नीति की घोषणा : खरीफ वर्ष 2025-26 के लिए मूल्य संवर्धन योजना के अंतर्गत धान क्रय नीति की घोषणा की गई है। इसके तहत पश्चिमी उप्र. में 1 अक्टूबर 2025 से 31 जनवरी 2026 तक और पूर्वी उप्र. में 15 अक्टूबर 2025 से 28 फरवरी 2026 तक धान की खरीद की जाएगी। गत वर्ष कॉमन धान के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2300 रुपये प्रति क्विंटल था, जो इस वर्ष बढ़ाकर 2369 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। इसी प्रकार, ग्रेड ए धान के लिए पिछले वर्ष 2330 रुपये प्रति क्विंटल के मुकाबले इस वर्ष 2389 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। कुल 60 लाख मीट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें वर्तमान में 3100 क्रय केंद्र कार्यरत हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर इनकी संख्या बढ़ाकर 700 अतिरिक्त केंद्र जोड़े जाएंगे, ताकि किसानों को अधिक सुविधा मिल सके।

मक्का का 2400 रुपये प्रति क्विंटल मूल्य निर्धारित

मोटा अनाज की खरीद नीति भी मंजूर की गई, जो 1 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2025 तक प्रभावी रहेगी। मक्का की खरीद के लिए 2400 रुपये प्रति क्विंटल मूल्य निर्धारित किया गया है, जो पिछले वर्ष के 2225 रुपये प्रति क्विंटल से 175 रुपये की वृद्धि दर्शाता है। प्रदेशभर 75 क्रय केंद्र स्थापित किए जाएंगे और 15 हजार मीट्रिक टन खरीद का लक्ष्य है।

बाजरा का 2775 रुपये प्रति क्विंटल मूल्य तय

बाजरा की खरीद के लिए 2775 रुपये प्रति क्विंटल मूल्य तय किया गया है, जो पिछले वर्ष के 2625 रुपये से 150 रुपये अधिक है। बाजरा की खरीद 33 जिलों में होगी। 300 क्रय केंद्रों के माध्यम से 2 लाख 20 हजार मीट्रिक टन बाजरा खरीदा जाएगा।

खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास पर विशेष जोर

बैठक में ग्रामीण विकास और पर्यावरण संरक्षण को मजबूत बनाने वाले फैसलों पर विशेष जोर दिया गया। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि जिला खनिज फाउंडेशन (डीएमएफ) न्यास तृतीय संशोधन नियमावली 2025 को मंत्रिपरिषद ने अपना अनुमोदन दे दिया है। इस संशोधन से राज्य सरकार पर कोई अतिरिक्त वित्तीय बोझ नहीं पड़ेगा।

लोन लेकर गायब हुए सैकड़ों लाभार्थी

शाहजहांपुर, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश अल्पसंख्यक वित्तीय एवं विकास निगम की टर्म लोन योजना बकायेदारों की लापरवाही के चलते बंदी के कगार पर पहुंच गई है।

योजना के तहत 1996-97 से अब तक जिले में 745 लाभार्थियों को दो करोड़ 57 लाख रुपये ऋण वितरित किया गया, लेकिन इनमें से अधिकांश ने समय से किश्तें नहीं चुकाईं। इससे निगम की कुल एक करोड़ 69 लाख रुपये की वसूली शेष है। विभाग द्वारा बकाएदारों को नोटिसें जारी की जा रही हैं, जिनमें से कई बकाएदार गायब हैं या फिर उनके रिकार्ड में दर्ज पते पर वह नहीं मिल रहे हैं। योजना का उद्देश्य अल्पसंख्यक वर्ग के आर्थिक उत्थान के लिए था, जिसके बाद लोन की धनराशि किश्तों में जमा करनी थी। सूत्रों की माने तो अधिकांश बकाएदारों ने कई सालों तक एक भी किश्त जमा नहीं की थीं जमा भी नहीं करना चाहते थे। बल्कि कर्जा माफ होने की उम्मीद लगाए थे, लेकिन शासन ने बकाएदारों पर शिकंजा कसते हुए लोन की बकाया रकम 3.47 करोड़ रुपये को जमा कराने के लिए नोटिस देनी शुरू की थी।

दावत नहीं देने पर गोली मारकर युवक की हत्या

संवाददाता, तिलहर/शाहजहांपुर

- प्रधानपति ने बेटों के साथ मिलकर वारदात को दिया अंजाम

अमृत विचार : बेटे के नामकरण की दावत नहीं देने से नाराज प्रधानपति ने अपने बेटों के साथ युवक के घर में घुसकर गाली गलौज करने के बाद उसकी गोली मारकर हत्या कर दी। परिजनों ने आरोपी प्रधान पति को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। सूचना पर एसपी और सीओ तिलहर मौके पर पहुंचे और वारदात को लेकर पूछताछ की। पुलिस ने प्रधान पति और उसके दो बेटों के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

अवनीश।

तिलहर थाना क्षेत्र के गांव मोहनपुर निवासी साधूराम ने बताया 25 सितंबर गुरुवार को रात 11 बजे उसके पुत्र अवनीश कुमार के बेटे यानी के नामकरण संस्कार की दावत चल रही थी। दावत में उसके तमाम मेहमान और गांव वाले आए थे। इसी बीच ग्राम प्रधान के लड़के धर्मेंद्र और धीरेंद्र वर्मा उसके घर में घुस आए। धीरेंद्र वर्मा के पास तमंचा था। आरोप है वे घर में गाना गा रही महिलाओं से अश्लील हरकते करने लगे। साधूराम और उसके पुत्र अवनीश कुमार ने इसका विरोध किया तो दोनों आरोपी उसके पुत्र को गालियां देकर जान से मारने की धमकी देकर चले गए। रात 11:30 बजे प्रधान पति सुखदेव अपने दोनों बेटों धर्मेंद्र व धीरेंद्र के साथ तमंचा लेकर फिर साधूराम के घर पहुंचा। प्रधानपति सुखदेव ने धमकी दी कि मैं प्रधान हूं और मेरी अधिकारियों तक अच्छी पहुंच है। साधूराम के बेटे अवनीश ने जब विरोध किया तो प्रधान पति के बेटों ने उसे पकड़ लिया। आरोप है आरोपी सुखदेव ने घर में मेहमानों के सामने ही अवनीश के सीने पर तमंचे से फायर कर दिया। परिजन घायल अवनीश को लेकर मेडिकल कॉलेज पहुंचे जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। लोगों ने आरोपी सुखदेव को पकड़ लिया।

खाई में जा गिरी जीप 11 यात्री घायल

चम्पावत, अमृत विचार : सितारगंज से पिथौरागढ़ जा रही जीप के चम्पावत में सिप्टी-लफड़ा मोटर मार्ग पर दुर्घटनाग्रस्त होने से 11 यात्री घायल हो गए। इनमें से तीन यात्रियों की हालत गंभीर होने से उन्हें एयरलिफ्ट कर एसटीएच हल्द्वानी पहुंचाया गया। शेष घायलों का उपचार जिला अस्पताल में किया गया। सभी की हालत सामान्य है।

गोरखपुर में छात्र दीपक का हत्यारा जुबैर रामपुर में ढेर

रामपुर, कार्यालय

- एक लाख के इनामी जुबैर ने पशु तस्करी के विरोध में की थी नीट के छात्र की हत्या

अमृत विचार: गोरखपुर की पिपराइच के जंगल धूसड़ महुआचाफी गांव में छात्र दीपक गुप्ता की हत्या मामले में फरार चल रहे पशु तस्कर जुबैर को पुलिस ने रामपुर में मुठभेड में ढेर कर दिया।

पशु तस्कर जुबैर पिछले दिनों हुई दीपक गुप्ता की हत्या में मुख्य आरोपी था। जुबैर पर एक लाख रुपये का ईनाम रखा गया था। गोरखपुर में 19 साल के दीपक गुप्ता की उस समय हत्या कर दी गई थी जब वह तस्करों को जानवरों की चोरी करने से रोक रहा था। दीपक मेडिकल एंट्रेस एग्जाम नीट की तैयारी कर रहा था। इस हत्या के पीछे रामपुर के शहर कोतवाली के मोहल्ला घेर मर्दान खां निवासी जुबैर का नाम सामने आया था। पुलिस सूत्रों के अनुसार जुबैर सिर्फ गोरखपुर ही नहीं, बल्कि गोंडा, बहराइच, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर से लेकर बिहार तक फैले पशु तस्करी के गढ़ में सक्रिय था। शुक्रवार रात एसटीएफ और रामपुर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए जुबैर की तलाश में घेराबंदी की। गंज थाना क्षेत्र में पुलिस मुठभेड़ में जुबैर मारा गया।

एसपी रामपुर विद्या सागर मिश्र ने बताया कि रात में जुबैर को मुठभेड़ हुई है, जिसमें जुबैर मारा गया है। पुलिस मामले में अग्रिम कार्रवाई कर रही है। डीआईजी मुनिराज जी ने रात में मौके का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि रात साढ़े 10 बजे चाकू चौराहे पर आरोपी से मुठभेड़ हुई। जिसमें उसकी मौत हो गई है। मृतक के शव को जिला अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

गोरखपुर और रामपुर पुलिस को थी तलाश

जुबैर को पुलिस काफी समय से तलाश रही थी। उसके ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही थी, लेकिन आरोपी पकड़ में नहीं आ रहा था। जुबैर कोतवाली थाना क्षेत्र के घेर मर्दन का रहने वाला था। उस पर काफी मुकदमे थे।

विवाह को एक अवसर मिलना चाहिए : हाईकोर्ट

विधि संवाददाता, प्रयागराज: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक पति-पत्नी द्वारा विवाह के मात्र बीस दिन बाद अलग रहने और छह माह के भीतर आपसी सहमति से तलाक की अर्जी दाखिल करने पर कहा कि ऐसी स्थिति असाधारण कठिनाई या भ्रष्टता नहीं दर्शाती और विवाह को एक अवसर अवश्य दिया जाना चाहिए। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जब तक असाधारण कठिनाई या भ्रष्ट आचरण का मामला न हो, तब तक विवाह को समाप्त करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। उक्त आदेश न्यायमूर्ति अरिंदम सिन्हा एवं न्यायमूर्ति अवनीश सक्सेना की खंडपीठ ने अर्पित गर्ग की प्रथम अपील को खारिज कर पारित किया।

अपीलकर्ता ने फैमिली कोर्ट द्वारा 13 अगस्त 2025 को पारित आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 14(1) के तहत संयुक्त आवेदन खारिज कर दिया गया था। अपीलकर्ता ने तर्क दिया कि पत्नी ने आपराधिक मुकदमा दाखिल कर रखा है और वह विदेश जाना चाहता है, लेकिन वैवाहिक विवाद बाधा बन रहा है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि दोनों पक्षों का 3 मार्च 2025 को विवाह हुआ था और 21 मार्च 2025 से वे अलग रह रहे हैं। मात्र बीस दिन साथ रहने के बाद संयुक्त रूप से तलाक की अर्जी देना असाधारण कठिनाई या भ्रष्टता की परिभाषा में नहीं आता।

विकसित यूपी बनाने में पंचायतों की होगी बड़ी भूमिका : मुख्यमंत्री

विकसित उप्र-2047 अभियान को लेकर ग्राम प्रधानों के साथ वर्चुअल संवाद करते मुख्यमंत्री योगी।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कहा- गांव समृद्ध होंगे तो यूपी देश का नंबर एक प्रदेश बनेगा

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को वर्चुअल संवाद में प्रदेश के 57 हजार ग्राम प्रधानों और पंचायत सदस्यों से कहा कि विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश की परिकल्पना को साकार करने में सबसे बड़ी भूमिका पंचायतों की होगी। यदि गांव समृद्ध होंगे तो यूपी देश का नंबर एक प्रदेश बनेगा।

मुख्यमंत्री ने ग्राम प्रधानों को 'विकसित यूपी @2047' संकल्प से जोड़ते हुए प्रधानमंत्री के 'पंच प्रण' की शपथ भी दिलाई। इस दौरान सुझाव देने के लिए समर्थ पोर्टल व क्यूआर कोड की जानकारी दी गई। सीएम योगी ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश पिछड़ेपन, भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और अव्यवस्था का शिकार था। लेकिन बीते आठ वर्षों में यूपी की तस्वीर बदल गई है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था 13 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 35 लाख करोड़ रुपये और प्रति व्यक्ति आय 43 हजार से बढ़कर 1.20 लाख रुपये हो गई है। उन्होंने कहा कि आपके सुझावों पर आधारित विजन डॉक्यूमेंट अगले 22 वर्षों का रोडमैप तय करेगा।

सर्वोत्तम सुझावों को मिलेगा सम्मान

योगी ने ग्राम प्रधानों से पंचायत बैठकों में अभियान पर चर्चा करने और गांव-गांव लोगों को जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जिले से 3 और प्रदेश स्तर पर 5 सर्वोत्तम सुझावों को पुरस्कृत किया जाएगा।

ग्राम प्रधानों ने सुनाई बदलाव की कहानी

- **बरेली :** भरतौल की प्रधान प्रवेश ने गांव को मॉडल ग्राम बताते हुए कहा कि यहां सबसे पहले मॉडल राशन की दुकान खोली गई थी।
- **अलीगढ़ :** तलेसरा के प्रधान गजेंद्र सिंह ने बताया कि गांव से 13 स्वतंत्रता सेनानी जुड़े हैं, जिनकी स्मृति में स्टेडियम और अमृत सरोवर बने हैं।
- **शाहजहांपुर :** भवालखेड़ा के प्रधान जय प्रकाश ने स्वयं सहायता समूहों को गांव की अर्थव्यवस्था का आधार बताया।
- **रामपुर :** कोयला के प्रधान भूकन लाल ने बताया कि पंचायत में स्वास्थ्य केंद्र, कॉलेज, बैंक और लाइब्रेरी तक की सुविधाएं मौजूद हैं।

पब्लिक नोटिस

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है हमारे ग्राहक मै. आदिदेव पेट्रोकेमिकल्स प्रा. लि. स्वामी श्री नवनीत पांडेय पुत्र श्री श्यामनाथ पांडेय व पूजा पांडेय पत्नी श्री नवनीत पांडेय निवासी मदरा खेल जिला शाहजहांपुर ने एच.डी.एफ.सी. बैंक शाखा टाउनहॉल, शाहजहांपुर में अपनी सम्पत्ति बन्धक करके लोन के लिए आवेदन किया है। (सम्पत्ति-1) व्यवसायिक सम्पत्ति/गाटा संख्या 100 स्थित ग्राम धनेला तहसील तिलहर जिला शाहजहांपुर 0.317 हे. जिसकी पंजीकृत विक्रय पत्र दस्तावेज नं.- 5725 दिनांक 10.09.2004 व दस्तावेज नं.- 5460 दिनांक 25.08.2004 की मूल प्रतियां कहीं खो गयी है जो कि सब-रजिस्ट्रार कार्यालय तिलहर - शाहजहांपुर में पंजीकृत हैं। उपरोक्त दस्तावेजों की गुमशुदगी के सम्बन्ध में ई-थाना-लखनऊ मुख्यालय (HQ) में दिनांक 25.09.2025 को सूचना दी जा चुकी है। उक्त दस्तावेज की अनुउपलब्धता के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वह इस प्रकाश के 15 दिन के भीतर अपनी आपत्ति व्यक्तिगत रूप से समस्त दस्तावेजों साक्ष्यों सहित मेरे कार्यालय में सामान्य कार्यदिवस की सामान्य कार्य अवधि में प्रस्तुत कर सकता है। उक्त अवधि में आपत्ति प्राप्त न होने पर यह मानते हुए कि इस विषय में किसी को कोई आपत्ति नहीं है उपरोक्त लोन जारी कर दिया जायेगा। - **राजीव त्रिपाठी एडवोकेट, गौहनिया चौराहा, पीलीभीत मो. 7017798117**

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना संख्याः SRDEE-TRD-IZN-2025-26-T16, दिनांकः 24-09-2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी, पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु "खुली" ई-निविदा आमंत्रित करते हैं। **क्रम सं.-01,** कार्य का नामः इज्जतनगर मण्डल के KSJ-BC-MLN खण्ड में 04 वर्ष की अवधि के लिये SCADA प्रणाली का व्यापक वार्षिक रखरखाव से संबंधित कार्य। टेंडर रिफरेंश नं.: SRDEE-TRD-IZN-2025-26-T16, कार्य का अनुमानित लागत रूपया में: ₹ 75,27,336/-, अमानत राशि/बिड सिक्यूरिटी: ₹ 1,50,600/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य रूपया में: 0.00, निविदा बन्द होने की तिथि एवं समयः 17-10-2025, 11:00 बजे, कार्य पूरा करने की अवधिः 48 माह।

- खुली ई-निविदा दिनांक 17-10-2025 को 11:00 बजे तक जमा कर सकेंगे।
- पूर्ण विवरण जानने हेतु एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिये कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी
मुजाधि/विद्युत-145 इज्जतनगर

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

कार्यालय निदेशक एवं प्रमुख अधीक्षक, मानसिक चिकित्सालय, बरेली

पत्रांक : मा.चि./वॉक-इन-इंटरव्यू/2025-26/694 दिनांक : 26.09.2025

वॉक-इन-इंटरव्यू निरस्त सूचना

मानसिक चिकित्सालय बरेली, में स्थापित ए.टी.एफ. सेल में कुल 04 पदों पर संविदा के माध्यम से दिनांक 27.09.2025 को आयोजित होने वाले वॉक-इन-इंटरव्यू को अपरिहार्य कारणों से अग्रिम आदेशों तक निरस्त किया जाता है।

निदेशक एवं प्रमुख अधीक्षक
मानसिक चिकित्सालय, बरेली

खबरें www.amritvichar.com पर भी पढ़ें

मोटरसाइकिलों की टक्कर में तीन युवकों की मौत

हरदोई, एजेंसी : जिले के कोतवाली देहात थाना क्षेत्र में दो मोटरसाइकिलों की टक्कर में तीन युवकों की मौत हो गई और एक बच्ची समेत तीन महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस क्षेत्राधिकारी अंकित मिश्रा ने बताया कि कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के अंतर्गत पराग डेरी के पास में दो मोटरसाइकिलों की टक्कर हो गई थी।

रुद्रपुर गोलीकांड के तीन आरोपी गिरफ्तार

रुद्रपुर, अमृत विचार : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय छात्रसंघ चुनाव में नैनीताल-रामपुर हाईवे पर हुई गोलीबारी और बवाल प्रकरण में शामिल तीन आरोपियों को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया और एक तमंचा भी बरामद किया।

शुक्रवार को खुलासा करते हुए एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने बताया कि 24 सितंबर की दोपहर को डिग्री कॉलेज गेट पर छात्र संघ अध्यक्ष पद के नामांकन के दौरान अध्यक्ष पद के दावेदार रजत सिंह बिष्ट और नागेंद्र गंगवार समर्थक भिड़ गए थे और हाईवे पर फायरिंग की वारदात हुई थी। पुलिस ने 15 अभियुक्तों को नामजद करते हुए घटना में शामिल ईश्वरपुर शीशगढ बरेली निवासी रखवीर सिंह, आदर्श कॉलोनी वार्ड-29 दानिश नवी और नेताजी नगर विजय नगर दिनेशपुर निवासी गुरपेज सिंह को किच्छा हाईवे से गिरफ्तार कर लिया।

2007 की भर्ती में घालमेल 54 लैब टेक्नीशियन रडार पर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- स्वास्थ्य विभाग की नियुक्तियों में बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा

अमृत विचार : स्वास्थ्य विभाग में वर्षों पुरानी एक और भर्ती अब संदेह के घेरे में आ गई है। वर्ष 2007 में हुई 572 लैब टेक्नीशियन पदों की भर्ती में बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा और भाई-भतीजावाद का खुलासा हुआ है।

एक ही परिवार के नियुक्ति पाने वाले आठ टेक्नीशियन समेत 54 टेक्नीशियन प्रारंभिक जांच में संदेह के घेरे में आ चुके हैं। जांच रिपोर्ट शासकीय कार्यालय में पहुंच चुकी है। स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव अमित कुमार घोष का कहना है कि मामला संज्ञान में नहीं हैं, जांच रिपोर्ट देखने के बाद निर्णय लिया जाएगा। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन अंतर्गत कार्यरत लैब टेक्नीशियनों की नियुक्ति संबन्धी जांच के दौरान कई खुलासे हुए। इनमें जिला फतेहपुर के अलावा बस्ती, हरदोई, इलाहाबाद, कानपुर देहात और फतेहपुर आदि के लैब टेक्नीशियन शामिल हैं।

कृष्ण जन्मभूमि-ईदगाह मामले में अगली सुनवाई नौ अक्टूबर को

प्रयागराज, एजेंसी : इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मथुरा स्थित कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद मामले में शुक्रवार को सुनवाई के बाद अगली तारीख नौ अक्टूबर, 2025 तय की। न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्र ने दलीलें सुनने के बाद अगली तिथि तय की। शुक्रवार को विभिन्न आवेदनों और उन आवेदनों पर आपत्तियों को सुना गया। हिंदू पक्ष ने शाही ईदगाह मस्जिद का ढांचा हटाने के बाद जमीन का कब्जा लेने और मंदिर का पुनर्निर्माण करने के लिए 18 वाद दाखिल किए हैं।

कार्यालय उप जिलाधिकारी, बीसलपुर, पीलीभीत।

पत्रांक 166 /मत्स्य आखेट पट्टा नदी/2025-26 दिनांक 22-09-2025

प्रेस-विज्ञाप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि मत्स्य आखेट पट्टा नीलामी शासनादेश सं01/2019/33/1-2-2019 (रिट) 2018 दिनांक 10.01.2019 तथा नवीन तकनीकी मत्स्य आखेट शासनादेश सं097/सत्रह-म-2024-17-1099/9/2024, दिनांक 19-01-2024 में दिये गये प्राविधानों के अन्तर्गत तहसील बीसलपुर (पीलीभीत) में बहने वाली सदानीरा देवहा नदी के तीन खण्डों की मत्स्य आखेट हेतु नीलामी दिनांक 30-09-2025 को 12:30 बजे तहसील सभागार बीसलपुर मे की जायेगी, यदि नियत तिथि पर कोई म0जी0सह0 समिति प्रतिभाग नही करती है, तो क्रमशः दिनांक 07-10-2025 व दिनांक 16-10-2025 एवं 28-10-2025 को 12:30 बजे पुनः उक्त नदी के खण्डो की नीलामी प्रक्रिया की जायेगी, इच्छुक म0जी0सह0 समितियां जो मत्स्य विभाग से पंजीकृत है, उक्त नीलामी मे भाग लेने हेतु आमन्त्रित है, नीलामी की पात्रता एवं शर्ते व मत्स्य आखेट समिति द्वारा निर्धारित मत्स्य आखेट खण्डों का विवरण व न्यूनतम मूल्य निम्नवत् है-

क्रम सं0	नदी का नाम	चिन्हित मत्स्य आखेट क्षेत्र	कुल नदी की लम्बाई (कि0मी0 मे)	न्यूनतम आरक्षित मूल्य धनराशि (लाख मे)
1	देवहा नदी	(1) ग्राम रम्पुरा नौगवां से रिछौला घासी	08 कि0मी0	1.00
		(2) ग्राम सितारगंज नवदियां से सहबाजपुर	07 कि0मी0, 130मी0	0.875
		(3) ग्राम पुरैना से ग्राम बहादुरपुर हुकमी	08 कि0मी0	1.00

पट्टा/नीलामी की शर्ते :-

1. मत्स्य विभाग मे पंजीकृत म0जी0सह0 समितियों की पात्रता का वरीता क्रम एवं शासनादेश सं0 1/2019/33/1-2-2019 (रिट) 2018, दिनांक 10.01.2019 मे वर्णित है।
2. प्रतिभाग करने वाली समिति को सम्बन्धित खण्ड की न्यूनतम धनराशि का 10 प्रतिशत जमानत के रूप मे पट्टा नीलामी से पूर्व जमा करना होगा एवं नीलामी पूर्ण होने पर कुल 25 प्रतिशत धनराशि नीलामी वाले दिन तत्काल तथा अवशेष धनराशि 75 प्रतिशत 01 सप्ताह के अन्दर जमा करनी होगी। यदि समिति के द्वारा अवशेष धनराशि 75 प्रतिशत धनराशि 01 सप्ताह मे नही जमा की गयी तो जमा की गयी 25 प्रतिशत धनराशि राज्य हित मे जप्त कर ली जायेगी।
3. उपरोक्त नीलामी मे प्रतिभाग मत्स्य विभाग मे पंजीकृत म0जी0सह0 समिति द्वारा ही किया जायेगा।
4. नीलामी प्राप्तकर्ता समिति को मत्स्य विभाग के अधिकारियों की देख-रेख मे भारतीय मेजर कार्प प्रजाति की 2000 मत्स्य अगुलिका प्रति कि0मी0 की दर से रिवर रैचिंग करवाना अनिवार्य होगा।
5. पट्टे की अवधि नीलामी तिथि से 30 जून 2026 तक होगी, किन्तु 01 जून 2025 से 31 अगस्त 2025 तक नदियों मे मत्स्य आखेट प्रतिबन्धित रहेगा।
6. पट्टाधारक/नीलामी प्राप्तकर्ता के द्वारा बहती हुई नदी/जलधारा को रोकने का प्रयास नही किया जायेगा।
7. पट्टा/नीलामी स्वीकृति/अस्वीकृति का अधिकार जिलाधिकारी, महोदय पीलीभीत के पास निहित होगा।

पट्टा नीलामी से सम्बन्धित सभी शर्तो की विस्तृत जानकारी के लिये कार्यालय सहायक निदेशक मत्स्य, विकास भवन पीलीभीत कमरा नं0-34, 35 मे किसी भी कार्य दिवस मे सम्पर्क कर सकते है।

UP - 238188 **दिनांक:** 25/09/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(नागेन्द्र पाण्डेय)
उप जिलाधिकारी/नीलामी अधिकारी,
तहसील-बीसलपुर,
जनपद-पीलीभीत।

न्यायालय श्रीमान् सिविल जज सीनियर डिवीजन महोदय, पीलीभीत

उत्तराधिकार वाद सं.- 99 सन् 2025
हरिपाल आयु करीब 53 वर्ष पुत्र स्व. जोखे लाल निवासी ग्राम चौखण्डी तहसील बीसलपुर जिला पीलीभीत **बनाम**

1. मेघनाथ आयु करीब 70 वर्ष 2. ओमप्रकाश आयुकरीब 59 वर्ष पुत्रगण स्व. जोखेलाल निवासी ग्रा. चौखण्डी, तहसील बीसलपुर जिला पीलीभीत 3. लौंगश्री आयु करीब 72 वर्ष पुत्री स्व. जोखे लाल पत्नी मुन्ना लाल नि. ग्राम अलैहिया तहसील नवाबगंज जिला बरेली 4. जयन्ती देवी आयु करीब 49 वर्ष पुत्री स्व. जोखेलाल पत्नी रामचन्द्र लाल निवासी ग्राम रम्पुरा नत्थू तहसील बीसलपुर जिला पीलीभीत 5. कमलेश गंगवार आयु करीब 56 वर्ष पुत्री स्व. जोखे लाल पत्नी श्री जानकी प्रसाद निवासी गली नं. 2 बैंक कॉलोनी, महोली विस्तार, पूर्वी दिल्ली

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा-372 भा.उ.अधिनियम

हरखास व आम को इत्तिला दी जाती है कि प्रार्थी उपरोक्त ने एक प्रार्थनापत्र बावत प्राप्त करने उत्तराधिकार प्रमाण पत्र इस न्यायालय को इस आशय का दिया है, कि गयादीन पुत्र स्व. जोखेलाल नि. ग्राम चौखण्डी, तहसील बीसलपुर जिला पीलीभीत की मृत्यु दिनांक 27.04.2025 को अपने निवास स्थान पर हुई है। प्रार्थी का प्रार्थना पत्र न्यायालय हाजा में दर्ज रजिस्टर हो चुका है। तथा न्यायालय ने प्रार्थी के प्रार्थना पत्र के अन्तिम निस्तारण हेतु दिनांक 16.10.2025 नियत की है। अतः हर खास व आम को सूचित किया जाता है कि जिस किसी भी सख्श को प्रार्थनापत्र की बावत कोई उज्र हो तो वह उपरोक्त नियत तिथि को न्यायाल में अपनी उपस्थिति देकर आपत्ति प्रस्तुत करें वरना प्रार्थनापत्र की सुनवाई एकपक्षीय रूप से कर दी जायेगी। आज दिनांक 19.9.2025 को मेरे दस्तखत व मुहर अदालत से जारी किया गया।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राधा ट्रेडिंग कंपनी प्रोपराइटर नीलम गुप्ता पत्नी नत्थू लाल, मोहल्ला कैलाश नगर, नवाबगंज, बरेली का निवासी नवाबगंज एक्सिस बैंक लिमिटेड में बंधक कर ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन किया है उक्त संपत्ति वैभव गुप्ता पुत्र नत्थू लाल गुप्ता के स्वामित्व वाली बिजौरिया उर्फ नवाबगंज, मोहल्ला नई बस्ती पूर्वी परगना, तहसील नवाबगंज जिला बरेली में 42.55 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाली संपत्ति पर ऋण के लिए आवेदन किया है। अब ग्राहक ने घोषणा की है कि उसके पास कोई पुराना पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 11.02.1997 और 25.11.1997 क्रमांक संख्या 503 और 3881 पिछला मूल बैनामा जिसका रजिस्टर्ड तहसील नवाबगंज जिला बरेली में कहीं खो गया है जिसकी सूचना दिनांक 18.09.2025 को पुलिस को दी हुई ह। उक्त मूल बैनामा अनु उपलब्धता को संबंध में यदि किसी व्यक्ति संस्था आदि को किसी प्रकार कोई आपत्ति हो तो वह इस प्रकाशन के 15 दिन के भीतर अपनी आपत्ति व्यक्तिगत रूप से समस्त दस्तावेजों साक्ष्यों सहित मेरे कार्यालय में सामान्य कार्य दिवस की समान कार्य अवधि में प्रस्तुत कर सकता है। उक्त अवधि में आपत्ति प्राप्त न होने पर यह मानते हुए कि इस विषय में किसी को कोई आपत्ति नहीं है उपरोक्त लोन जारी कर दिया जाएगा।

राजीव त्रिपाठी एडवोकेट
कार्यालय : गोहनिया चुंगी चौराहा, निकट गुप्ता पेट्रोल पम्प, पीलीभीत।
मो. 9412585442

उपद्रवियों के खिलाफ होगी निर्णायक कार्रवाई: योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- दशहरा बुराई व आतंक के दहन का प्रतीक, एक्शन का सही समय: मुख्यमंत्री

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में उपद्रव फैलाने वाले अराजक तत्वों के खिलाफ निर्णायक व कड़ी कार्रवाई की जाए। दशहरा बुराई व आतंक के दहन का प्रतीक है। ऐसे मौके पर अशांति फैलाने वाले असामाजिक तत्वों के साथ ऐसी कार्रवाई की जाए जो नजीर बने। उपद्रवियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए यह उपयुक्त समय भी है।

मुख्यमंत्री योगी ने शुक्रवार देर रात शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों, जोनल एडीजी, आईजी, मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों व पुलिस अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग माध्यम से कानून-व्यवस्था की समीक्षा में अपराधियों के खिलाफ जीरो टालरेंस की नीति दोहराते हुए कहा कि प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी संबंधित अधिकारी अपने कर्तव्यों के प्रति सचेत रहें, अराजकतत्वों को सबक सिखाने को कृतसंकल्प हों।

शारदीय नवरात्र से प्रारंभ मिशन शक्ति 5.0 की प्रगति पर संतोष जताते हुए योगी ने कहा कि गरबा-डांडिया व अन्य धार्मिक आयोजनों में घुसकर माहौल खराब करने वाले अराजक तत्वों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। कहा कि छेड़खानी, चेन स्नेचिंग या एसिड अटैक जैसी घटनाओं पर न केवल थाने व चौकी की जवाबदेही तय होगी बल्कि पीआरवी की भूमिका भी जांची जाएगी। दशहरे के बाद जोनल एडीजी इसकी थानावार समीक्षा कर रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। हाल के दिनों में कानपुर नगर, वाराणसी, मुरादाबाद, बदायूं, महराजगंज, उन्नाव, संभल, आगरा व बरेली में आपत्तिजनक जुलूस व भड़काऊ नारेबाजी की घटनाओं पर नाराजगी जताते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि यह सब प्रदेश का माहौल खराब करने की सुनियोजित साजिश है।

साजिश करने वालों को किसी भी कीमत पर छोड़ा नहीं जाएगा। उन्होंने निर्देश दिया कि जुलूसों में शामिल उपद्रवियों को चिन्हित कर उनके खिलाफ तत्काल रिपोर्ट दर्ज की जाए, उनकी संपत्ति की जांच की जाए। मुख्यमंत्री ने जातीय संघर्ष भड़काने की कोशिशों पर भी सख्ती दिखाई और कहा कि शासन के स्पष्ट आदेशों का अधिकारी पालन करें। जाति के नाम पर समाज में वैमनस्यता फैलाने वालों को हर हाल में न बख्शा जाए।

नेशनल ब्रीफ

रिश्वत: दो आयकर अधिकारियों को जेल

जोधपुर। सीबीआई की एक विशेष अदालत ने शुक्रवार को 15 लाख रुपये की रिश्वत लेने के दोषी में दो आयकर अधिकारियों को चार साल कैद की सजा सुनाई, जबकि बिचौलिए के तौर पर काम करने के आरोपी एक जौहरी को बरी कर दिया। जेल की सजा के अलावा दोनों अधिकारियों को 1.10-1.10 लाख रुपये का जुर्माना भी भरना होगा। अदालत के आदेश के अनुसार, फैसला सुनाते हुए पीठासीन अधिकारी (सीबीआई मामलों के लिए विशेष अदालत) भूपेंद्र सनाढ्य ने कहा कि अधिकारियों के कृत्य गंभीर भ्रष्टाचार का मामला हैं, जिससे सरकारी संस्थानों में जनता का विश्वास कम हुआ है।

हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकी की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली। एनआईए ने हिजबुल मुजाहिदीन के एक आतंकवादी की अचल संपत्ति कुर्क की। यह आतंकवादी कश्मीर घाटी में आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबंधित संगठन के सक्रिय आतंकवादियों को हथियार और गोला-बारूद की आपूर्ति में शामिल था। एनआईए की विशेष अदालत जम्मू के आदेश पर एजेंसी ने तारिक अहमद मीर की अचल संपत्ति कुर्क की है। मीर पर आरोप पत्र दायर किया गया है और उसे इस मामले में अप्रैल 2025 में गिरफ्तार किया गया था।

चैतन्यानंद के बैंक खातों से लेनदेन पर रोक

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने स्वयंभू धर्मगुरु स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती से जुड़ी लगभग आठ करोड़ रुपये की धनराशि के लेन-देन पर रोक लगा दी है। स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती पर शहर के एक संस्थान की 17 छात्राओं का यौन उत्पीड़न करने का आरोप है। उन्होंने बताया कि यह राशि 18 बैंक खातों और 28 सावधि जमा के रूप में है। जांचकर्ताओं के अनुसार, यह धनराशि सरस्वती द्वारा स्थापित एक न्यास की है, जिसे भारी दान प्राप्त हुआ था। पुलिस ने बताया कि खातों में लेन-देन पर रोक वित्तीय लेनदेन की जांच का हिस्सा है।

वेंकटरमणी दो साल के लिए अटॉर्नी जनरल

नई दिल्ली। वरिष्ठ अधिवक्ता आर वेंकटरमणी को शुक्रवार को अगले दो साल के लिए फिर से भारत का अटॉर्नी जनरल नियुक्त किया गया है। देश के शीर्ष विधि अधिकारी के रूप में उनकी पुनर्नियुक्ति एक अक्टूबर से प्रभावी होगी। उनका वर्तमान तीन साल का कार्यकाल 30 सितंबर को समाप्त हो रहा है। वेंकटरमणी (75) ने 30 सितंबर, 2022 को अनुभवी न्यायविद् के के वेणुगोपाल का स्थान लेते हुए अटॉर्नी जनरल का पद संभाला था।

मिग 21 : अद्भुत योद्धा को आखिरी सलाम

चंडीगढ़। भारतीय वायु सेना के युद्ध बेड़े की रीढ़ रहे प्रसिद्ध मिकोयान-गुरेविच मिग-21 लड़ाकू विमान ने शुक्रवार को अंतिम बार भारतीय आकाश में उड़ान भरी और इसी के साथ इसके 62 साल लंबे सफर का समापन हो गया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस मौके पर कहा कि मिग-21 सिर्फ एक विमान या मशीन नहीं बल्कि राष्ट्रीय गौरव और भारत एवं रूस के बीच मजबूत संबंधों का प्रमाण है। राजनाथ ने छह दशक से भी अधिक समय तक भारतीय वायुसेना के लड़ाकू बेड़े की ताकत रहे मिग-21 को सेवामुक्त किए जाने के बीच यह टिप्पणी की। रूस निर्मित मिग-21 लड़ाकू विमानों को 1963 में भारतीय वायु सेना में शामिल किया गया था। राजनाथ ने कहा कि मिग-21 की 60 साल से अधिक की यात्रा बेजोड़ है और इस विमान ने दशकों तक देश की सुरक्षा का भार अपने पंखों पर उठाए रखा तथा हमारे आत्मविश्वास को आकार दिया और हमारी रणनीति को मजबूत किया।

चंडीगढ़ में आखिरी उड़ान।

> मिग-21 ने हमारे आत्मविश्वास को आकार दिया, हमारी रणनीति को मजबूत किया और वैश्विक मंच पर हमारी पहचान स्थापित करने में मदद की। इस विमान ने अपनी यात्रा में हर चुनौती का सामना किया और हर बार अपनी क्षमता साबित की। हमेशा हमारे राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान ऊंचा रखा। – **राजनाथ सिंह, रक्षामंत्री**

मिग-21 की विदाई की बेला में भारतीय वायुसेना की सूर्यकिरन टीम ने आसमान में दिखाए हैरतअंगेज करतब।

वायुसेना प्रमुख एपी सिंह ने भी भरी उड़ान।

- **छह दशक की बेमिसाल सेवा के बाद वायुसेना ने दी भव्य विदाई**

वायुसेना के लाड़ले को अभूतपूर्व सम्मान

समारोह में वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह के नेतृत्व में एक शानदार फ्लाईपास्ट किया गया, जो एक दुर्लभ और प्रतीकात्मक संकेत था, जिससे इस शानदार विमान के प्रति भारतीय वायु सेना का गहरा सम्मान प्रदर्शित होता है। इस मौके पर प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी, सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, डीआरडीओ के अध्यक्ष समीर वी कामत, कई पूर्व वायुसेना प्रमुख तथा सेवारत एवं सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी मौजूद थे।

कांग्रेस ने नेहरू और कृष्ण मेनन को याद किया

नई दिल्ली। कांग्रेस ने मिग-21 लड़ाकू विमान के सेवा मुक्त होने के बाद पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और पूर्व रक्षा मंत्री वीके कृष्ण मेनन को याद किया और कहा कि अमेरिका और ब्रिटेन की ओर से भारी दबाव था, लेकिन नेहरू और मेनन दोनों इस विमान को लेकर अडिग रहे। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 22 अगस्त, 1962 को भारत और सोवियत संघ ने मिग-21 समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते ने रक्षा क्षेत्र में भारत-सोवियत सहयोग को मजबूत करने का मार्ग साफ किया। उनके मुताबिक, वर्ष 1987 में प्रमुख सामरिक विशेषज्ञ के. सुब्रह्मण्यम ने लिखा था कि वीके कृष्ण मेनन ने भारतीय वायु सेना पर मिग-21 चुनने का दबाव डाला था, लेकिन मुड़कर देखें तो मेनन का ऐसा करना सही था।

बिहार की महिलाएं सुनिश्चित करें, कभी सत्ता में न लौटें राजद, उसके सहयोगी

मोदी ने की महिला रोजगार योजना की शुरुआत, 75 लाख महिलाओं को दिए 10-10 हजार रुपये

पटना, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को बिहार में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि उसके शासनकाल में महिलाओं को सबसे ज्यादा कष्ट झेलना पड़ा। उन्होंने महिलाओं से अपील की कि लालू प्रसाद के नेतृत्व वाली पार्टी और उसके सहयोगियों को कभी सत्ता में वापस न आने दें।

मोदी ने कहा कि बिहार की महिलाओं के अब दो भाई हैं "नीतीश और मोदी", जो उनकी भलाई के लिए लगातार काम कर रहे हैं। उन्होंने दिल्ली से डिजिटल माध्यम से मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की शुरुआत की, जिसके तहत बिहार की 75 लाख महिलाओं को स्वरोजगार और आजीविका के लिए 10-10 हजार रुपये की आर्थिक मदद दी गई। करीब 7,500 करोड़ रुपये की इस योजना के तहत महिलाओं को शुरुआत में 10,000 रुपये की मदद दी जा रही है। लेकिन उनके उद्यम की सफलता के आधार पर अधिकतम दो लाख रुपये तक बढ़ाया जा सकता है। इसका उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है।

इस मौके पर पटना से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और कई केंद्रीय एवं राज्य मंत्री भी वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए जुड़े। प्रधानमंत्री ने विपक्षी दल पर निशाना साधते हुए कहा, राजद के शासनकाल में बिहार की महि लाओं को बहुत कष्ट सहना पड़ा। न सड़कें थीं, न कानून-व्यवस्था... लेकिन अब नीतीश कुमार सरकार में महिलाएं सुरक्षित महसूस करती हैं। इसलिए, उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि राजद और उसके सहयोगी कभी सत्ता में वापस न आएं। उन्होंने कहा कि राजग सरकार बिहार में महिलाओं के सशक्तिकरण पर काम कर रही है और जल्द ही बिहार में देश की सबसे ज्यादा 'लखपति दीदियां' होंगी।

मोदी ने इस योजना की सराहना करते हुए कहा कि यह बिहार की महिलाओं के लिए नीतीश सरकार का महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा, जब कोई बहन या बेटी नौकरी पाती है या स्वरोजगार शुरू करती है, तो उसके सपनों को पंख लगते हैं और समाज में उसका सम्मान और बढ़ जाता है। भाई की असली खुशी तब होती है जब उसकी बहन स्वस्थ, समृद्ध और परिवार आर्थिक रूप से मजबूत हो।

प्रधानमंत्री ने उज्ज्वला योजना, 8.5 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इनसे बिहारवासियों का जीवन बदला है। उन्होंने कहा, कभी गांव में गैस कनेक्शन लेना चुनौती थी। माताएं-बहनें लकड़ी के धुएं में जिंदगी गुजारती थीं। हमने हर घर में गैस कनेक्शन पहुंचाकर उन्हें बचाया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार का लक्ष्य देश में तीन करोड़ 'लखपति दीदियां' बनाने का है और अब तक दो करोड़ से ज्यादा बहनें इस मुकाम तक पहुंच चुकी हैं। उन्होंने कहा, बिहार जल्द ही देश में सबसे ज्यादा 'लखपति दीदियां' वाला राज्य बनेगा।

महिलाओं की स्थिति सुधार कर उन्हें सशक्त बना रहे हैं

मोदी ने कहा कि नयी योजना के तहत महिलाएं किराना, बर्तन, कॉस्मेटिक, खिलौने और स्टेशनरी जैसी दुकानें खोल सकती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बड़ी संख्या में महिलाएं सेना, पुलिस और वायुसेना में शामिल हो रही हैं और लड़ाकू विमान तक उड़ा रही हैं। उन्होंने कहा कि बिहार के बड़े हिस्से में उसना चावल पसंद किया जाता है। पहले राशन में अरवा चावल मिलता था, जिसे लोग बाजार में बदलवाते थे और 20 किलो अरवा के बदले केवल 10 किलो उसना चावल पाते थे। उन्होंने कहा, सरकार अब राशन में सीधा उसना चावल उपलब्ध करा रही है। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने विभिन्न जिलों से जुड़ी महिलाओं से बातचीत भी की। पूर्णिया की एक लाभार्थी ने बताया कि वह अपनी मिठाई की दुकान का विस्तार कर जलेबी बेचना चाहती है। इस पर मोदी ने विपक्ष पर परोक्ष टिप्पणी करते हुए कहा, हाल के दिनों में जलेबी को लेकर खूब राजनीति हुई थी। प्रधानमंत्री का इशारा हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान 'जलेबी' विवाद पर था। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने संबोधन में कहा, राजग सरकार राज्य के समग्र विकास के लिए लगातार काम कर रही है। हम महिलाओं की स्थिति सुधार रहे हैं और उन्हें सशक्त बना रहे हैं।

बिहार: शंकराचार्य सभी सीटों पर उतारेंगे निर्दलीय गौभक्त प्रत्याशी

डेहरी ऑन सोन। जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने बिहार में सनातनी राजनीति का शंखनाद करते हुए कहा है कि बिहार विधानसभा की सभी सीटों पर निर्दलीय गौ भक्त प्रत्याशी खड़े किए जाएंगे। सरस्वती बिहार के रोहतास जिले के बस्तीपुर गांव में गौ मतदाता संकल्प यात्रा में भाग लेने पहुंचे थे।

इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि उनकी तरफ से बिहार में सभी विधानसभा क्षेत्रों में गौ भक्त प्रत्याशी चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि वह स्वयं गौ भक्तो का चुनाव प्रचार करेंगे और सनातनी हिन्दुओं से गौ को राष्ट्र माता घोषित करने के मुद्दे पर मतदान की अपील करेंगे। शंकराचार्य ने एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि सनातन धर्म की रक्षा तभी संभव है जब हिन्दू धर्मावलंबी गौ माता का संरक्षण करेंगे। उन्होंने कहा कि गौ रक्षा हमारी आस्था का विषय ही नहीं, बल्कि यह हमारे समाज और संस्कृति की भी आधारशिला है। उन्होंने सभी लोगों से आग्रह किया कि आगामी विधानसभा चुनाव में केवल उन्हीं प्रत्याशियों को वोट दें, जो गौ रक्षा को लेकर स्पष्ट और संकल्पित हों।

ईडी ने कुंद्रा के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया

मुंबई। ईडी ने बिटकॉइन 'घोटाले' में व्यवसायी राज कुंद्रा के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। ईडी ने कहा कि वह इन लेन-देन में केवल 'मध्यस्थ' नहीं, बल्कि लाभ प्राप्त करने वाले मालिक थे।

ईडी के अनुसार, कुंद्रा के पास 285 बिटकॉइन हैं, जिनकी वर्तमान कीमत 150.47 करोड़ रुपये है। ये बिटकॉइन उन्हें क्रिप्टो घोटाले के मास्टरमाइंड रहे दिवंगत अमित भारद्वाज से मिले थे। यह आरोपपत्र हाल में एक विशेष पीएमएलए अदालत में दाखिल किया गया था। इसमें कहा गया कि कुंद्रा ने जानबूझकर बिटकॉइन वॉलेट के पते आदि सहित महत्वपूर्ण सबूत छुपाए और भारद्वाज से प्राप्त बिटकॉइन को वापस नहीं किया।

चुनावी लाभ के लिए महिलाओं को लुभा रही सरकार

पटना। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बिहार में मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की शुरुआत किए जाने पर सवाल खड़े करते हुए आरोप लगाया कि सरकार चुनावी लाभ के लिए महिलाओं को लुभाने की कोशिश कर रही है।

कांग्रेस महासचिव ने कहा, यह योजना चुनाव से ठीक पहले क्यों लाई जा रही है। पिछले 20 साल से किसकी सरकार सत्ता में रही है। इतने सालों में यह काम क्यों नहीं किया गया। अब अचानक इन्हें महिलाओं की याद आ रही है। यह साफ है कि इन्हें लगता है कि इस योजना के जरिए महिलाओं का वोट हासिल किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य, दोनों सरकारों ने लंबे समय महिलाओं के हित की योजनाओं को दरकिनार किया और अब चुनाव से पूर्व योजना का एलान किया जा रहा है। अब दाल नहीं गलने वाली है, क्योंकि बिहार की महिलाएं सब समझ रहीं हैं। महिलाओं के साथ संवाद कार्यक्रम में भाग लेने पटना पहुंचीं प्रियंका हवाई अड्डे के बाहर पत्रकारों से मुखातिब थीं।

मणिपुर, नगालैंड, अरुणाचल के कुछ हिस्सों में बढ़ाई अफस्पा की अवधि

नई दिल्ली, एजेंसी

- **जारी की गई अधिसूचना, छह महीने के लिए बढ़ा प्रतिबंध**

मणिपुर में कानून-व्यवस्था की मौजूदा स्थिति को देखते हुए 13 पुलिस थानों के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों को छोड़कर राज्य के बाकी हिस्सों में सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम (अफस्पा) की अवधि शुक्रवार को छह महीने के लिए बढ़ा दी गई।

अफस्पा के तहत किसी विशेष राज्य या उसके कुछ क्षेत्रों को "अशांत" घोषित किया जाता है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक, नगालैंड के नौ जिलों और राज्य के पांच अन्य जिलों के 21 थाना क्षेत्रों में भी अफस्पा की अवधि छह महीने के लिए बढ़ा दी गई है। अधिसूचना में कहा गया है कि यह कानून अरुणाचल प्रदेश के तिरप, चांगलांग और लोंगडिंग जिलों के अलावा असम से सटे राज्य के नामसाई जिले के तीन थाना क्षेत्रों में भी लागू कर दिया गया है।

इसमें कहा गया है कि अफस्पा के तहत तीनों राज्यों के संबंधित क्षेत्रों का अशांत क्षेत्र का दर्जा एक अक्टूबर से अगले छह महीने की अवधि के लिए बढ़ा दिया गया है। अफस्पा अशांत क्षेत्रों में तैनात सशस्त्र बलों को तलाशी लेने, गिरफ्तार करने और अगर वे आवश्यक समझें, तो गोली चलाने के व्यापक अधिकार देता है।

पूजा पंडाल में यीशु की जगह कृष्ण जी की तस्वीर लगाई

रांची। रोमन कैथोलिक चर्च के प्रमुख केंद्र 'वेटिकन सिटी' की थीम पर रांची में पंडाल बनाने वाली एक दुर्गा पूजा समिति के आयोजकों ने शुक्रवार को पंडाल के अंदर से ईसा मसीह की तस्वीर हटा ली और उनकी जगह भगवान कृष्ण की तस्वीर लगा दी। यह बदलाव विश्व हिंदू परिषद (विहिप) द्वारा लगाए गए आरोपों के एक दिन बाद आया, जिसमें दावा किया गया था कि पंडाल को "हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने" और धर्मांतरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बनाया गया है। रातु रोड स्थित पूजा आयोजक आर आर स्पोर्टिंग क्लब ने बृहस्पतिवार को इन आरोपों को खारिज कर दिया था।

वांगचुक को गिरफ्तार कर मुद्दों को दबा नहीं सकता केंद्र

नई दिल्ली, एजेंसी

विपक्षी दलों ने शुक्रवार को जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी को लेकर केंद्र की निंदा की और आरोप लगाया कि यह कदम सरकार द्वारा जानबूझ कर निशाना बनाने के एजेंडा को स्पष्ट रूप से उजागर करता है तथा यह केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में घोर विफलता है।

- **विपक्षी दलों ने की निंदा, आवाज दबाने का आरोप लगाया**

कांग्रेस ने वांगचुक की गिरफ्तारी की निंदा करते हुए दावा किया कि भाजपा की विफलता से ध्यान भटकने के लिए यह कदम उठाया गया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, कांग्रेस रासुका के तहत प्रख्यात पर्यावरणविद और शिक्षाविद सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी की निंदा करती है। यह केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने में भाजपा की घोर विफलता से ध्यान भटकाने और ज़िम्मेदारी से ध्यान हटाने के लिए किया गया है। रमेश ने कहा, भाजपा ने 2020 के लेह पर्वतीय परिषद के चुनावों में इस क्षेत्र को छठी अनुसूची के तहत शामिल करने का वादा किया था और बदले की भावना से उस वादे से मुकर गई है।

राज्यसभा में टीएमसी की उपनेता सागरिका घोष ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार किसी भी असहमति को राष्ट्र-विरोधी मानती है और असहमति जताने वालों को कठोर कानूनों के तहत गिरफ्तार कर लेती है। घोष ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, गृह मंत्रालय फिर से अपनी हरकत पर अड़ा है। मोदी सरकार ने अब मैग्सायसाय पुरस्कार विजेता सोनम वांगचुक को गिरफ्तार कर लिया है। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने वांगचुक की गिरफ्तारी को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और केंद्र की भाजपा नीत राजग सरकार पर अपने वादों से मुकरने का आरोप लगाया।

'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि देश एक कठिन दौर से गुजर रहा है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, रावण का भी अंत हुआ। कंस का भी अंत हुआ। हिटलर और मुसोलिनी का भी अंत हुआ। और आज उन लोगों से सब लोग नफरत करते हैं। उन्होंने कहा, आज हमारे देश में तानाशाही चरम पर है। तानाशाही और अहंकार करने वालों का अंत बहुत बुरा होता है। माकपा के राज्यसभा सदस्य जॉन ब्रिटास और भाकपा(एमएल) लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य उन वामपंथी नेताओं में शामिल हैं, जिन्होंने वांगचुक की गिरफ्तारी की निंदा की।

एनसीईआरटी देगा विभिन्न स्कूल शिक्षा बोर्ड के प्रमाणपत्रों को समान मान्यता

नई दिल्ली। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) उच्चतर शिक्षा संस्थानों में दाखिला और सरकारी नौकरियों में भर्ती के लिए देश में विभिन्न स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा प्रदान किये गए 10वीं और 12वीं कक्षाओं के प्रमाणपत्रों को समान मान्यता देगी।

यह अधिसूचना शिक्षा मंत्रालय के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा ई-गजट में प्रकाशित की गई है। अधिसूचना 15 नवंबर 2021 की पूर्व अधिसूचना का स्थान लेती है, जिसमें यह दायित्व भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) को सौंपा गया था। शिक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, एनसीईआरटी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत स्थापित राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र, प्रदर्शन मूल्यांकन, समग्र विकास के लिए ज्ञान की समीक्षा और विश्लेषण (परख) के माध्यम से इस जिम्मेदारी का निर्वहन करेगा।

इसमें कहा गया है, यह तंत्र यह सुनिश्चित करेगा कि समतुल्यता का निर्धारण मजबूत और अकादमिक रूप से कठोर प्रक्रिया के माध्यम से किया जाए जो उच्चतम मानकों को बनाए रखे। अधिसूचना यह तय करती है कि एनसीईआरटी द्वारा दी गई समतुल्यता अखिल भारतीय स्तर पर मान्य होगी और इससे भारत में स्कूल बोर्ड के बीच स्वतः समानता आएगी, जिससे देश भर के छात्रों के लिए अंतर-स्कूल शिक्षा बोर्ड स्थानांतरण में आसानी होगी।

विवेक गुप्ता बने आईएनएस अध्यक्ष

नई दिल्ली, एजेंसी

- **कहा- विकसित बाजारों में गिरावट के बावजूद भारतीय समाचार पत्र सूचना का भरोसेमंद स्त्रोत**

सन्मार्ग समूह के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (एमडी) विवेक गुप्ता को समाचार पत्रों और पत्रिकाओं के प्रकाशकों की सर्वोच्च संस्था द इंडियन न्यूजपेपर सोसाइटी (आईएनएस) का अध्यक्ष चुना गया है।

आईएनएस ने गुरुवार को बताया कि वीडियो कॉन्फ्रेंस से आयोजित सोसाइटी की 86वीं वार्षिक आम बैठक में गुप्ता को 2025-26 के लिए अध्यक्ष चुना गया। वह 'मातृभूमि' के एमवी श्रेयम्स कुमार की जगह जिम्मेदारी संभालेंगे। इसके अलावा करण राजेंद्र दर्डा (लोकमत) को डिप्टी प्रेजिडेंट, तन्मय माहेश्वरी (अमर उजाला) को वाइस प्रेजिडेंट और अनंत नाथ (गृहशोभिका) को मानद कोषाध्यक्ष चुना गया है। सुश्री मैरी पॉल सोसाइटी की महासचिव होंगी। सोसाइटी की कार्यसमिति में 41 सदस्य बनाए गए हैं। बैठक में बताया गया कि पिछला साल समाचार पत्र उद्योग के लिए लचीलेपन, सुधार और सतर्क आशावाद का रहा है। वैश्विक स्तर पर, समाचार पत्र अभूतपूर्व दबाव में हैं, कई विकसित बाजारों में प्रसार और विज्ञापन में भारी गिरावट आई है फिर भी, भारत में हमारी कहानी अलग है। हम दृढ़ हैं, समाचार पत्र सूचना का एक विश्वसनीय स्रोत बने हुए हैं, खासकर टियर 2 और टियर 3 शहरों में, जहां प्रिंट में गहरी आस्था है। यह लचीलापन आसान नहीं रहा है। इन सबके मूल में हमारी सबसे बड़ी ताकत हैः विश्वसनीयता। विश्वसनीयता की रक्षा करना केवल हमारी जिम्मेदारी नहीं है, यह हमारे अस्तित्व की नींव है।

द सैटेनिक वर्सेज पर प्रतिबंध लगाने को दायर याचिका खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को सलमान रुश्दी के विवादास्पद उपन्यास 'द सैटेनिक वर्सेज' पर प्रतिबंध लगाने का अनुरोध करने वाली याचिका पर विचार करने से इन्कार कर दिया। यह याचिका न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आई।

याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकील ने दिल्ली उच्च न्यायालय के पिछले साल नवंबर के आदेश का हवाला दिया। उच्च न्यायालय ने 1988 में तत्कालीन राजीव गांधी सरकार द्वारा 'द सैटेनिक वर्सेज' के आयात पर प्रतिबंध लगाने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई बंद कर दी थी और कहा था कि चूंकि अधिकारी संबंधित अधिसूचना पेश करने में विफल रहे हैं, इसलिए यह मान लेना चाहिए कि वह (अधिसूचना) है ही नहीं। केंद्र ने 1988 में, कानून-व्यवस्था बरकरार रखने के लिए बुकर पुरस्कार विजेता लेखक की पुस्तक 'द सैटेनिक वर्सेज' के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया था। दुनिया भर के मुसलमानों ने इसे (पुस्तक को) ईशनिंदा करने वाला माना था। पीठ ने मुंबई के तीन निवासियों द्वारा दायर याचिका खारिज करते हुए कहा, आप दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दे रहे हैं।

- **मुंबई के तीन लोगों की ओर से दायर की गई थी याचिका**

तिरुपति लड्डू विवाद: आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश पर लगी रोक

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के निदेशक द्वारा शीर्ष अदालत द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) से बाहर के एक अधिकारी को प्रसिद्ध तिरुमला तिरुपति मंदिर के 'लड्डू प्रसादम' (धार्मिक प्रसाद) में इस्तेमाल होने वाले घी में मिलावट की जांच करने की अनुमति देने को न्यायालय के आदेशों का उल्लंघन बताया गया था। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने कहा था कि प्रसादम तैयार करने में इस्तेमाल किये जा रहे 'मिलावटी घी' की जांच करते समय सीबीआई निदेशक ने शीर्ष अदालत के निर्देशों का उल्लंघन किया। सीबीआई निदेशक की याचिका पर राहत प्रदान करते हुए प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा कि इस जांच की निगरानी जांच एजेंसी के प्रमुख स्वयं कर रहे हैं, ऐसे में अगर किसी विशेष अधिकारी को जांच में सहयोग करने के लिए कहा जाता है, तो उसमें कुछ भी गलत नहीं है। पीठ ने पूछा, अगर एसआईटी किसी खास अधिकारी की नियुक्ति करना चाहती है, तो इसमें क्या गलत है।

हिरासत में मौत: मध्यप्रदेश सरकार को चेतावनी आदेश का पालन करें वर्ना हमें पता है क्या करना है

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मध्य प्रदेश सरकार को चेतावनी दी कि वह उसके निर्देशों का पालन करे, अन्यथा अदालत को पता है कि चीजों का पालन कैसे कराया जाता है। यह चेतावनी हिरासत में मौत के मामले से जुड़ी है, जिसमें आरोप लगने के बाद दो पुलिसकर्मी फरार हो गए थे। शीर्ष अदालत ने अनुपालन में कोई प्रगति न होने पर कहा कि वह संबंधित प्राधिकारियों के खिलाफ अवमानना के आरोप तय कर सकती है। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की एक पीठ ने कहा, हम बस इतना कह रहे हैं कि देश की शीर्ष अदालत के निर्देशों का पालन करें। वरना, हमें पता है कि पालन कैसे करवाना है। अगर पालन नहीं हुआ, तो अवमानना याचिका के तहत कार्रवाई होगी। हम आरोप तय करेंगे और न्यायालय की अवमानना अधिनियम के तहत कार्रवाई होगी। शीर्ष अदालत 24 वर्षीय पीड़ित की मां की अवमानना याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें न्यायालय के 15 मई के आदेश का पालन न करने का आरोप लगाया गया है।

नीट पीजी : उत्तर कुंजी प्रकाशित करने की याचिकाओं पर नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने नीट-पीजी 2025 की उत्तर कुंजी प्रकाशित करने के अनुरोध वाली याचिकाओं पर नोटिस जारी कर केंद्र और राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान परीक्षा बोर्ड से जवाब मांगा। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और केवी विश्वनाथन की पीठ ने स्नातकोत्तर में उत्तर कुंजी के प्रकाशन सहित पारदर्शिता बढ़ाने के अनुरोध वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी।

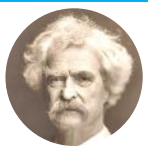

उम्र दिमाग पर हावी होने का मामला है। अगर आपको कोई फर्क नहीं पड़ता, तो कोई फर्क नहीं पड़ता।
–मार्क ट्वेन, अमेरिकी लेखक

भारत की आत्मनिर्भर दिशा

भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बयान न केवल आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि राष्ट्रीय आत्मसम्मान और रणनीतिक स्वतंत्रता से भी जुड़ा हुआ है। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो के उद्घाटन के अवसर पर प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि भारत अब विदेशों पर निर्भर रहकर आगे नहीं बढ़ सकता। यह विचार केवल आत्मनिर्भर भारत अभियान की पुनरावृत्ति नहीं है, बल्कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में भारत की भूमिका को परिभाषित करने वाला एक दृढ़ संकल्प भी है। आज दुनिया जिस बहु-ध्रुवीय स्थिति में है, वहां हर राष्ट्र अपने हितों को सर्वोपरि रखकर नीतियां बना रहा है। ऊर्जा से लेकर प्रौद्योगिकी तक, हर क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा और संरक्षणवाद बढ़ रहा है। ऐसे में भारत के लिए यह आवश्यक है कि वह उत्पादन, नवाचार और व्यापार के हर मोर्चे पर स्वयं सक्षम बने। प्रधानमंत्री ने जो कहा वह एक चेतावनी भी है और एक अवसर भी। चेतावनी इस बात की कि यदि हम आत्मनिर्भर नहीं बने, तो बदलते हालात में पिछड़ जाएंगे और अवसर इस रूप में कि भारत के पास विशाल जनशक्ति, बढ़ता हुआ बाजार और तकनीकी क्षमता है, जिनके बल पर हम आत्मनिर्भरता की राह पर अग्रसर हो सकते हैं। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो जैसे आयोजन इस दिशा में मील का पत्थर साबित हो सकते हैं। उत्तर प्रदेश, जो कभी रोजगार के लिए पलायन की पहचान रखता था, अब निवेश और औद्योगिक विकास का केंद्र बन रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य को नई दिशा दी है और यही कारण है कि आज देश-विदेश के निवेशक यहां अवसर तलाश रहे हैं। मोदी का यह कहना कि यूपी अब निवेश और प्रगति का नया केंद्र है, इस बदली हुई स्थिति का प्रमाण है। यह भी सही है कि आत्मनिर्भरता केवल उत्पादन बढ़ाने से नहीं आएगी। इसके लिए शिक्षा, कौशल विकास, अनुसंधान और डिजिटलीकरण पर जोर देना होगा। प्रधानमंत्री ने डिजिटल ड्राइव, एयरोस्पेस, रक्षा उत्पादन और टेक्सटाइल जैसे क्षेत्रों का उल्लेख करके यह संकेत दिया है कि भारत का लक्ष्य केवल आयात घटाना नहीं बल्कि विश्व बाजार में प्रतिस्पर्धा करना भी है। जब देश का 55 प्रतिशत मोबाइल उत्पादन उत्तर प्रदेश से हो रहा है, तो यह केवल एक सांकेतिक उपलब्धि नहीं बल्कि संभावनाओं की झलक है। हालांकि चुनौतियां कम नहीं हैं। अभी भी भारत में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) पर्याप्त संसाधनों और तकनीकी सहयोग के अभाव से जूझ रहे हैं। कृषि क्षेत्र, जो आज भी बड़ी आबादी को रोजगार देता है, तकनीकी आधुनिकीकरण की प्रतीक्षा में है।

अब जब नए भारत की परिकल्पना सामने है, तो जरूरी है कि पारदर्शिता, सुशासन और जनसहभागिता को प्राथमिकता दी जाए। इसका अर्थ है ऐसा भारत, जो अपनी जरूरतें स्वयं पूरी करे, अपने उद्योगों को मजबूती दे और साथ ही विश्व के लिए विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बने। प्रधानमंत्री का यह संदेश केवल नीति निर्माताओं और उद्योगपतियों के लिए नहीं है, बल्कि आम नागरिक के लिए भी है। जब उपभोक्ता स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता देंगे और युवा नवाचार को अपनाएंगे तभी आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना साकार होगी।

प्रसंगवश

वैश्विक पर्यटन केंद्र के रूप में उभर रहा है भारत

विश्व यात्रा एवं पर्यटन परिषद (डब्ल्यूटीटीसी) की नवीनतम आर्थिक प्रभाव प्रवृत्ति रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने 2025 में विश्व की सबसे बड़ी पर्यटन अर्थव्यवस्थाओं में अपने पिछले दसवें स्थान से 8वें स्थान पर एक महत्वपूर्ण छलांग लगाई है। अनुमान है कि अगले दशक में भारत चौथे स्थान पर होगा। भारत का पर्यटन क्षेत्र 2025 में 231.6 अरब डॉलर का योगदान देगा, जो बुनियादी ढांचे, विपणन और सेवा वितरण में मजबूत वृद्धि और रणनीतिक विकास को दर्शाता है। आज विश्व पर्यटन दिवस है। संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (यूएनडब्ल्यूटीओ) ने विश्व पर्यटन दिवस की स्थापना की है और 1980 से हर साल 27 सितंबर को विश्व पर्यटन दिवस के तौर पर मनाया जाता है।

रमेश सर्राफ
स्वतंत्र पत्रकार

देश के लिए बहुमूल्य विदेशी मुद्रा की कमाई करने में पर्यटन उद्योग का अच्छा खासा महत्व है। पर्यटन आज भी लाखों लोगों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध करा रहा है। भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में से है, जहां कलात्मक, धार्मिक और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर दर्शनीय स्थलों एवं कृतियों की कमी नहीं है। यही कारण है कि हजारों मील दूर रहने वाले विदेशी लोग भी पर्यटन के लिए यहां आने का लोभ छोड़ नहीं पाते हैं। यही नहीं देशी पर्यटक भी बड़ी तादाद में कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक फैले देश के विभिन्न पर्यटन केंद्रों पर देखे जा सकते हैं।

यूरोपीय देश जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, इटली और स्पेन प्रमुख खिलाड़ी बने हुए हैं। वहीं हांगकांग एसएआर, मलेशिया और फिलीपींस जैसे एशियाई गंतव्य पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में तेजी से अपनी पहचान बना रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन खर्च में तीव्र वृद्धि देखने वाले देशों में सऊदी अरब (+91.3%), तुर्की (+38.2%), केन्या (+33.3%), कोलंबिया (+29.1%), और मिस्र (+22.9%) शामिल हैं।

देश की अर्थव्यवस्था के विभिन्न पहलुओं पर नजर रखने वाले अर्थशास्त्रियों और नीति निर्धारकों ने लगभग एकमत से स्वीकार किया है कि देश में उपलब्ध पर्यटन क्षमता का समुचित रूप से इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है। इस दिशा में अधिक प्रभावी व कारगर कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। इसी नीति के तहत विभिन्न पर्यटन केंद्रों को प्रमुख छोटे-बड़े शहरों से जोड़ने के लिए दूरसंचार, सड़क और वायु परिवहन की अधिकाधिक सुविधा उपलब्ध कराने के लिए भारी निवेश की व्यवस्था की जा रही है। इसके अलावा परंपरागत पर्यटक केंद्रों के आसपास बुनियादी सुविधाएं व नए पर्यटन केंद्रों को विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है। इस पूरे परिदृश्य से स्पष्ट होता है कि आगामी वर्षों में पर्यटन प्रबंधन तथा पर्यटक से जुड़े अन्य क्षेत्रों के विशेषज्ञों की बड़ी संख्या में मांग होगी। यह अवसर सरकारी से ज्यादा निजी क्षेत्रों में होने की अधिक संभावना जताई जा रही है।

देश में इस दौरान लगभग एक करोड़ नये रोजगार का इस क्षेत्र में सृजन होने की उम्मीद है। वर्ल्ड ट्रेवल एंड टूरिज्म काउंसिल की रिपोर्ट में इस ओर इशारा किया गया है। अभी देश में लगभग चार करोड़ लोग टूर एंड टूरिज्म इंडस्ट्री के माध्यम से प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष तौर पर आजीविका से जुड़े हुए हैं। भारत में पर्यटन सबसे बड़ा सेवा उद्योग है, जहां इसका राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में 6.23 प्रतिशत और भारत के कुल रोजगार में 8.78 प्रतिशत योगदान है। भारत में वार्षिक तौर पर 50 लाख विदेशी पर्यटकों का आगमन और 56 करोड़ घरेलू पर्यटकों द्वारा भ्रमण परिलक्षित होता है।

समझौता होने की वजह अमेरिका से निराशा तो नहीं!

अनिल यादव
वरिष्ठ पत्रकार

17 सितंबर को पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच एक ऐसे समझौते पर हस्ताक्षर किए गए, जिसे न सिर्फ भारतीय विदेश नीति की बड़ी विफलता के रूप में देखा जा रहा है, बल्कि यह निकट भविष्य में कई तरह की चुनौतियां खड़ी कर सकता है। इस्लामी छाप वाले दोनों देशों के बीच हुए म्युचुअल स्ट्रेटजिक डिफेंस एग्रीमेंट के मुताबिक एक देश पर हमला दोनों देशों पर हुआ हमला माना जाएगा और उससे निपटने के संयुक्त प्रयास किए जाएंगे। इसका सीधा सा मतलब है कि अगर भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध होता है, तो सऊदी अरब पाकिस्तान के साथ खड़ा होगा। याद रखने लायक है कि पाकिस्तान पहले ही चीन के साथ सैन्य गठजोड़ कायम कर चुका है, जो हालिया आपरेशन सिंदूर के दौरान दिखाई दिया था।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर इस समझौते की घोषणा की गई, लेकिन इसके पीछे एक अहम घटना है, जिससे अरब जगत को अमेरिका से निराशा हुई और अपनी हिफाजत का डर सताने लगा है। इसी नौ सितंबर को इजराइल ने दोहा की राजधानी कतर के एक ठिकाने पर हमला किया, जहां हमास के पांच पदाधिकारी और कतर का एक सुरक्षा अधिकारी मारे गए।

कतर ने इस हमले को इजराइल का राज्य प्रायोजित आतंकवाद कहा। आश्चर्यजनक यह था कि इस समय कतर के अल-उदेद एयरबेस पर आठ हजार अमेरिकी सैनिक मौजूद हैं, लेकिन वे अपनी जगह से हिले नहीं। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने लापरवाही भरा बयान दिया कि हम क्या कर सकते हैं, यह इजराइल का अपना फैसला था। अमेरिकी रुख से 'अरब' सकते में आ गए हैं, क्योंकि अमेरिका 1945 से तेल के भारी मुनाफा वाले व्यापार पर अधिपत्य के बदले अरब और खाड़ी देशों को सुरक्षा देता रहा है।

बदलते हालात में अमेरिका अब इजराइल को रोकना नहीं चाहता। 1991 के खाड़ी युद्ध में अमेरिका ने यहां पांच लाख सैनिक तैनात किए थे, लेकिन कतर पर इजराइली हमले ने अमेरिका पर अरबों का भरोसा डिगा दिया है। इजराइल परमाणु हथियारों से लैस है। उसके खिलाफ वैसे ही एक वैकल्पिक प्रतिरक्षा तंत्र की जरूरत थी। पाकिस्तान के पास परमाणु बम है और वहां के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अरब देशों के समर्थन में जरूरत पड़ने पर उसके इस्तेमाल का इरादा भी जताया है। सउदी अरब के संबंध फिलिस्तीन के मुद्दे पर अमेरिका से हमेशा से तनावग्रस्त रहे हैं, लेकिन कतर पर हमले के बाद निर्णायक स्थिति बन गई है।

यह समझौता भारत के लिए चिंताजनक है, क्योंकि पाकिस्तान ने अपनी गोलबंदी में ऐसे देशों को भी खींच लिया है, जो भारत के मित्र समझे जाते रहे हैं। 26 अप्रैल को पहलगाम में हुए आंतकी हमले में बेकसूर पर्यटकों की जानें गईं। भारत ने सात मई को आपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसके तहत पाकिस्तान के भीतर आतंकवादियों के ठिकानों पर मिसाइलें दागी गईं। चार दिन बाद इसे न्यू नार्मल बताते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आपरेशन सिंदूर सिर्फ स्थगित किया गया है। मतलब भारत अभी भी युद्ध की स्थिति में है और यदि कोई कार्रवाई करता है, तो इस बार सऊदी अरब पाकिस्तान के साथ खड़ा दिखाई दे सकता है।

कूटनीतिक हलकों में सहज ढंग से यह प्रश्न उठाया जाने लगा है कि क्या अब सऊदी अरब भी पाकिस्तान-चीन गठजोड़ में शामिल हो गया है। आपरेशन सिंदूर के दौरान चीन ने पाकिस्तान का खुला समर्थन किया था और इसे भारतीय सेना ने स्वीकार भी किया था।

भारत को चीन-पाकिस्तान की संयुक्त ताकत का सामना करना पड़ा। तो क्या अब भारत को पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध की स्थिति में पहले से बड़े तीन देशों के सामरिक गठजोड़ का सामना करना पड़ेगा? भारत के सऊदी अरब से आजादी के समय से ही राजनयिक संबंध रहे हैं और यह हमें तीसरा सबसे बड़ा तेल आपूर्ति करने वाला देश है। प्रधानमंत्री अब तक तीन बार सऊदी अरब जा चुके हैं और पिछले ही साल 225 मिलियन डालर का एक रक्षा समझौता भी हुआ है। इस सबके बावजूद सऊदी अरब ने पाकिस्तान के साथ सैन्य गठजोड़ बनाया, जो आश्चर्य की बात है।

यहां ध्यान जाए बिना नहीं रह सकता कि गाजा पर अन्यायपूर्ण युद्ध में इजराइल का साथ देकर अमेरिका न सिर्फ यूरोप में कमजोर हुआ है, बल्कि मध्यपूर्व में भी उसकी पकड़ काफी कमजोर हुई है। इसी का नतीजा है कि अरब देश जो उस पर पूरी तरह निर्भर हो चुके थे, अब अपने लिए स्वतंत्र रूप से सुरक्षा व्यवस्था का इंतजाम कर रहे हैं।

इस रक्षा समझौते में ऐसी क्षमता है कि यह मध्यपूर्व और दक्षिण एशिया में शक्ति संतुलन की स्थिति को आने वाले दिनों में बदल सकता है। भारत के लिए जटिल स्थिति है, क्योंकि आपरेशन सिंदूर के बाद से अंतर्राष्ट्रीय समर्थन का दायरा सिकुड़ता जा रहा है और अमेरिका-चीन के बीच हमारी स्थिति पेंडुलम जैसी हो गई है। उधर, आंतकवाद को समर्थन देने और आंतरिक अशांति से त्रस्त होने के बावजूद पाकिस्तान अपने प्रभाव क्षेत्र का विस्तार कर रहा है। यह अपनी विदेश नीति की गंभीर समीक्षा का समय है।

कतर पर इजराइली हमले के बाद ट्रंप ने लापरवाही भरा बयान दिया कि हम क्या कर सकते हैं, यह इजराइल का अपना फैसला था। अमेरिकी रुख से 'अरब' सकते में आ गए हैं।

आमने सामने

उत्तर भारत में जब आप महिला से मिलते हैं, तो पहला सवाल होता है कि आपके पति कहां काम करते हैं? तमिलनाडु में महिला से पूछा जाता है कि आप कहां काम करती हैं? यह बदलाव रातों-रात नहीं आया है। इसमें 100 साल लग गए।
–**टीआरबी राजा**, मंत्री, तमिलनाडु

एक बार फिर डीएमके ने सीमा लांघी है। यूपी, बिहार और उत्तर भारत का अपमान किया है। कांग्रेस ने कहा, बिहार बीड़ी है। रेवंत रेड्डी ने बिहार के डीएनए को गाली दी। बिहार और यूपी की महिलाओं का ऐसा अपमान! तेजस्वी यादव चुप क्यों हैं?
–**शहजाद पूनावाला**
प्रवक्ता, भारतीय जनता पार्टी

शक्ति का संचार करते मां के शक्ति पीठ

सुरेश बाबू मिश्रा
साहित्यकार

हिंदू धर्म के पुराणों के अनुसार जहां-जहां सती के अंग या शरीर के टुकड़े, धारण किए वस्त्र या आभूषण गिरे, वहां-वहां तीर्थ बन गए। यही तीर्थ शक्तिपीठ कहे जाते हैं। शक्तिपीठ शाक्त मत के अनुसार साधना के अत्यंत महत्वपूर्ण स्थल हैं। ये तीर्थ पूरे भारतीय उपमहाद्वीप में फैले हुए हैं। देवी पुराण में 51 शक्तिपीठों का वर्णन है। यद्यपि देवी भागवत में 108 तथा देवी गीता में 72 शक्तिपीठों की चर्चा मिलती है। तंत्र चूड़ामणि में शक्तिपीठों की संख्या 52 बताई गई है। भारत विभाजन के बाद इनमें से एक शक्ति पीठ पाकिस्तान में चला गया और चार बांग्लादेश में। इनके अतिरिक्त एक शक्तिपीठ श्रीलंका, एक तिब्बत तथा दो नेपाल में हैं। इस प्रकार आज के भारत में केवल 42 शक्तिपीठ हैं।

किरीट शक्तिपीठ : पश्चिम बंगाल में हुगली नदी के तट पर लालबाग कोट पर स्थित है किरीट शक्तिपीठ। यहां सती माता का किरीट अर्थात् मुकुट गिरा था। कात्यायनी पीठ वृंदावन : उत्तर प्रदेश मथुरा जनपद स्थित वृंदावन में स्थित है कात्यायनी वृंदावन शक्तिपीठ। यहां सती का केशपाश गिरा था। करवीर शक्तिपीठ : महाराष्ट्र के कोल्हापुर में स्थित 'महालक्ष्मी' अथवा 'अंबाई का मंदिर' ही यह शक्तिपीठ है। यहां माता का त्रिनेत्र गिरा था। श्रीपर्वत शक्तिपीठः यहां की शक्ति श्रीसुंदरी एवं भैरव सुंदरानंद हैं। कुछ विद्वान इसे लद्दाख (जम्मू-कश्मीर) में मानते हैं, तो कुछ असम के सिलहट से चार किमी दक्षिण-पश्चिम स्थित जौनपुर में मानते हैं। यहां सती के 'दक्षिण तल्प' (निपटी) का निपात हुआ था।

विशालाक्षी शक्तिपीठ : उत्तर प्रदेश, वाराणसी के मीरघाट पर स्थित है। यहां माता सती के दाहिने कान की मणि गिरी थी। गोदावरी तट शक्तिपीठ : यह शक्तिपीठ आंध्र प्रदेश के राजमुंद्री जिले में गोदावरी नदी के तट पर अवस्थित है। यहां माता का बायां कपोल गिरा था। शुचींद्रम शक्तिपीठ : तमिलनाडु में तीन महासागर के संगम-स्थल कन्याकुमारी से 13 किमी दूर शुचींद्रम में स्थायु शिव का मंदिर है। उसी मंदिर परिसर में यह शक्तिपीठ है। यहां माता सती के ऊपरी दांत गिरे थे। पंचसागर शक्तिपीठ : यह शक्तिपीठ वाराणसी के निकट स्थित है। यहां माता के निचले दांत गिरे थे। ज्वालामुखी शक्तिपीठ : हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा में स्थित है यह शक्तिपीठ। यहां सती की जिह्वा गिरी थी।

उज्जयिनी शक्तिपीठः कुछ उज्जैन के निकट शिप्रा नदी के तट पर स्थित भैरव पर्वत को, तो कुछ गुजरात के गिरनार पर्वत के सन्निकट भैरव पर्वत को वास्तविक शक्तिपीठ मानते हैं। इस स्थान पर सती की कोहनी गिरी थी। अट्टहास शक्तिपीठः अट्टहास शक्तिपीठ पश्चिम बंगाल में कटवा-अहमदपुर रेलवे लाइन पर है। यहां सती का निचला होंठ गिरा था। जनस्थान शक्तिपीठः ये महाराष्ट्र के नासिक में पंचवटी में स्थित है। यहां माता की ठुड्डी गिरी थी।

कश्मीर शक्तिपीठः कश्मीर में अमरनाथ गुफा के भीतर हिम शक्तिपीठ है। माना जाता है कि यहां माता सती का कंठ गिरा था। नंदीपुर शक्तिपीठः पश्चिम बंगाल के बोलपुर के पास वटवृक्ष के नीचे एक देवी मंदिर है। यहां देवी का कंठ हार गिरा था। श्रीशैल शक्तिपीठः आंध्र प्रदेश की राजधानी हैदराबाद के कुर्नूल के पास श्रीशैलम है। यहां पर माता सती की 'ग्रीवा' गिरी थी।

नलहाटी शक्तिपीठः पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में है यह शक्तिपीठ। यहां माता की उदरनली गिरी थी। मिथिला शक्तिपीठः यहां माता सती का बायां कंधा गिरा था। रत्नावली शक्तिपीठः रत्नावली शक्तिपीठ का निश्चित स्थान अज्ञात है, किंतु बंगाल पंजिका के अनुसार यह तमिलनाडु के मद्रास (चेन्नई) में कहीं है। यहां सती का दायां कंधा गिरा था। अंबाजी शक्तिपीठः यहां माता सती का उदर गिरा था। गुजरात में जूनागढ़ के गिरनार पर्वत पर स्थित मां अंबाजी का मंदिर ही शक्तिपीठ है। मान्यता है कि इसी स्थान पर माता सती का ऊपरी होंठ गिरा था। जालंधर शक्तिपीठः यह शक्तिपीठ पंजाब के जालंधर में स्थित है। यहां माता सती का बायां स्तन गिरा था।

रामगिरि शक्तिपीठः रामगिरि शक्तिपीठ की स्थिति को लेकर मतांतर हैं। कुछ विद्वान मैहर स्थित शारदा मंदिर को शक्तिपीठ मानते हैं तो कुछ चित्रकूट के शारदा मंदिर को। यहां देवी के दाएं स्तन का निपात हुआ था। वैद्यनाथ का हार्द शक्तिपीठः झारखंड के गिरिडीह जनपद में स्थित वैद्यनाथ का हार्द या हृदय पीठ शिव तथा सती के ऐक्य का प्रतीक है। यहां सती का हृदय गिरा था। बकरेश्वर शक्तिपीठः माता का यह शक्तिपीठ पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में स्थित है, जहां माता का त्रिकूट (दोनों भौंहों के मध्य का स्थान) गिरा था।

कन्याकुमारी शक्तिपीठः तमिलनाडु में तीन सागरों-हिंद महासागर, अरब सागर तथा बंगाल की खाड़ी के संगम स्थल पर कन्याकुमारी का मंदिर है। यहीं भद्रकाली का शक्तिपीठ है। यहां माता सती की पीठ गिरी थी। बहुला शक्तिपीठः पश्चिम बंगाल के बर्दवान जनपद में स्थित है बहुला शक्तिपीठ, जहां सती के वाम बाहु का पतन हुआ था।

इसके अलावा भैरव पर्वत शक्तिपीठ, भैरव पर्वत शक्तिपीठ, मणिवेदिका शक्तिपीठ, प्रयाग शक्तिपीठ, विरजा शक्तिपीठ, कांची शक्तिपीठ, कालमाधव शक्तिपीठ, शोण शक्तिपीठ, कामाख्या शक्तिपीठ, जयंती शक्तिपीठ, मगध शक्तिपीठ, त्रिस्तोता शक्तिपीठ, त्रिपुरसुंदरी शक्तिपीठ, विभाष शक्तिपीठ, देवीकूप शक्तिपीठ, युगाद्या शक्तिपीठ, विराट शक्तिपीठ, कालीघाट काली मंदिर, मानस शक्तिपीठ, लंका शक्तिपीठ, गंडकी शक्तिपीठ, गुह्येश्वरी शक्तिपीठ, हिंगलाज शक्तिपीठ, सुगंधा शक्तिपीठ, करतोया घाट शक्तिपीठ, चट्टल शक्तिपीठ, यशोर शक्तिपीठ भी इनमें शामिल हैं।

जहां-जहां सती के अंग या शरीर के टुकड़े, धारण किए वस्त्र या आभूषण गिरे, वहां-वहां तीर्थ बन गए। यही तीर्थ शक्तिपीठ कहे जाते हैं।

सोशल फोरम

निराला की रायलटी और भिखारी बुढ़िया का किस्सा

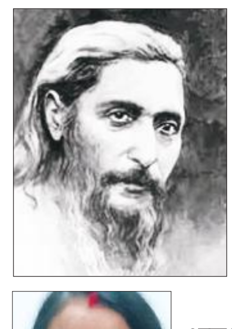

मधु सिंह
ब्लॉगर

एक बार हिंदी के महान साहित्यकार सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' रॉयल्टी के एक हजार रुपये लेकर, इक्के में बैठकर, इलाहाबाद की एक सड़क पर चले जा रहे थे। रास्ते में सड़क के किनारे एक बूढ़ी भिखारिन बैठी हुई थी। ढलती उम्र में भी वह हाथ पसार कर भीख मांग रही थी। उसे देखकर निराला जी ने इक्का रुकवाया और उनके पास गए और पूछा, "माई! आज कितनी भीख मिली?"

बुढ़िया ने जवाब दिया, "सुबह से आज कुछ नहीं मिला बेटा!"

बुढ़िया के इस उत्तर को सुनकर निराला जी सोच में पड़ गए कि बेटे के रहते मां भीख मांग रही है।

एक रुपये बुढ़िया के हाथ पर रख कर बोले, "मां अब कितने दिन भीख नहीं मांगोगी?"

बुढ़िया ने सोचते हुए जवाब दिया, "तीन दिन बेटा!"

निराला ने फिर पूछा, "दस रुपये दे दूं तो?"

बुढ़िया ने हिसाब लगाते हुए कहा, "बीस या पच्चीस दिन।"

निराला फिर बोले, "सौ रुपये दे दूं तो?"

"चार-पांच महीने तक!" बुढ़िया ने जवाब दिया।

चिलचिलाती धूप में सड़क के किनारे मां मांगती गई और बेटा देता गया।

इक्के वाला हक्का-बक्का देखता रहा।

बेटे की जेब हल्की होती गई और मां के भीख न मांगने की अवधि बढ़ती चली गई।

जब निराला जी ने रुपयों की अंतिम ढेरी भी बुढ़िया की झोली में डाल दी तो बुढ़िया खुशी से चीख उठी और कहने लगी, "अब कभी भी नहीं मांगूंगी बेटा, कभी नहीं।"

निराला जी ने संतोष की सांस ली। बुढ़िया के पैर छुए। बुढ़िया ने उन्हें ढेरों आशीष और दुआएं दीं।

निराला जी इक्के में बैठकर घर की राह चल दिए। उनके चेहरे पर एक अजीब संतोष का भाव था।

-फेसबुक वाल से

सामयिकी

नेपालः युवाओं ने अपनी ही संपत्ति तबाह कर दी

नेपाल हाल ही में एक असाधारण राजनीतिक उथल-पुथल का गवाह बना। जेन जी आंदोलन के बाद वहां सत्ता परिवर्तन बड़ी उपलब्धि मानी जा सकती है, लेकिन इस क्रांति से उभरे हालात से दुनिया भर के युवाओं को सीख लेने की भी जरूरत है। देश के कई हिस्सों में आगजनी, तोड़फोड़ और सरकारी संपत्तियों का नुकसान देखने को मिला। ये घटनाएं यह सोचने पर विवश करती हैं कि क्या यह आक्रोश सही दिशा में जा रहा था? आखिर क्यों अपने ही देश की संपत्तियों को नुकसान पहुंचाकर खत्म करने पर तुले हुए थे। आज नेपाल के लोग भी संभवतः इस पर मंथन और पछतावा कर रहे होंगे।

हरीश उप्रेती करन
लेखक

हम अक्सर भूल जाते हैं कि सरकारी संपत्ति, चाहे वह कार्यालय, पुल, बस हो या कोई अन्य इमारत, वह सब हमारे ही टैक्स के पैसों से आकार लेती है। यह हमारी ही मेहनत की कमाई का रूप है। जब गुस्से में हम इन्हें आग के हवाले कर देते हैं, तो हम दरअसल अपने ही भविष्य को राख में बदल रहे होते हैं। एक महत्वपूर्ण बात यह भी है कि इन चीजों को दोबारा बनाने में भी हमारा ही पैसा खर्च होगा। सरकारी खजाना कोई अलग इकाई नहीं है, वह जनता की जेब से ही आता है, इसलिए यदि हम अपने गुस्से का इजहार इस प्रकार करेंगे, तो यह आत्मघाती ही नहीं, मूर्खता भी है।

युवाओं का आक्रोश समझ में आता है। वे परिवर्तन चाहते हैं, वे साफ-सुथरी राजनीति चाहते हैं और वे अपने भविष्य को संवारना चाहते हैं। यह बिल्कुल जायज है, लेकिन जब यह आंदोलन इमारतों को जलाने और वाहनों को तोड़ने की शक्ल ले लेता है, तब इसका असली उद्देश्य खो जाता है। आंदोलन की शक्ति दिशा में होती है, केवल जोश में नहीं। जब युवा जोश में होश खो बैठते हैं, तो नुकसान तय होता है। यही हाल इन प्रदर्शनों का रहा है।

हमारे समाज में हर बड़े आयोजन चाहे वह शादी हो, तीर्थ यात्रा हो या कोई सामाजिक सभा, वरिष्ठ जनों की उपस्थिति को अनिवार्य माना जाता है। उत्तराखंड से लेकर नेपाल तक की सांस्कृतिक परंपराओं में यह बात रची-बसी है। कारण स्पष्ट है कि युवाओं में जोश होता है, पर अनुभव नहीं। वहीं, बुजुर्गों में वह दृष्टि होती है जो किसी भी उथल-पुथल को समझदारी से संभाल सकती है। इस आंदोलन में भी यही कमी दिखाई दी। युवाओं का समूह, दिशा विहीन, बिना किसी रणनीति के, केवल आक्रोश के सहारे मैदान में उतर गया। यदि इनके साथ कुछ अनुभवी और विचारशील नेतृत्व होता, तो शायद यह आंदोलन इतिहास में केवल और केवल एक सकारात्मक परिवर्तन का प्रतीक बन जाता, न कि विनाश और क्षति का। उनका आक्रोश अगर कथित तौर पर भ्रष्टाचारियों के प्रति था, तो गुस्सा भी उन पर और उनकी अकूत संपत्तियों पर निकलना चाहिए था न कि सरकारी संपत्ति पर।

अब वक्त संभलने का है, युवा अपने आक्रोश को संकल्प में बदलें। नेपाल की जनता ने अपनी ताकत दिखाई है। सरकार गिर गई, मंत्री भाग गए। यह दर्शाता है कि जनता की आवाज में दम है, लेकिन अब समय है कि इस आक्रोश को संकल्प में बदला जाए। सरकारी संपत्तियों को नष्ट करना, अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मारने जैसा है। अब जरूरत है स्थिरता की, विवेक की और निर्माण की। युवा अगर सचमुच बदलाव चाहते हैं, तो उन्हें नेताओं को जवाबदेह बनाने, नीतियों पर सवाल उठाने, और लोकतांत्रिक तरीकों से दबाव बनाने की दिशा में कदम उठाने चाहिए, तभी उनका आंदोलन सफल और सार्थक कहा जाएगा।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

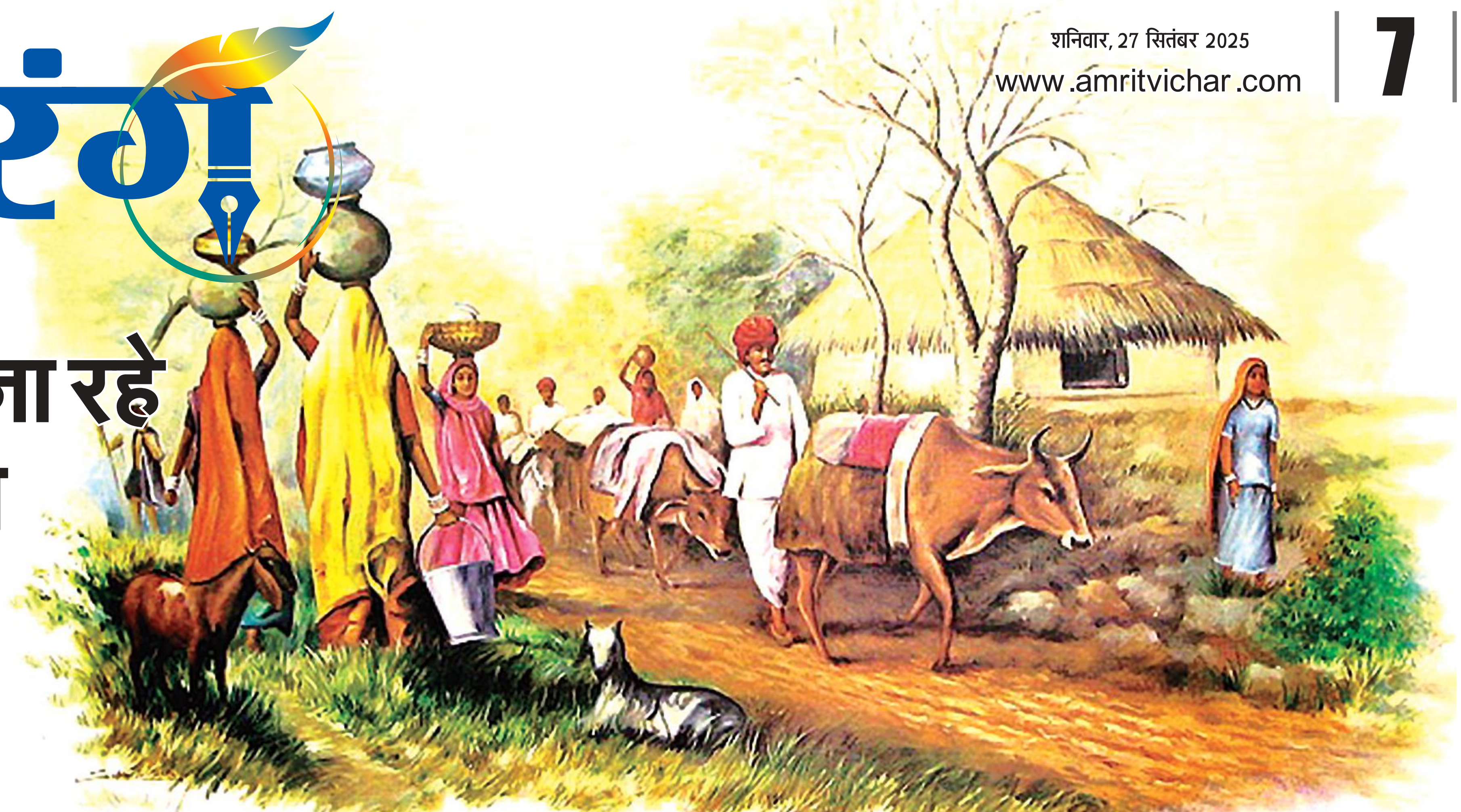

गांव अब खोते जा रहे हैं अपनी पहचान

प्राचीन काल से लेकर अंग्रेजों के आगमन तक अपनी सादगी, साफगोई, भोलापन और अपनी भलमनसाहत के लिए साहित्यिक कृतियों में बहुचर्चित और सुविख्यात हमारे गांव हमारे देश की हर शासन व्यवस्था की मौलिक, प्राथमिक तथा आर्थिक दृष्टि से आत्मनिर्भर इकाई रहे हैं। इसका अपवाद पश्चिमोत्तर भारत में सिंधु और रावी नदी के तट पर सुविकसित अबसे साढ़े चार हजार साल पुरानी कांस्ययुगीन सिंधु घाटी सभ्यता रही हैं, जो पूर्णतः नगरीय सभ्यता थी। हालांकि इसकी उत्तरवर्ती वैदिक सभ्यता पूरी तरह से ग्रामीण सभ्यता थी। ध्यातव्य हो कि पूर्णतः ग्रामीण सभ्यता और संस्कृति के रूप विख्यात वैदिक काल में ही भारतीय ज्ञान-विज्ञान और आध्यात्म के महान ग्रंथों वेदों, अरण्यको और भारतीय आध्यात्मिकता, तार्किकता, दार्शनिकता और बौद्धिकता की पराकाष्ठा को स्पर्श करने वाले उपनिषदों की रचना की गई। यह तथ्य उन शहरी और कस्बाई मानसिकता से ग्रसित और बुरी तरह कुंठित लोगों के लिए चिंतनीय और विचारणीय है, जो गांवों में गुजर बसर करने वालों को अनपढ़, असभ्य, गंवार, अशिक्षित और जाहिल समझते हैं। वैदिक काल से लेकर मुगलों के शासनकाल तक लगभग संपूर्ण उत्तर भारतीय शासकों के समय लगभग समस्त भारतीय गांव शासन व्यवस्था की प्राथमिक मौलिक और अक्क्षुण ईकाई रहे हैं।

उत्तर भारत की तरह सुदूर दक्षिण भारत में चोल, चालुक्य, सातवाहन और चेर राजाओं ने अपनी शासन व्यवस्था में आम लोगों को बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करने एवं ग्रामीण जन-जीवन में उन्नति और समृद्धि लाने के लिए उत्तम ग्रामीण शासन व्यवस्था का प्रबंधन किया था। वर्तमान दौर के मंत्रिपरिषदों की तर्ज पर ग्रामीण स्तर पर विभिन्न कार्यों को सुव्यवस्थित और सुचारू रूप से संपन्न और संचालित करने के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया था। समितियों के माध्यम से दक्षिण भारतीय शासकों ने सर्वश्रेष्ठ ग्रामीण शासन व्यवस्था सुनिश्चित करने का प्रयास किया था। इतिहासकार मेगस्थनीज की प्रसिद्ध पुस्तक इंडिका में उत्तर भारत के विशेष रूप से मगध साम्राज्य के गांवों में पाई जाने वाली उत्तम ग्रामीण शासन व्यवस्था के साथ-साथ उत्तम उन्नत और समृद्ध ग्रामींण जन-जीवन का उल्लेख मिलता है। इंडिका में मगध साम्राज्य की उन्नति और समृद्धि के साथ-साथ उत्कृष्ट साहित्यिक और सांस्कृतिक हलचलों का भी पता चलता है। इस प्रकार ऐतिहासिक अवलोकन से पता चलता है कि संपूर्ण भारत में हर प्रकार की शासन प्रणालियों में उत्तम ग्रामीण शासन व्यवस्था पाई जाती रही है। हमारी शासन व्यवस्था की मौलिक स्वाभाविक और प्राथमिक ईकाई रहे गांव पहचान खोते जा रहे हैं। आपसी सहयोग, सहकार, समन्वय, साहचर्य, सामंजस्य और सदियों से हमारे चलन का हिस्सा रही है। संयुक्त परिवार प्रणाली के माध्यम जीवन जीने के आदती ग्रामीण लोकजीवन में अब एकाकी परिवार प्रणाली और एकाकी जीवनशैली तेजी से आगे बढ़ने लगी है। गावों में सदियों से प्रचलित समूहगत और सामूहिक जीवन पद्धति विलुप्त होती जा रही है। आधुनिकीकरण, तकनीकीकरण, शहरीकरण और सूचना प्रौद्योगिकी के साधनों के दुरूपयोग ने गांवों की आपसदारी को न केवल तहस-नहस किया हैं, बल्कि आधुनिकता की इस अंधी दौड़-भाग ने गांवों को आर्थिक सामाजिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक रूप से प्रदूषित व कुपोषित किया है। तोता, मैना, कोयल, बुलबुल गौरेय्या और कौवे की बोलियां सुनने के लिए आज हमारे कान तरस जाते हैं। इसके साथ ही साथ गांवों के पर्यावरण और आबो-हवा में स्पष्ट बदलाव देखने को मिल सकता हैं। सूचना प्रौद्योगिकी के साधनों का बुलेट ट्रेन की रफ्तार से बढ़ता प्रयोग और हाईटेक होते जन-जीवन ने गांवों में मोबाइल कंपनियों के टावरों की संख्या बढ़ा दी है। इन टावरों की तरंगों ने तमाम चहचहाती पक्षियों की जान ले ली। अंग्रेजों के आगमन के पूर्व भारतीय गांव अपनी सहज-सरल आवश्यकताओं के लिए पूरी तरह आत्मनिर्भर थे। अंग्रेजों ने अपनी साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षाओं और संपूर्ण भारत को बाजार बनाने की मंशा से गांवों की सदियों पुरानी आत्मनिर्भरता के साथ-साथ गांवों की स्वाभाविक सहजता भोलापन, भलमनसाहत और मौलिकता को तहस-नहस कर दिया। अग्रेंजों ने भारतीय ग्रामीण अर्थतंत्र और अर्थव्यवस्था के आधार स्तंभ रहे भारतीय लोगों की बहुविविध हुनरमंद दस्तकारी, परंपरागत कुशल शिल्पकारी, हुनर और हाथों की जादूगरी से लबरेज हस्तकला को छिन्न-भिन्न कर दिया। स्वाधीनता उपरांत भारतीय गांवों को फिर से आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकारी और गैर-सरकारी स्तर पर अनगिनत प्रयास किए गए, परंतु तमाम प्रयासों और प्रयत्नों के बावजूद आज भी हमारे गांव राजधानियों और चमचमाते शहरों की अनुषंगी पूरक और पराश्रित अर्थव्यवस्था के रूप में जीने के लिए अभिशप्त हैं। शहरों और राजधानियों को चमकाने के लिए सारा संसाधन उपलब्ध कराने वाले गांव आज बदहाली और बदत्तरी के शिकार हैं। गावों में गुजर-बसर करने वाले लोगों की आजीविका का साधन आज भी खेती-किसानी और खेती-किसानी पर आधारित लघु कुटीर उद्योग हैं। इसलिए खेती-किसानी को लाभकारी स्थिति में पहुंचाने के लिए व्यावसायिक स्वरूप प्रदान किया जाए तो आज फिर से गांव आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो सकते हैं।

गांवों को फिर से सुसज्जित करने के लिए गांवों की प्राकृतिक और स्वाभाविक बुनावट व सजावट की तरफ लौटना होगा। गावों में फिर से साक्षात सहकारी और जिंदा संवाद कायम कर गांवों की मौलिक पहचान फिर से वापस लाई जा सकती है। बाजारवादी चकाचौंध और लगातार विज्ञापनों के शोर ने गंवई व्यंजनों की सुगंध और स्वाद को न केवल क्रूरता से कुचल दिया है, बल्कि हमारे खान-पान की पौष्टिक और प्रचलित परंपरा से हमको बहुत दूर कर दिया हैं। गुड़ भेली से तरह-तरह की बनी मिठाइयों खाद्य और पेय पदार्थों का स्थान पेप्सी, कोका-कोला जैसी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के पेय और खाद्य पदार्थों ने ले लिया है। भारतीय गांवों की मौलिक पहचान पर फिर से विचार करने की आवश्यकता है। जनमानस में गंगा को बचाने के लिए जो तड़प और बेचैनी पाई जाती है उसी तरह की तड़प और बेचैनी गांवों को बचाने के लिए जनमानस के ह्रदय में पैदा करने की आवश्यकता है।

लेखक
मनोज कुमार सिंह

स्वर्ग के करीब की एक जगह : त्रियुंड

दूर किसी मैदानी शहर से किसी पहाड़ी शहर तक आना, आरामदायक होटल में रुकना, कुछ खास जगहों को देखना और फिर वापस लौट जाना। हम में से अधिकतर लोगों का घूमने का प्लान यही होता है, लेकिन कुछ हम जैसे भी होते हैं, जिनके लिए घूमने का मतलब है हर पल को जीना, उस जगह के जर्रे-जर्रे को महसूस करना और एडवेंचर ही जिंदगी है। आप भी एडवेंचर के शौकीन हैं और प्रकृति को करीब से महसूस करना चाहते हैं तो बस बैग पैक करिए और निकल पड़िए त्रियुंड ट्रैकिंग के लिए।

मार्च से जून और सितंबर से नवंबर तक त्रियुंड यात्रा के लिए सबसे उपयुक्त समय है। मैं अपने मित्र के साथ जब हिमाचल के खूबसूरत शहर मैक्लोडगंज पहुंचा तो चारों तरफ मनमोहक नजारे थे। आप इस यात्रा में मैक्लोडगंज को बेस कैंप की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं। हमने शाम को वहीं एक ट्रैवल एजेंट से त्रियुंड में रहने के लिए टेंट बुक कर लिया। टेंट का किराया एक हजार रुपये प्रति व्यक्ति था, जिसमें रात का खाना और सुबह का नाश्ता भी शामिल था। मैक्लोडगंज से करीब चार किलोमीटर ऊपर है गोलू मंदिर यानी वो जगह, जहां से कोई वाहन आगे नहीं जा सकता। त्रियुंड की असली यात्रा यहीं से शुरू होती है। यहीं पुलिस का एक पिकेट है, जहां ऊपर चढ़ने से पहले आपको रजिस्ट्रेशन करवाना होता है। यह औपचारिकता पूरी करके हमने त्रियुंड की तरफ कदम बढ़ाए।

घड़ी बता रही थी कि दोपहर के ग्यारह बजने वाले हैं। सामने था पथरीला और जोखिम भरा रास्ता न कोई सड़क, बस दोनों तरफ पेड़ों से ढकी पगडंडी। शुरुआत में भरपूर जोश था इसलिए कदम तेजी से चल रहे थे, लेकिन कुछ ही मिनटों में हकीकत समझ आ गई। तेज धूप, बिना अभ्यास की चढ़ाई और तेज रफ्तार का असर। नतीजा, हमें पांच मिनट में ही पहला स्टॉप लेना पड़ा। फिर तय किया कि अब धीरे-धीरे चलेंगे। करीब एक घंटे बाद लगा जैसे पहाड़ ने हमसे दोस्ती कर ली हो। तेज धूप ठंडी हवा में बदल गई। नीचे मठों से आती घंटियों की आवाज एक प्यारी धुन-सी बन गई। हमारा बदन अब हमारे इरादों का साथ देने लगा। धीरे-धीरे प्रकृति का घूंघट उठने लगा और हम महसूस करने लगे एक नई और अनदेखी दुनिया को।

कहीं रास्ते का नामोनिशान नहीं था तो कहीं चट्टानों के बीच से राह खोजनी पड़ी। कहीं जंगली फूलों की खुशबू हमें अपनी ओर बुला रही थी तो कहीं डरावनी खाई थी। हरे-भरे मैदान मिले तो कुछ सहमी-सफेद भेड़ें हमारा स्वागत करती दिखीं। कभी सहयात्रियों का कोई झुंड दोस्त बन रहा था। इस बीच हम पहुंच गए "मैजिक व्यू कैफे" त्रियुंड ट्रैक का एक अहम पड़ाव।

थोड़ा आगे बढ़ते ही मौसम खुशगवार हो गया, लेकिन कुछ कदमों बाद बारिश ने हमें तरबतर कर दिया। ठंड काफी बढ़ गई थी। अब मुझे अपनी ऊनी टी-शर्ट का महत्व समझ आने लगा। कुछ दूरी पर आसमान से ओले गिरने लगे। हाथ-पांव ठंड से कांप रहे थे। तभी एक छोटी-सी दुकान दिखी और हम वहां जाकर छिप गए। त्रियुंड का अंतिम एक किलोमीटर ट्रैकिंग सबसे थकाने वाला है। इसमें करीब 22 खतरनाक मोड़ हैं। यहां तक पहुंचते-पहुंचते ऑक्सीजन भी कम होने लगती है, जिससे सांसें तेजी से फूलने लगती हैं। मैंने अपनी बोतल में बचे पानी का आखिरी घूंट पिया और साथी का हाथ पकड़कर सामने की चट्टान पार की। हमारे सामने हरा-भरा मैदान था, जो जैसे हमारा स्वागत कर रहा हो। यही तो हमारी मंजिल थी, हम त्रियुंड पहुंच चुके थे।

इस पड़ाव को पार करने के बाद जो दृश्य सामने था, वो बेमिसाल था। हमारे सामने फैला था बड़ा मैदान, जिस पर मानो हरी घास की कालीन बिछी हो। यहां-वहां रंग-बिरंगे टेंट चमक रहे थे। सामने खड़ा था धवल सफेद बर्फ से ढका हिमालय (धौलाधार पर्वत श्रृंखला)। हमारी सारी थकान न जाने कहां गुम हो गई थी। मैं अपनी जिंदगी की सबसे खूबसूरत जगहों में से एक का दीदार कर रहा था। जल्द ही हमने अपने लिए एक टेंट लगवा लिया। मैदान के अंतिम छोर पर, ताकि हिमालय का दृश्य बिना किसी रुकावट के सामने हो। टेंट छोटा था, लेकिन काम चल सकता था। कभी चारागाह रहा त्रियुंड अब बेहद रौनक से भरा था। सूरज ढलने ही वाला था और मौसम में काफी ठंडक थी। कई एकड़ में फैले मैदान में हर तरफ बस और बस प्रकृति थी।

मैदान के अंतिम सिरे पर पड़ी एक शिला पर बैठकर मैं विराट हिमालय को निहार रहा था। ठंडी घास पर रखे मेरे पैर जैसे हिमालय को छूने को मचल रहे थे। धीरे-धीरे हिमालय सूरज को अपनी गोद में ले रहा था और कुछ देर के लिए सफेद हिमालय के रंग बदलते रहे। सचमुच यह अद्भुत नज़ारा था। इतना कि मुझे तस्वीर लेना भी याद नहीं रहा। यह वो खूबसूरती थी, जिसके बारे में शायद ही आपने कभी कल्पना की हो। हल्की-हल्की ठंडी हवा बालों और चेहरे को जैसे किसी अपने की तरह सहला रही थी। मुझे लग रहा था कुछ जगहें देखने से ज्यादा महसूस करने के लिए होती हैं, जैसे त्रियुंड।

शाम के सात बज चुके थे। त्रियुंड में घिरते अंधेरे ने रात होने की दस्तक दी। दुनियादारी से परे एक खामोश और सुनहरी-सी रात थी। यहां की कुछ दुकानों में लालटेनें जल रही थीं या कहीं-कहीं टेंट में हल्की-सी टॉर्च की रोशनी थी बस। अंधेरा गहरा चुका था। जल्द ही अलग-अलग देशों और कोनों से आए लोग दोस्त बन गए। हमने साथ में ही डिनर किया। भूख इतनी ज्यादा थी कि उस वक्त मिला दाल-चावल-राजमा बेहद स्वादिष्ट लगा। थोड़ी देर बाद हम अपने कैंप की तरफ लौट आए।

मैं सुबह साढ़े चार बजे ही टेंट से बाहर निकल आया। एक मासूम सी सुबह हमारा स्वागत कर रही थी। सूरज धीरे-धीरे ऊपर आ रहा था। चारों तरफ खामोशी थी। बर्फीले बादल पास से गुजर रहे थे। ठंड और बढ़ गई थी। शायद मैं उस मैदान में पहला इंसान था जो उस समय टेंट से बाहर खड़ा था। मैं उस पल के हर लम्हे को अपने अंदर समेट लेना चाहता था। दिल कह रहा था- काश, वक्त थोड़ा और रुक जाए, लेकिन 'काश' हमेशा एक खतरनाक शब्द होता है। वापस लौटते समय मेरे पास थे, उस खूबसूरत जगह पर बिताए गए शानदार पल।

लेखक
मृदुल कपिल

किस्सा रहस्य

मनीष को अपनी दुकान में समय से पहुंचना होता था। आज सुबह से बारिश होने के कारण उसे दुकान के लिए निकलने में देर हो गई। वह सोच रहा था कि दुकान अभी तक बंद होगी। रामप्रसाद तो अभी पहुंचा ही नहीं होगा। अतः उसने मोबाइल से रामप्रसाद से संपर्क किया तो पता चला कि वह दुकान में मौजूद है। यह सुनकर उसे घोर ताज्जुब हुआ कि इतनी बरसात में वह समय पर कैसे पहुंच गया? वह काम पर सदा देर से आता था, जिसके लिए वह कई बार झिड़कियां सुन चुका था और मनीष उसे हटाने का भी निर्णय ले चुका था। वह दुकान में पहुंचा तो उसने देखा कि दुकान की अच्छी तरह सफाई हो चुकी थी। दुकान में कोई ग्राहक नहीं था और रामप्रसाद स्टूल पर बैठा ऊंघ रहा था। अपनी कुर्सी पर बैठते हुए मनीष ने उससे पूछा, "रामप्रसाद! मुझे यह बताओ कि पहले तो तुम हमेशा लेट से आते थे, लेकिन आजकल इतनी जल्दी कैसे आ रहे हो? बरसात में प्रायः लोगों को अपने कार्यस्थल पर पहुंचने में देर हो जाती है। तुम्हारे सवेरे पहुंचने का क्या कारण है?" यह सुनकर रामप्रसाद ने कहा , "मालिक! क्या बताऊं? जब बारिश होती है तो मेरी छत टपकने लगती है और मैं रात-भर बैठकर सवेरा करता हूं। कमरे में चारों ओर सीलन भरी हुई है। इसीलिए सवेरे उठकर चल देता हूं। यहां रहता हूं ,तो कम-से-कम भींगता तो नहीं हूं।"

अंजना वर्मा

कैनवास की मोनालिसा

यूं तो गाहे-बगाहे अपने अगल-बगल मैंने रेल से कई यात्राएं की है, लेकिन उन यात्राओं की दूरी ज्यादा से ज्यादा बीस से तीस किलोमीटर तक ही रही है। कभी कोई लंबी रेलयात्रा नहीं की। इसलिए इन छोटी रेल यात्राओं को मैं अपनी मुकम्मल रेलयात्रा नहीं कह सकता। हां! सन 2018 की गंभीर बीमारी की परिस्थितियों ने मुझे पहली बार एक मुकम्मल और पूर्ण रेलयात्रा कराई। इस रेलयात्रा को ही मैं अपनी सार्वकालिक व पूर्ण रेलयात्रा मानता हूं। मुंबई से लौटते समय ज्योहीं रेल ने पटरियों पे चलना और दौड़ना शुरू किया तो मुझे ऐसा लगा कि जैसे मुझे दुनिया जहान की सारी खुशियां मिल गईं हों। ऐसा नहीं की मुंबई जैसे महानगर और अर्थ की राजधानी में हमारे वृहद उत्तर प्रदेश जैसे राज्य का जौनपुर जैसा जिला अनुपस्थित हो। यह सच है कि मेरे बीमार होने की दशा में इलाज के मामले में मुंबई जौनपुर से कहीं ज्यादा बेहतर और सर्वोत्कृष्ट रहा, लेकिन हम संवेदनशील कलम वाले न जाने क्यों जीवन की मशीनी आपाधापी और इतने बड़े-बड़े कंक्रीट के जंगल से अपनी संवेदना बैठा नहीं पाते। वैसे भी मुंबई प्रवास के समय लगा कि इस महानगर में हमारे जनपद जौनपुर के हर घर से कोई न कोई अपने घर की रोटियां अपने प्रयास से चला पा रहे हैं। इतना ही नहीं, यहां पर हमारे जौनपुर के चंद लोग तो आर्थिक, राजनैतिक व सामाजिक कड़ी के वे मील के पत्थर है, जिसे मुंबई नकार नहीं सकती।

मेरी दवा व इलाज करवाने के बाद की वापसी केवल एक मरीज की वापसी नहीं थी, बल्कि मेरे अंदर के एक साहित्यकार की भी वापसी थी। जिसे मैंने अपने रेल के डिब्बे में बखूबी महसूस किया, जो रेल का डिब्बा जाते वक्त नीरस व बेजान सा लगा था, वही रेल का डिब्बा घर वापसी के समय महज एक रेल का डिब्बा भर नहीं अपितु वह रेल का डिब्बा हमारे यहां का पूरा गांव सा लग रहा था। रेल के डिब्बे का गांव अपने में सब कुछ समेटे था। इसमें गांव की सरलता के साथ ही वह सोंधापन पन था, जिसके चलते हमारे जौनपुर का हर गांव जाना जाता है। इस रेल के डिब्बे से बातकर कुछ लोगों का खिलखिलाना जीवन की आयुर्वेदिक ऊर्जा का आभास करा रहा था। बीच में ग्रामीण तंज के अंदाज में कुछ राजनैतिक चर्चा-परिचर्चा इस यात्रा को और यादगार बना रहे थे। मैं खुद इस रेलयात्रा को किसी लेखक के यात्रा-वृत्तांत को जी रहा था।

हां इस रेलयात्रा में मेरे अंदर के लेखक को एक बात कचोट जरूर रही थी कि इस रेलयात्रा के कचोटपन की पात्र उस डिब्बे की खुली खिड़की के पास बैठी बिल्कुल शांत सी अपने अपने में खोई हुई सी लड़की, जिसके अंदर इस यात्रा का कहीं दूर-दूर तक कोई उल्लास नहीं दिख रहा था। वह जैसे अपनी किसी असहाय पीड़ा के आकंठ में डुबी बस बाहर देख रही थी। मुझे लगा कि शायद इसने रेलयात्रा नहीं कि, बल्कि इस पूरी रेलयात्रा में वह केवल अपने प्रश्नों का आत्ममंथन कर रही थी या उनके उत्तर को तलाश रही थी। मेरे इस प्रथम पूर्ण रेलयात्रा में वह नीली सलवार पहनी हुई लड़की चुभ रही थी और मुझे लगा कि यह अपने प्रेम के विश्वास की कस्तुरी किसी धोखेबाज को दे बैठी है। सच मैं कवि तो था, लेखक भी था, लेकिन किसी कैनवास का चित्रकार न था, लेकिन फिर भी ये लड़की मेरे रेलयात्रा के कैनवास की एक मोनालिसा बनके रह गई है।

लेखक
रंगनाथ द्विवेदी

बतकही

लेखक
शिवालिक अवस्थी

आज यदि कोई सबसे ज्यादा खुश है तो वह है कुमार साहब का बेटा रोहन। आखिर रोहन के चचेरे भाई की शादी जो है। रोहन को पहले दिन से ही उसके चाचा राजेश ने शादी का सारा तय कार्यक्रम कह सुनाया था ताकि रोहन को किसी भी कार्य में परेशानी न हो। रोहन भी पूरी जिम्मेदारी के साथ हर कार्य को पूरी तरह निभाने में मशगूल था। शाम को बारात जाने का समय हो गया। रोहन जल्दी तैयार हुआ और अपने ताया के लड़के योगेश के साथ अलग गाड़ी पर बारात के साथ चल पड़ा। बीच रास्ते में योगेश ने गाड़ी को कहीं ओर घुमा दिया और थोड़ी देर गाड़ी रोकने के बाद वह दुकान से शराब की बोतल ले आया। रोहन ने शराब पीने से इनकार किया और बोला कि चाचा जी ने मुझे बहुत काम सौंपे हैं मुझे उन्हें पूरा करना है, यह काम नहीं करना है, लेकिन योगेश ने रोहन को भी शराब पिलाई और खुद भी शराब का खूब सेवन किया। उन दोनों ने इतनी शराब पी कि कुछ भी होश न रहा। वे दोनों शादी की रस्में तक नहीं देख सके। उधर रोहन के पिता समझ चुके थे कि असली माजरा क्या है? लेकिन शादी के बीच में उन्होंने माहौल को संभाले रखा। रोहन को सुझाए गए सारे काम, उन्होंने ही किए। अगले दिन रोहन घर आ पहुंचा। उसके बाल बिखरे थे और कपड़े भी गंदे हो चुके थे। यह देखकर रोहन के पिता ने सबके सामने उसकी पिटाई की। रोहन, जो पहले पूरी जिम्मेदारी के साथ हर कार्य करने में मशगूल था, एक शराब ने उसका खूब मजाक बनाया। रोहन की तरह ऐसे कई लोग हैं, जो किसी भी समारोह का आनंद तो उठाना चाहते हैं, लेकिन शराब पीने की लत उन्हें सब कुछ भुला देती है। उन्हें यह ज्ञात नहीं रहता कि समारोह की स्मृतियां कितनी महत्वपूर्ण होती हैं, जो असल आनंद देती हैं।

भारत-रूस के कारोबारी रिश्तों को उड़ान, यूपी अहम किरदार

ग्रेटर नोएडा में चल रहे यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के दूसरे दिन हुआ भारत-रूस बिजनेस डायलॉग

- 30 अरब डॉलर के व्यापार लक्ष्य में उत्तर प्रदेश निभाएगा अहम भूमिका : राकेश सचान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/ग्रेटर नोएडा

अमृत विचार। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025 के दूसरे दिन शुक्रवार को आयोजित भारत-रूस बिजनेस डायलॉग में प्रदेश के एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने कहा कि दोनों देशों के कारोबारी रिश्ते नई ऊंचाई पर पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि भारत ने वर्ष 2025 तक रूस के साथ व्यापार को 30 अरब अमेरिकी डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य तय किया है, और इसमें उत्तर प्रदेश अहम भूमिका निभाएगा।

मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश लगातार विकास के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। सचान ने कहा कि यूपी में 90 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयां हैं, जो 15 प्रतिशत आबादी को रोजगार देती हैं।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में रूस के साथ बिजनेस डॉयलॉग बैठक में विदेशी निवेशकों का स्वागत करते मंत्री राकेश सचान।

'वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट' योजना ने प्रदेश को वैश्विक पहचान दिलाई है।

सचान ने कहा कि भारत-रूस संबंध दशकों पुराने हैं। कभी भारत के औद्योगिकीकरण में मदद करने वाले रूस के साथ आज हमारी साझेदारी रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष सहित अनेक क्षेत्रों में रणनीतिक स्तर तक पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा कि भारत ने 2025 तक रूस के साथ द्विपक्षीय व्यापार को 30 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य तय किया है और यह लक्ष्य अवश्य हासिल होगा।

निवेशकों के लिए सुनहरा अवसर : सचान ने कहा कि 25 करोड़ से अधिक आबादी वाला उत्तर प्रदेश विशाल बाजार है। यहां निवेशकों को उत्पादन और उपभोग दोनों स्तर पर मजबूत अवसर उपलब्ध हैं। उन्होंने रूस से आग्रह किया कि वह अपनी उन्नत तकनीक से प्रदेश की औद्योगिक प्रगति में सहयोग करे। इसके पहले कार्यक्रम की शुरूआत अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार ने किया। इस मौके पर इनवेस्ट यूपी पर आधारित एक लघु फिल्म प्रदर्शित की गई। संचालन रूस की उपप्रमुख (आर्थिक विभाग) ज्लाटा अंटुशेवा ने किया और स्वागत भाषण उप व्यापार आयुक्त डॉ. इवगेनी जेंचेंको ने दिया।

कारोबारी रिश्तों को नया आयाम : रूस

रूस की प्रतिनिधि ज्लाटा अंटुशेवा ने कहा कि भविष्य में दोनों देशों के कारोबारी रिश्ते और प्रगाढ़ होंगे। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन के महानिदेशक डॉ. अजय सहाय ने कहा कि व्यापार के साथ-साथ शिपिंग रूट और बीमा जैसे क्षेत्रों में भी दोनों देशों के सहयोग की संभावनाएं हैं। कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारी विवेक अग्रवाल ने कहा कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो भारत-रूस रिश्तों के लिहाज से एक महत्वपूर्ण आयोजन है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अब 'उत्तम प्रदेश' बन चुका है और यहां निवेश की अपार संभावनाएं हैं। पैरामाउंट कम्युनिकेशन के प्रबंध निदेशक संदीप अग्रवाल ने कहा कि भारत और रूस एक-दूसरे के भरोसेमंद साथी हैं। ऊर्जा, रक्षा, दूरसंचार और औषधि क्षेत्र में दोनों देशों की साझेदारी और आगे बढ़ेगी। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स के विशाल ढींगरा ने एमएसएमई क्षेत्र में सहयोग की उम्मीद जताई।

युवाओं में दिखा जोश, उद्यमिता से जुड़े विचारों को जाना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/ग्रेटर नोएडा

- योगी सरकार की पहल युवाओं के आत्मविश्वास को नई दिशा दे रही

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनी (यूपीआईटीएस-2025) का दूसरा दिन युवाओं की उमंग और नए अवसरों की तलाश का गवाह बना। मुख्यमंत्री युवा संवाद के तहत हजारों छात्र-छात्राओं ने प्रदर्शनी में पहुंचकर न केवल नवीन उद्योगों और उद्यमिता से जुड़े विचारों को जाना, बल्कि बड़ी संख्या में व्यापारिक पूछताछ भी दर्ज कराई।

मुख्यमंत्री युवा संवाद का दूसरा दिन इस बात का प्रतीक बना कि प्रदेश का युवा अब अवसरों को पहचानकर उन्हें साधने के लिए तैयार है। उत्साह, जिज्ञासा और नवाचार से भरी यह भीड़ आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश की दिशा में एक ठोस कदम है। आयोजन ने साबित कर दिया है कि योगी सरकार की पहल युवाओं के आत्मविश्वास को नई दिशा दे रही है। लखनऊ, बरेली, कानपुर, फिरोजाबाद, गाजियाबाद, मेरठ, आगरा, गौतमबुद्ध नगर, मैनपुरी और मथुरा से आए करीब 700 और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से 1500 युवा प्रदर्शनी में आए। सभी स्टॉलों पर मिलाकर युवाओं ने दो हजार से अधिक व्यापारिक पूछताछ की। खासकर ओसियान इंटरप्राइजेज के उपहार सामग्री वाले स्टॉल पर 125 से अधिक छात्रों ने गहरी रुचि दिखाई। वहीं क्यूटीएम, ग्रिप इंटरनेशनल, प्रॉस्पर समूह और कोशिश सस्टेनेबल समाधान जैसे मशीनरी आपूर्तिकर्ता स्टॉलों पर भी जबरदस्त भीड़ रही।

व्यापार बढ़ाने के साथ जल संरक्षण का भी संदेश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनी (यूपीआईटीएस-2025) केवल कारोबार और संस्कृति का मंच ही नहीं, बल्कि जल संरक्षण का संदेश देने का भी माध्यम बन रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर हॉल नंबर-7 में स्थापित जल जीवन मिशन की 'स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी' दर्शकों को जल बचाने का महत्व समझा रही है। प्रदर्शनी में आने वाले स्कूली बच्चों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई जा रही है, वहीं बुंदेलखंड की पुरानी और नई तस्वीर पेश कर यह दिखाया जा रहा है कि कैसे जल जीवन मिशन ने गांव-गांव में परिवर्तन की नींव रखी है। करीब 496 वर्ग मीटर क्षेत्र में लगाई गई इस प्रदर्शनी में नए और पुराने बुंदेलखंड का मॉडल तैयार किया गया है।

फोन पर सुनी थी, यहां देखी बदलाव की कहानी

प्रदर्शनी में पहुंची रीना, जो मूल रूप से महोबा की रहने वाली हैं, ने कहा कि मैंने फोन पर गांव में हुए बदलाव की बातें सुनती थी। लेकिन यहां आकर उसे प्रत्यक्ष देखकर गर्व हो रहा है। दिल्ली निवासी शालू ने कहा कि मैंने बुंदेलखंड में पानी की कमी की कहानियां सुनी थीं, ट्रेन से पानी ले जाने का भी किस्सा पता था। लेकिन यहां पुराने और नए बुंदेलखंड का मॉडल देखकर यह साफ हो गया कि जल जीवन मिशन ने कैसे गांवों में नई उम्मीद जगाई है।

बुंदेलखंडी गीतों ने बांधा समां

शुक्रवार को प्रदर्शनी में बुंदेलखंडी कलाकारों ने लोकगीत और नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। बड़ी संख्या में दर्शकों ने इन प्रस्तुतियों का आनंद लिया और तालियों से कलाकारों का उत्साह बढ़ाया।

सेल्फी प्वाइंट व गेमिंग जोन का आकर्षण

प्रदर्शनी में बनाए गए सेल्फी प्वाइंट और गेमिंग जोन युवाओं के आकर्षण का केंद्र बन गए हैं। यहां खेलों के माध्यम से उन्हें जल संरक्षण की सीख दी जा रही है। वहीं शहरी परिवेश के बच्चे और युवा यहां आकर ग्रामीण जीवन की झलक महसूस कर रहे हैं।

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2575, राज श्री 1820, फ़ॉर्चून कि. 2220, रविन्द्रा 2530, फॉर्चुन 13केजी 1950, जय जवान 1960, सचिन 2020, सूरज 1960, अवसर 1880, उजाला 1920, गृहणी 13 केजी 1880, क्लासिक (केजी) 2095, मोर 2160, चक्र टिन 2330, ब्लू 2110, आशीर्वाद मस्टर्ड 2455, स्वास्तिक 2530
किराना (प्रतिकु.) : हल्दी निजामाबाद 14000, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100
चावल (प्रतिकु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1केजी,5केजी) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4300
दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9500-11200, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 12800, उड़द धोवा 10000-11000, चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 7200, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 8700, मोटा हीरा 10700, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8100, अरहर कोरा मोटा 8800, अरहर पटका छोटा 9800-10300, अरहर कोरी छोटी 10300
चीनी : डालमियां 4500, पीलीभीत 4400, सितारगंज 4360, धामपुर 4500

बनारस के घाट से बुद्ध सर्किट तक, यूपी पर्यटन पवेलियन आकर्षण का केंद्र

- गंगा आरती का अनुभव, एआर फोटो बूथ और लजीज जायकों ने खींची भीड़

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/ग्रेटर नोएडा

अमृत विचार : यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025 में हॉल नंबर-7 का स्टॉल नंबर-12 इस बार दर्शकों के लिए खास आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। यूपी पर्यटन विभाग का यह पवेलियन आगंतुकों को ऐसा अनुभव दे रहा है, मानो वे मेले में नहीं, बल्कि सीधे मौके पर पहुंच गए हों। कहीं बनारस के घाटों की झलक दिखती है तो कहीं बुद्ध सर्किट की भव्यता मन मोह लेती है। वहीं, आधुनिक तकनीक से लैस एआर फोटो बूथ युवाओं की सेल्फी और तस्वीरों का सबसे पसंदीदा स्थल बन गया है।

पवेलियन के प्रवेश द्वार को बनारस की गंगा आरती से प्रेरित कर सजाया गया है। दीप जलाए कलाकारों और घाट की झलक प्रस्तुत करते चबूतरों पर बैठे प्रस्तोता हर आगंतुक को आध्यात्मिक शांति का अनुभव कराते हैं। इन वीआर (वर्चुअल रियलिटी) अनुभव के जरिए ऐसा अहसास होता है, मानो नाव में बैठकर गंगा की लहरों पर बनारस का भ्रमण हो रहा हो। स्टॉल का बुद्ध सर्किट गेट युवाओं का सबसे बड़ा सेल्फी प्वाइंट बन चुका है। गाजियाबाद से आए अमित का कहना था कि यह केवल फोटो स्पॉट नहीं, बल्कि बुद्ध के शांति और करुणा के संदेश का प्रतीक भी है। छात्र और शोधार्थी भी इसे बेहद रोचक मान रहे हैं और इसे बौद्ध सर्किट को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बता रहे हैं।

विरासत और जायकों का संगम : पवेलियन में यूपी की धरोहर और जायकों का अनोखा संगम देखने को मिल रहा है। सहारनपुर की लकड़ी की कारीगरी, कन्नौज का इत्र, मुरादाबाद का पीतल शिल्प, भदोही के कालीन, वाराणसी की बनारसी साड़ी, आगरा का पेठा, मथुरा का पेड़ा और बनारसी पान हर आगंतुक का मन मोह रहे हैं।

एआर फोटो बूथ पर पहुंच रहे युवा

स्टॉल की सबसे बड़ी विशेषता एआर फोटो बूथ है। यहां आगंतुक अपनी पसंद का मंदिर या पर्यटन स्थल चुनकर उसके साथ डिजिटल फोटो खिंचवा सकते हैं। फोटो के तुरंत बाद एक क्यूआर कोड मिलता है, जिसे स्कैन कर तस्वीर मोबाइल पर डाउनलोड की जा सकती है। दिल्ली से आई पर्यटक नेहा ने बताया कि ऐसा लगा मानो मैं सचमुच मथुरा के मंदिर में खड़ी हूं। यह अनुभव दोस्तों को भी यहां खींच लाया।

निवेश और संभावनाएं

यह पवेलियन केवल पर्यटन स्थलों का प्रचार नहीं कर रहा, बल्कि 'एक जिला, एक उत्पाद' जैसी महत्वाकांक्षी योजना को भी सशक्त रूप से सामने ला रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की प्रस्तुति राज्य में पर्यटन के साथ-साथ निवेश की संभावनाओं को भी बढ़ाएगी।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनी में शुक्रवार को दूसरे दिन उमड़ी भीड़।

आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता कदम

युवा संवाद ने यह संदेश दिया कि प्रदेश में नवाचार और उद्यमिता का माहौल तेजी से मजबूत हो रहा है। यह मंच न केवल निवेशकों और उद्योगों को जोड़ रहा है, बल्कि युवाओं को रोजगार और स्वावलंबन के अवसर भी उपलब्ध करा रहा है। योगी सरकार की योजनाएं और यूपीआईटीएस-2025 जैसे आयोजन प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति और युवा ऊर्जा को दिशा देने में सहायक सिद्ध हो रहे हैं।

स्टार्टअप्स और फूड ब्रांड्स का आकर्षण

कॉनक्लेव के दौरान 20 से अधिक बी-टू-बी मीटिंग्स आयोजित हुईं। इसके साथ ही डॉ. गैराज, मिस्टर सैंडविच, धोबीलाइट, अर्द्धसैनिक कैंटीन और अमूल इंडिया जैसे स्टार्टअप्स व ब्रांड्स ने छात्रों को अपने बिजनेस मॉडल प्रस्तुत किए। घरेलू सेवाओं से लेकर खाद्य क्षेत्र तक के इन प्रयोगों ने युवाओं को नए अवसरों और बाजार की बदलती आवश्यकताओं से परिचित कराया। विशेषज्ञों ने भी उद्यम स्थापना, व्यवसाय प्रबंधन और वित्तीय सुदृढ़ीकरण पर विस्तार से मार्गदर्शन किया।

दवाओं पर अमेरिकी शुल्क लगने से सहमा बाजार

मुंबई, एजेंसी

अगले महीने से दवाओं पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा के बाद शुक्रवार को फार्मा एवं आईटी शेयरों में भारी बिकवाली होने से स्थानीय शेयर बाजारों में बड़ी गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स में 733 अंक व निफ्टी में 236 अंक का नुकसान रहा।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 733.22 अंक यानी 0.90 प्रतिशत टूटकर तीन सप्ताह के निचले स्तर 80,426.46 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 827.27 अंक गिरकर 80,332.41 पर आ गया था। एनएसई का 50 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक निफ्टी भी 236.15 अंक यानी 0.95 प्रतिशत की गिरावट के साथ तीन सप्ताह के निचले स्तर 24,654.70 अंक पर आ गया। घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट का यह लगातार छठा कारोबारी सत्र रहा। इस दौरान सेंसेक्स में कुल 2,587.50 अंक यानी 3.16 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है।

समझौते को जल्द पूरा करने के लिए वार्ता जारी

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई है। इस दौरान दोनों पक्षों ने पारस्परिक रूप से लाभकारी समझौते को जल्द ही अंतिम रूप देने के लिए वार्ता जारी रखने का फैसला किया। वाणिज्य मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के नेतृत्व में अमेरिका गया भारतीय प्रतिनिधिमंडल तीन दिनों के दौरे के बाद 24 सितंबर को स्वदेश लौट आया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिकी सरकार के अधिकारियों के साथ समझौते के संभावित स्वरूप को लेकर रचनात्मक बातचीत की। मंत्रालय ने कहा, "दोनों पक्षों ने समझौते की संभावित रूपरेखा पर विचारों का आदान-प्रदान किया और पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते को शीघ्र पूरा करने के लिए बातचीत जारी रखने का निर्णय लिया गया। बयान के मुताबिक, अपनी यात्रा में गोयल ने अमेरिका की व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जेमीसन ग्रीयर और भारत के लिए अमेरिका के नामित राजदूत सर्जियो गोर से भी मुलाकात की। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिका के प्रमुख उद्योगपतियों एवं निवेशकों से भी दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश बढ़ाने के मुद्दे पर चर्चा की।

आरबीआई ने मृत ग्राहकों से संबंधित दावों के निपटान को बनाया सरल

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को बैंकों के मृत ग्राहकों के खातों और लॉकर से संबंधित दावों का 15 दिनों के भीतर निपटान करने के लिए संशोधित मानदंड जारी किए। रिजर्व बैंक ने कहा कि निपटान में देरी होने पर नॉमिनी यानी नामित व्यक्तियों को मुआवजा देने का प्रावधान किया गया है। संशोधित निर्देशों का उद्देश्य मृत ग्राहकों से संबंधित दावों के निपटान में बैंकों की गतिविधियों को सरल बनाना है। इसमें ग्राहक सेवा की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए दस्तावेजीकरण को भी मानकीकृत किया गया है।

भारत-ईयू के बीच एफटीए को अंतिम रूप देने के लिए प्रतिबद्ध है इटली

न्यूयॉर्क, एजेंसी

इटली के उप प्रधानमंत्री एंतोनियो तजानी ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर एवं वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात की और भारत तथा यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप देने के प्रति उनके देश की प्रतिबद्धता दोहराई। तजानी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर इस बैठक को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि वह आने वाले महीनों में भारत की यात्रा करेंगे।

उन्होंने लिखा, न्यूयॉर्क में मैंने भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के साथ महत्वपूर्ण बैठकें कीं। इटली व भारत के बीच रणनीतिक, राजनीतिक एवं आर्थिक साझेदारी है। हम आगामी महीनों में मेरी भारत यात्रा के साथ इसे और मजबूत करना चाहते हैं। कहा, मैंने मुक्त व्यापार समझौते को शीघ्र अंतिम रूप देने के लिए इटली के समर्थन की पुष्टि भी की। ई

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के साथ इटली के उपप्रधानमंत्री एंतोनियो तजानी।

जीएसटी में कटौती से त्योहारों में ऑनलाइन बाजार की बिक्री बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

- परिधान व इलेक्ट्रॉनिक्स की खरीदारी को मिल रहा बढ़ावा

जीएसटी कटौती के चलते मौजूदा त्योहारों में उपभोक्ता अधिक खरीदारी कर रहे हैं। महानगरों तथा उभरते बाजारों में त्योहारी मांग 23-25 प्रतिशत तक बढ़ी है। जीएसटी के कारण इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी महंगी श्रेणियों में कीमत कम हुई है। नवरात्रि के पहले दिन 22 सितंबर से प्रभावी जीएसटी सुधारों ने बड़े स्क्रीन वाले टीवी, मध्यम श्रेणी के फैशन और फर्नीचर सहित कई श्रेणियों में कर दरों में कमी की है। इससे उपभोक्ताओं को सीधे मूल्य लाभ मिला है।

इन बदलावों ने खरीदारों को छूट की तलाश से आगे बढ़कर अधिक खरीदारी करने के लिए प्रोत्साहित किया है। इससे मझोले और छोटे शहरों से भागीदारी बढ़ी है और सोच-विचार कर किए जाने वाले खर्च में

वृद्धि को बढ़ावा मिला है। बाजार शोध फर्म रेडसीर के अनुसार बड़े टीवी पर जीएसटी को 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करने से खुदरा कीमतों में 6-8 प्रतिशत की गिरावट आई है। इससे प्रीमियम मॉडल की मांग बढ़ी है। इसी तरह 2,500 रुपये से कम कीमत वाली फैशन वस्तुओं पर अब सिर्फ पांच प्रतिशत जीएसटी लग रहा है, जिससे इस परिधानों की खरीदारी को बढ़ावा मिल रहा है। इसी तरह फर्नीचर की बिक्री भी बढ़ी है।

मुथूट फिनकॉर्प पर लगाया जुर्माना

मुंबई। आरबीआई ने आंतरिक 'ओम्बुड्समैन' के कुछ मानदंडों का पालन न करने पर मुथूट फिनकॉर्प लि. पर 2.7 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। आरबीआई ने एक बयान में कहा कि आरबीआई द्वारा कंपनी का वैधानिक निरीक्षण 31 मार्च, 2024 तक की वित्तीय स्थिति के संदर्भ में किया गया था। केंद्रीय बैंक के निर्देशों का पालन न करने के पर्यवेक्षी निष्कर्षों और उस संबंध में संबंधित पत्राचार के आधार पर कंपनी को एक नोटिस दिया गया जिसमें उससे पूछा गया कि उसने आरबीआई के नियम क्यों नहीं माने और उसे बताना था कि उस पर जुर्माना क्यों नहीं लगाया जाना चाहिए। कहा, नोटिस के जवाब, कंपनी द्वारा दी गई अतिरिक्त जानकारी और सुनवाई के दौरान किए गए मौखिक बयान को ध्यान में रखते हुए, पाया कि कंपनी पर निम्नलिखित आरोप सही साबित हुए हैं, जिसके कारण आर्थिक जुर्माना लगाना जरूरी है।

पहल

जिला अदालतों में काफी संख्या में चेक बाउंस के मामले आने पर उच्चतम न्यायालय ने व्यक्त की चिंता

चेक बाउंस के लंबित मामलों में कमी लाने को बदले नियम

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रमुख शहरों की जिला अदालतों में 'बहुत अधिक संख्या में' 'चेक बाउंस' के मामलों के लंबित रहने पर चिंता व्यक्त करते हुए उच्चतम न्यायालय ने उन्हें कम करने के लिए नए दिशानिर्देश जारी किए हैं, जिनमें स्वैच्छिक समझौता और आरोपियों की परिवीक्षा (प्रोबेशन) पर रिहाई शामिल है।

न्यायमूर्ति मनमोहन और एनवी अंजारिया की पीठ ने, चेक बाउंस मामलों की सुनवाई करते हुए, जहां मुंबई उच्च न्यायालय ने ज़िला अदालतों के समान निष्कर्ष को पलटते हुए आरोपियों को रिहा कर दिया था, परक्राम्य लिखत (एनआई) अधिनियम के तहत अपराधों के शमन/समझौते से संबंधित 15 साल पुराने दिशा-निर्देशों में बदलाव किया। खंडपीठ ने कहा कि यह न्यायालय इस तथ्य का न्यायिक संज्ञान लेता है कि विभिन्न निर्णयों में इस अदालत द्वारा बार-बार दिए गए निर्देशों के बावजूद भारत के प्रमुख महानगरों के जिला न्यायालयों में एनआई अधिनियम के तहत चेक बाउंस के लंबित मामलों की संख्या अब भी बहुत अधिक बनी हुई है। राष्ट्रीय न्यायिक डेटा ग्रिड के आंकड़ों का हवाला देते हुए खंडपीठ ने कहा कि एक सितंबर तक दिल्ली की जिला अदालतों में एनआई अधिनियम की धारा 138 के तहत लंबित मामले 6,50,283 थे, मुंबई जिला अदालतों में 1,17,190 और कलकत्ता जिला अदालतों में 2,65,985 थे। शीर्ष अदालत ने कहा, ये लंबित मामले न्यायिक प्रणाली पर अभूतपूर्व दबाव डाल रहे हैं, क्योंकि कुछ राज्यों में एनआई अधिनियम की धारा 138 के तहत मामले अधीनस्थ अदालतों में लंबित मामलों का लगभग 50 प्रतिशत है (दिल्ली में एनआई अधिनियम की धारा 138 के तहत मामले निचली अदालत में लंबित कुल मामलों का 49.45 प्रतिशत है)। कोर्ट के मौजूदा दिशानिर्देशों में फेरबदल करते हुए, खंडपीठ ने कहा कि इस तरह के लंबित मामलों की भारी संख्या और पिछले कुछ वर्षों में ब्याज दरों में गिरावट के कारण ऐसा करना बहुत जरूरी है।

आरबीआई ने चेकों के निरंतर समाशोधन की अनुमति दी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने चेक ट्रंकेशन सिस्टम (सीटीएस) को बैच प्रोसेसिंग के मौजूदा तरीके से हटाकर, दो चरणों में प्राप्ति पर निपटान के साथ निरंतर समाशोधन की ओर ले जाने का निर्णय लिया है। बैंकिंग क्षेत्र के नियामक ने कहा कि पहला चरण 4 अक्टूबर, 2025 को और दूसरा चरण 3 जनवरी, 2026 को लागू किया जाएगा। सभी बैंकों को सूचित किया गया है कि वे अपने ग्राहकों को चेक समाशोधन प्रक्रिया में होने वाले बदलावों के बारे में पर्याप्त जानकारी दें। बैंकों को यह भी सूचित किया गया है कि वे उपरोक्त तिथियों पर सीटीएस में निरंतर समाशोधन में भाग लेने के लिए तैयार रहें। सुबह 10 :00 बजे से शाम 4 :00 बजे तक एक ही प्रस्तुति सत्र होगा और शाखाओं द्वारा प्राप्त चेकों को स्कैन करके बैंकों द्वारा तुरंत और प्रस्तुति सत्र के दौरान लगातार क्लियरिंग हाउस को भेजा जाएगा। क्लियरिंग हाउस चेक की तस्वीरें आहर्ता बैंकों को लगातार जारी करेगा। पुष्टिकरण सत्र सुबह 10 :00 बजे शुरू होगा और शाम 7 :00 बजे समाप्त होगा। प्रस्तुत किए गए प्रत्येक चेक के लिए, आहर्ता बैंक या तो सकारात्मक पुष्टिकरण (सम्मानित चेक के लिए) या नकारात्मक पुष्टिकरण (अनादरित चेक के लिए) जारी करेगा।

वर्ल्ड ब्रीफ

नेपाल में आया मध्यम तीव्रता का भूकंप

काठमांडू। पूर्वी नेपाल के रामेछाप जिले में शुक्रवार को रिक्टर पैमाने पर चार तीव्रता वाला भूकंप महसूस आया। भूकंप से हालांकि किसी भी तरह के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, अपराह्न दो बजकर 14 मिनट पर आए भूकंप का केंद्र काठमांडू से लगभग 150 किलोमीटर पूर्व में रामेछाप जिले के वटैली क्षेत्र में स्थित था। इससे पहले 17 अगस्त को भी इसी जिले में रिक्टर पैमाने पर चार की तीव्रता वाला भूकंप आया था।

पाकिस्तान : हादसे में एक ही परिवार के 11 की मौत

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में देर रात हुए सड़क हादसे में एक ही परिवार के 11 सदस्यों की मौत हो गई और तीन घायल हो गए। बचाव अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, यह हादसा बृहस्पतिवार देर रात डेरा इस्माइल खान जिले में उस समय हुआ, जब वाहन ब्रेक फेल हो जाने के कारण खाई में गिर गया। वाहन झोब जिले से डेरा इस्माइल खान को ओर जा रहा था। बचाव अधिकारियों ने बताया कि घटनास्थल से पांच महिला, एक पुरुष और एक बच्चे के शव समेत सात शव बरामद किए गए। तीन घायलों को तत्काल प्राथमिक उपचार दिया गया।

मिस्र में आग लगने से आठ लोगों की मौत

काहिरा। मिस्र के नील डेल्टा क्षेत्र में शुक्रवार तड़के आग लगने से एक इमारत आंशिक रूप से ढह गई, जिससे आठ लोगों की मौत हो गई और 29 अन्य घायल हो गए। गवर्नर के मीडिया कार्यालय ने एक बयान में कहा कि गरबिया प्रांत के कपड़ा निर्माण के लिए प्रसिद्ध एल-महल्ला शहर में एक रंगाई इकाई की दूसरी मंजिल पर बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण बॉयलर फट गया और आग लग गई। इस वजह से इमारत आंशिक रूप से ढह गई।

रूसी सेना में भर्ती 27 और भारतीयों को छोड़ें

नई दिल्ली। भारत ने रूस से 27 और भारतीय नागरिकों को सेवा मुक्त करने की अपील की है, जिन्हें हाल में रूसी सेना में भर्ती किया गया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को कहा कि नई दिल्ली को पता चला है कि रूसी सेना में और भी भारतीय सेवा दे रहे हैं। हमारी जानकारी के अनुसार 27 भारतीय नागरिक रूसी सेना में सेवारत हैं। हम उनके परिवारों के साथ संपर्क में हैं। उन्होंने कहा, हम एक बार फिर सभी भारतीय नागरिकों से रूसी सेना में सेवा देने के लिए मिलने वाले प्रस्तावों से दूर रहने का आग्रह करते हैं क्योंकि ये खतरों और जोखिम से भरे हैं।

ब्रिटेन में काम पाने के लिए लोगों को दिखाना होगा डिजिटल पहचान पत्र

लंदन, एजेंसी

- अवैध आव्रजन रोकने के लिए नई व्यवस्था लागू करेगी सरकार

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने देश में अवैध रूप से काम करने वाले लोगों पर नकेल कसने के उद्देश्य से डिजिटल पहचान पत्र को अनिवार्य बनाने की अपनी योजना से शुक्रवार को पर्दा उठाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि डिजिटल पहचान पत्र के बिना कोई भी व्यक्ति ब्रिटेन में रोजगार हासिल नहीं कर सकेगा।

ब्रिटिश सरकार ने कहा कि यह पहचान पत्र ब्रिटेन के सभी नागरिकों और वैध निवासियों के लिए उपलब्ध होगा। उसने दावा किया कि इससे पहचान की पुष्टि के लिए दस्तावेजों के सत्यापन की जटिल प्रक्रिया से मुक्ति मिलेगी, समय की बचत होगी और कल्याणकारी योजनाओं का अधिक प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सकेगा।

दस डाउनिंग स्ट्रीट (ब्रिटिश प्रधानमंत्री का आधिकारिक निवास और कार्यालय) ने दुनिया के अन्य देशों में लागू इसी तरह की योजनाओं का जिक्र करते हुए भारत का उदाहरण दिया। उसने बताया कि भारत में किस तरह आधार कार्ड ने कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में धोखाधड़ी और विसंगतियों को कम करके हर साल लगभग 10 अरब अमेरिकी डॉलर की बचत करने में सरकार की मदद की है।

दवाओं पर ट्रंप का टैरिफ

भारतीय कंपनियों पर होगा सर्वाधिक असर

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अक्टूबर से सभी ब्रांडेड और पेटेंट प्राप्त दवाओं पर 100 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की घोषणा की है जिससे सबसे अधिक भारतीय कंपनियों के प्रभावित होने की आशंका है। ट्रंप ने गुरुवार को एक पोस्ट में लिखा कि 1 अक्टूबर से सभी ब्रांडेड और पेटेंटेड दवाओं पर 100 प्रतिशत आयात शुल्क लगाया जाएगा। इससे सिर्फ उन्हीं कंपनियों को छूट मिलेगी जो अमेरिका में अपनी फैक्टरी लगा रही हैं। ट्रंप ने यह भी साफ किया है कि फैक्टरी लगाने से उनका आशय यह है कि यह है कि उन्होंने अमेरिका में अपनी फैक्टरी का शिलान्यस कर दिया है या फैक्टरी निर्माणाधीन है। ट्रंप के इस नए फैसले का सबसे ज्यादा असर भारतीय फार्मास्यूटिकल्स कंपनियों पर पड़ने की उम्मीद है, इससे बड़े पैमाने पर नौकरियां जाने की भी आशंका जताई जा रही है। भारत से फिलहाल अमेरिका को करीब एक हजार करोड़ डॉलर की दवाओं का निर्यात होता है।

भारत से दवाओं का निर्यात

- भारतीय कंपनियां अमेरिका को जेनरिक दवाओं का बड़े पैमाने पर निर्यात करती हैं जो वहां सस्ती दवाओं का प्रमुख स्रोत है।
- वित्त वर्ष 2024-25 में भारत से अमेरिका को निर्यात 21.09 प्रतिशत वृद्धि के साथ 978.39 करोड़ डॉलर पर पहुंच गया था।
- पिछले साल फिक्की की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका की जेनरिक दवाओं की 40 प्रतिशत आपूर्ति भारतीय कंपनियां करती हैं।
- भारत ने पिछले वित्त वर्ष में 30.47 अरब डॉलर की दवाओं का निर्यात किया था। इसमें 31% अमेरिका को किया गया था।
- अमेरिका के अलावा ब्रिटेन की कुल दवाओं की मांग में से 25 प्रतिशत की आपूर्ति भारत कंपनियों की ओर से की जाती है।

क्या होगा भारतीय कंपनियों पर असर

- भारत में करीब 3,000 दवा निर्माता और 10,000 से अधिक छोटी-बड़ी फार्मा इकाई हैं।
- इनमें लगभग 600-650 कंपनियों के पास अमेरिका को निर्यात करने का लाइसेंस है।
- इन कंपनियों की कॉस्ट प्रतिस्पर्धा खत्म हो जाएगी क्योंकि उनकी काफी दवाएं सस्ती हैं।
- सन फार्मा, डॉ. रेड्डीज, सिप्ला जैसी कपनियों की 35% तक अमेरिका से आय होती है।
- इसके अलावा छोटी और मझोली कंपनियों के दौड़ से पूरी तरह बाहर होने की आशंका है।

भारत में नौकरियों पर प्रभाव

- भारतीय फार्मा इंडस्ट्री में 3 लाख लोग सीधे और 27 लाख अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए हैं। 50 से 75 हजार सीधे और डेढ़ लाख तक अन्य रोजगार पर असर पड़ने का अनुमान।

अमेरिका पर असर

- अमेरिका में हेल्थ केयर का खर्च काफी ज्यादा है और दवाओं की कीमतें पहले से विवादित हैं।
- भारतीय दवाओं पर 100 प्रतिशत टैरिफ से जेनेरिक दवाओं की कीमतें दोगुनी तक हो जाएंगी।
- इससे मध्यमवर्गीय अमेरिकियों का खर्च असहनीय हो जाएगा, बीमा कंपनियों पर बोझ बढ़ेगा।
- राजनीतिक रूप से ट्रंप को आलोचना झेलनी पड़ेगी क्योंकि वहां जनता सस्ती दवाएं चाहती है।

यहां भी हमला

- भारी ट्रकों पर 25, किचन कैबिनेट, बाथरूम वैनिटी पर भी 50-50% टैरिफ लगाया है।
- अपहोल्सटर फर्नीचरों पर भी 30% आयात शुल्क लगाने की घोषणा की गई है।
- पहले भारतीय उत्पादों पर 25% टैरिफ लगाया था जिसे बाद में 50% कर दिया गया।

टैरिफ वार के कारण

- ट्रंप ने शुरू में भारत पर अमेरिकी उत्पादों पर भारी टैरिफ लगाने का आरोप लगाया था।
- रूस से कच्चा तेल खरीदने के कारण भारत पर अतिरिक्त 25% टैरिफ लगाया गया।

यूएन में नेतन्याहू ने दिखाए तेवर, बोले- गाजा में हमास के खिलाफ काम खत्म करके रहेंगे

हल्के शोर-शराबे के बीच दिया भाषण, कई देशों के प्रतिनिधियों ने किया सामूहिक रूप से बायकॉट

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में कहा कि इजराइल को गाजा में हमास के खिलाफ काम खत्म करना ही होगा। उन्होंने गाजा में विनाशकारी युद्ध को समाप्त करने से इन्कार पर बढ़ते अंतरराष्ट्रीय अलगाव के बावजूद संयुक्त राष्ट्र में एक मुखर भाषण दिया। शुक्रवार को जब वह भाषण देने ही वाले थे, तब कई देशों के प्रतिनिधि संयुक्त राष्ट्र महासभा हॉल से सामूहिक रूप से बाहर चले गए।

जैसे ही इजराइली नेता ने बोलना शुरू किया, हॉल में हल्का शोर सुनाई दे रहा था। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल वहीं रुका रहा, जिसने हमास के खिलाफ नेतन्याहू के अभियान में उनका समर्थन किया था। जैसे ही उन्होंने अपना भाषण शुरू किया, कुछ लोगों ने तालियां भी बजाईं। जैसा कि नेतन्याहू अक्सर अतीत में करते आए हैं, उन्होंने एक दृश्य दिखाया जिसमें क्षेत्र का एक नक्शा था जिसका शीर्षक था 'द कर्स' यानी अभिशाप। उन्होंने उस पर एक बड़े मार्कर से निशान लगा रखे थे। वह मंच पर चढ़ते समय विशेष पिन पहने हुए थे जिस पर क्यूआर कोड लगा था। प्रधानमंत्री के प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों, मंत्रियों और उनके साथ आए लोगों ने भी वही पिन लगाए हुए थे।

नेतन्याहू ने क्षेत्र में अपने राजनीतिक और सैन्य दृष्टिकोण में अपने प्रमुख सहयोगी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भी बार-बार प्रशंसा की। नेतन्याहू को अंतरराष्ट्रीय अलगाव, युद्ध अपराधों के आरोपों और उस संघर्ष को समाप्त करने के बढ़ते दबाव का सामना करना पड़ रहा है जिसे उन्होंने लगातार बढ़ाया है। शुक्रवार का भाषण उनके लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सबसे बड़े मंच पर अपनी प्रतिक्रिया देने का एक मौका था।

संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करते इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू।

सीमा पर लगा दिए लाउडस्पीकर ताकि गाजा के लोग भी सुन सकें नेतन्याहू का भाषण

पश्चिम एशिया में इजराइली सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठा रही है कि गाजा वासी और अन्य लोग नेतन्याहू की बात सुनें। सेना ने इजराइल-गाजा सीमा पर लाउडस्पीकर लगा दिए थे ताकि नेतन्याहू का भाषण सुनाई दे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने यह भी कहा था कि एक अभूतपूर्व अभियान में इजराइली सेना गाजा के निवासियों और हमास सदस्यों के मोबाइल फोन अपने कब्जे में लेगी और उनके भाषण का इन मोबाइल के माध्यम से सीधा प्रसारण किया जाएगा। यह अभी स्पष्ट नहीं है कि क्या ऐसा हो पाया और किस हद तक हो पाया।

ट्रंप का एलान- इजराइल को वेस्ट बैंक पर कब्जा करने की अनुमति नहीं देंगे

- अरब नेताओं से वार्ता के बाद बदला रुख, बोले- गाजा पर समझौता जल्द

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह इजराइल को वेस्ट बैंक पर कब्जा नहीं करने देंगे। उन्होंने बृहस्पतिवार को ओवल ऑफिस में पत्रकारों से कहा, मैं इजराइल को वेस्ट बैंक पर कब्ज़ा करने की इजाजत नहीं दूंगा। ऐसा नहीं होगा। हाल के वक्त में इजराइल का वेस्ट बैंक पर कब्जे की संभावना की बात सामने आई है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने बेंजामिन नेतन्याहू से बात की है और वह कब्जे की इजाजत नहीं देंगे। उन्होंने कहा, बस बहुत हो गया। गाजा पर समझौता जल्द होगा। गाजा की तरह वेस्ट बैंक पर भी फिलिस्तीनी प्राधिकारियों का शासन है। ट्रंप को गाजा में लंबे युद्ध के कारण अरब देशों के नेताओं के दबाव का सामना करना पड़ा है। संयुक्त अरब अमीरात ने चेतावनी दी है कि कब्जे संबंधी इजराइल का कोई भी कदम लक्ष्मण रेखा लांघने जैसा होगा। इजराइल का 1967 से वेस्ट बैंक, पूर्वी यरुशलम और गाजा पट्टी पर दखल है। फिलिस्तीनी चाहते हैं कि इन क्षेत्रों को मिलकर उनके देश का निर्माण हो।

संयुक्त राष्ट्र ने इजराइल की सहयोगी 68 कंपनियों को काली सूची में डाला

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र ने इजराइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक में इजराइली बस्तियों के साथ व्यापारिक संबंधों के जरिये फिलिस्तीनियों के मानवाधिकारों के उल्लंघन में संलिप्तता को लेकर 68 और कंपनियों को शुक्रवार को काली सूची में डाल दिया। काली सूची में उन कंपनियों को शामिल किया गया है, जो वेस्ट बैंक में ज्यादातर लोगों की ओर से अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अवैध मानी जानी वाली इजराइली बस्तियों को सहयोग एवं सहायता प्रदान करती हैं। इनमें निर्माण सामग्री और खुदाई मशीनों की आपूर्ति करने वाली कंपनियों से लेकर सुरक्षा, यात्रा और वित्तीय सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनियां शामिल हैं। 'डेटाबेस ऑफ कंपनी' नाम की इस सूची में अब कुल 158 कंपनियां हैं, जिनमें से ज्यादातर इजराइल की हैं।

मोदी के खिलाफ नाटो महासचिव के आरोप को भारत ने बताया झूठ

नई दिल्ली, एजेंसी

- ट्रंप के टैरिफ को लेकर पुतिन से यूक्रेन पर योजना मांगने का किया था दावा

विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को नाटो महासचिव मार्क रुट की इस टिप्पणी को पूरी तरह बेबुनियाद बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को फोन कर रूसी तेल के आयात को लेकर भारत पर लगाए अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव के मद्देनजर यूक्रेन पर उनकी रणनीति के बारे में पूछा।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि ऐसी अटकलें या लापरवाही भरी टिप्पणियां, जो प्रधानमंत्री मोदी को किसी भी तरह से गलत तरीके से पेश करती हैं या ऐसी बातचीत होने का दावा करती हैं, जो कभी हुई ही नहीं, अस्वीकार्य हैं। भारत द्वारा रूस से कच्चे तेल की निरंतर खरीद को उचित ठहराते हुए जायसवाल ने कहा कि इस मामले में कोई दोहरा मापदंड नहीं हो सकता। उन्होंने यह बात अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हालिया टिप्पणियों की पृष्ठभूमि में कही। ट्रंप ने रूस के साथ ऊर्जा संबंधों को लेकर यूरोपीय संघ और नाटो देशों की आलोचना की थी।

रुट ने न्यूयॉर्क में सीएनएन को बताया था कि ट्रंप के भारत पर लगाए टैरिफ का रूस पर बड़ा प्रभाव पड़ रहा है और नई दिल्ली पुतिन से फोन पर बात कर रही है। नाटो प्रमुख ने दावा किया, मोदी पुतिन से यूक्रेन पर रणनीति बताने के लिए कह रहे हैं क्योंकि भारत पर टैरिफ का असर पड़ रहा है। जायसवाल ने कहा कि नाटो प्रमुख का बयान तथ्यात्मक रूप से गलत और पूरी तरह से बेबुनियाद है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने दावा किए जा रहे तरीके से कभी राष्ट्रपति पुतिन से बात नहीं की।

एफबीआई के पूर्व निदेशक कॉमी पर संसद में झूठ बोलने और कार्यवाही बाधित करने के आरोप में मामला दर्ज

वाशिंगटन। एफबीआई के पूर्व निदेशक जेम्स कॉमी पर झूठा बयान देने और कांग्रेस की कार्यवाही में बाधा डालने के आरोप में आपराधिक मामला दर्ज किया गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अटॉर्नी जनरल से कॉमी और राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों पर अभियोजन कार्रवाई शुरू करने का आग्रह के कुछ दिनों बाद यह मामला दर्ज किया गया है। एफबीआई के पूर्व निदेशक के खिलाफ मामला दर्ज होने के कुछ ही मिनटों बाद उनके दामाद ट्रॉय एडवर्ड्स ने संघीय अभियोजक के पद से इस्तीफा दे दिया। एडवर्ड्स ने इस्तीफे में लिखा कि उन्होंने संविधान और देश के प्रति अपनी शपथ निभाने के लिए नौकरी छोड़ी है। ट्रंप ने बृहस्पतिवार को इस कार्रवाई का स्वागत करते हुए इसे अमेरिका के लिए न्याय बताया। ट्रंप की करीबी मानी जाने वाली अटॉर्नी जनरल पैम बॉन्डी और एफबीआई निदेशक काश पटेल ने भी इस कार्रवाई का समर्थन किया। कॉमी ने आरोप लगने के बाद एक वीडियो में कहा, मुझे अदालतों पर पूरा भरोसा है, मैं बेगुनाह हूं। अब अदालत में ही बात करेंगे।

परमाणु क्षमता बढ़ाने की दिशा में भारत के काम की सराहना

मास्को, एजेंसी

- विश्व परमाणु संघ की महानिदेशक ने कहा- दुनिया भारत को देख रही

विश्व परमाणु संघ की महानिदेशक समा बिलबाओ लियोन ने विश्व परमाणु सप्ताह समारोह में कहा कि भारत स्वदेशी कार्यक्रम के साथ परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में शानदार काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि चीन, भारत और एशियाई देशों में परमाणु ऊर्जा का अच्छा विकास हुआ है।

यह समारोह रूसी परमाणु उद्योग की 80वीं वर्षगांठ को समर्पित है। लियोन ने कहा कि कई देश आपूर्ति श्रृंखला के लिए भारत की ओर देख रहे हैं। उन्होंने 2047 तक भारत के 100 गीगावाट के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए कहा कि देश के पास बहुत बड़ा काम है और सभी का ध्यान इसी पर है कि इसे कैसे पूरा किया जाएगा। उन्होंने नीतिगत विकास पर कहा कि भारत को परमाणु ऊर्जा अधिनियम और परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम में संशोधन करने की जरूरत है। लियोन ने परमाणु क्षेत्र में भारत-रूस संबंधों पर बातचीत करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक सहयोग हैं।

ऑपरेशन सिंदूर में भारत के सात विमान गिराए थे: शहबाज

संयुक्त राष्ट्र। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शुक्रवार को कहा कि उनका देश सभी लंबित मुद्दों पर भारत के साथ समग्र, व्यापक और परिणामोन्मुखी बातचीत के लिए तैयार है।

उन्होंने कश्मीर की स्थिति को लेकर भारत की आलोचना भी की। शरीफ ने ऑपरेशन सिंदूर' का भी जिक्र किया और दावा किया कि इस दौरान सात भारतीय विमान क्षतिग्रस्त हुए थे। एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने पिछले महीने कहा था कि भारतीय विमानों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पांच पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों और एक बड़े विमान को मार गिराया था।

व्हाइट हाउस में शहबाज और मुनीर से मिले ट्रंप

शहबाज ने भारत-पाकिस्तान संघर्ष रुकवाने का श्रेय देकर ट्रंप को शांति पुरुष बताया

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से मुलाकात की, जहां उन्होंने क्षेत्रीय सुरक्षा, आतंकवाद के खिलाफ सहयोग और अन्य मुद्दों पर चर्चा की।

प्रधानमंत्री कार्यालय के एक बयान के अनुसार, छह साल में व्हाइट हाउस का दौरा करने वाले पहले पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज ने ट्रंप को दुनिया भर में संघर्षों को समाप्त करने के उनके ईमानदार प्रयासों के लिए शांति पुरुष बताया और पाकिस्तान और भारत के बीच संघर्ष विराम कराने में उनके साहसी और निर्णायक नेतृत्व की सराहना की। जुलाई 2019 में, तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खान ने वाशिंगटन की यात्रा की थी और राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात की थी, जिन्होंने पाकिस्तान पर अरबों डॉलर की सहायता प्राप्त करते हुए अमेरिका से झूठ बोलने, धोखा देने आतंकवादियों को पनाह देने का आरोप लगाया था। ट्रंप के उत्तराधिकारी राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने कार्यकाल के दौरान पाकिस्तान को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया था और व्हाइट हाउस में आमंत्रित करना तो दूर, किसी पाकिस्तानी प्रधानमंत्री से फोन पर बात तक नहीं की थी।

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा करते हुए, शहबाज ने विशेष रूप से गाजा और पश्चिमी तट में शांति बहाली के लिए विचारों के आदान-प्रदान के वास्ते मुस्लिम नेताओं को आमंत्रित करने की ट्रंप की पहल की सराहना की। विश्वास जताया कि ट्रंप के नेतृत्व में पाकिस्तान-अमेरिका साझेदारी पारस्परिक लाभ के लिए और मजबूत होगी।

व्हाइट हाउस में शहबाज शरीफ और आसिम मुनीर के साथ ट्रंप।

आतंक पर समर्थन के लिए ट्रंप को धन्यवाद

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने आतंकवाद-रोधी कार्रवाई में पाकिस्तान की भूमिका का सार्वजनिक समर्थन करने के लिए ट्रंप का आभार जताया और सुरक्षा एवं खुफिया क्षेत्र में सहयोग को और बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप को उनकी सुविधानुसार पाकिस्तान की आधिकारिक यात्रा करने का निमंत्रण भी दिया।

ट्रंप ने शहबाज शरीफ को बताया महान नेता

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बैठक से पहले मीडिया को बताया कि व्हाइट हाउस में एक महान नेता आने वाले हैं। ट्रंप ने कहा, असल में हमारे पास एक महान नेता आ रहे हैं, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और पाकिस्तान के फील्ड मार्शल। फील्ड मार्शल एक शानदार इंसान हैं और प्रधानमंत्री भी। यह बैठक लगभग एक घंटे 20 मिनट तक चली।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 27 सितंबर, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-आश्विन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, पंचमी 12.03 तक तत्पश्चात षष्ठी।

आज का पंचांग

दिशाशूल- पूर्व, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- अनुराधा 28 सितंबर 01.08 तक तत्पश्चात ज्येष्ठा।

मेष – आज अति-आत्मविश्वास से आपको बचना चाहिए। व्यवसाय में अधिक बड़ा प्रयोग न करें। जीवनसाथी के साथ वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। अनावश्यक यात्रा पर जाना पड़ सकता है। पुरानी गलतियों को दोहराने से बचना चाहिए।

वृष – आज राजनीति से जुड़े लोगों को उच्च पद मिल सकता है। आपको अचानक धन-लाभ हो सकता है। बौद्धिक कार्यों में आप भाग लेंगे। शोध कार्य में आप अत्यधिक रुचि लेंगे। परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहने वाला है।

मिथुन – आज विरोधी आपके कार्यों की प्रशंसा करेंगे। धर्म-कर्म के प्रति आस्था कम हो सकती है। कार्यक्षेत्र में लक्ष्य सरलता से प्राप्त कर लेंगे। आपको कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। धन संबंधी समस्याओं से मुक्ति मिलेगी।

कर्क – आज तनाव का असर आपके काम पर भी पड़ सकता है, इसीलिए तनाव से बचें। यदि कोई स्वास्थ्य समस्या है तो चिकित्सीय परामर्श अवश्य लें। नए अनुबंध हो सकते हैं। वैवाहिक संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। अपनी क्षमता पर अविश्वास न करें।

सिंह – आज व्यापार में आपकी लापरवाही अत्यधिक नुकसानदेह सिद्ध होगी। तकनीकी क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन शुभ है। रुका हुआ धन आपको वापस मिल सकता है। पारिवारिक वातावरण बहुत ही अच्छा रहने वाला है।

कन्या – आज व्यापार में अचानक धन-लाभ हो सकता है। नौकरी में उच्च पद प्राप्त होने की संभावना है। आपकी आय बहुत ही अच्छी रहेगी। आपकी कोई इच्छा पूरी हो सकती है। करियर को लेकर शुभ-सूचना मिल सकती है।

तुला – आज लंबी दूरी की यात्रा से आपको धन लाभ होगा। धार्मिक कार्यों में आप व्यस्त रहेंगे। दांपत्य संबंध बहुत ही अच्छा रहेगा। आप अध्ययन के प्रति रुचि लेंगे। छोटे बच्चों की परवरिश पर ध्यान दें। व्यापार में आप बड़ा निवेश कर सकते हैं।

वृश्चिक – आज आपको अपनी योग्यता दिखाने का अवसर मिलेगा। आपकी दिनचर्या बहुत ही अच्छी रहेगी। महिलाएं शॉपिंग के लिए जा सकती हैं। जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा। पैतृक संपदा मिलने के योग बन रहे हैं।

धनु – आज अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। नकारात्मक शब्दों का प्रयोग न करें। कानूनी मामलों में आपको नुकसान उठाना पड़ सकता है। उच्च अधिकारियों के साथ आपको परेशानी हो सकती है। परिवार में कलह का वातावरण रहेगा।

मकर – आज नौकरी में उच्च पद मिलने की संभावना है। व्यवसाय में बड़ी साझेदारी करने से आपको बचना चाहिए। जीवनसाथी की सलाह आपके लिए अत्यधिक सहायक सिद्ध होगी। बीमार लोगों को स्वास्थ्य लाभ हो सकता है।

कुंभ – आज आप लोगों की सहायता करना चाहेंगे। संतान की उन्नति से आप प्रसन्न रहेंगे। बच्चे पढ़ाई में विशेष रुचि लेंगे। आप नए काम की शुरुआत कर सकते हैं। उच्च अधिकारियों से आपके संबंध सुधरेंगे। पुराने अनुभवों का आपको लाभ मिलेगा।

मीन – आज आपकी योग्यता की लोग प्रशंसा करेंगे। परिजनों के साथ धार्मिक स्थल की यात्रा कर सकते हैं। व्यापार कर रहे लोगों को नए निवेशक मिल सकते हैं। सहकर्मी आपकी अत्यधिक सहायता करेंगे। माता की सेहत का ध्यान रखें।

सुडोकू-112

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	7	8						9
	1			6				4
9				8				
	4						6	
		1				4		
	9			5			1	
1				9		3		7
7				4	8		2	
						5		

सुडोकू - 111 का हल

8	3	9	1	7	6	4	2	5
7	5	4	9	2	8	1	3	6
2	1	6	4	5	3	7	9	8
6	2	1	3	4	7	5	8	9
4	8	5	6	9	1	3	7	2
3	9	7	2	8	5	6	4	1
9	7	2	5	6	4	8	1	3
5	4	3	8	1	2	9	6	7
1	6	8	7	3	9	2	5	4

> इस बार, महिला क्रिकेट टीम विश्व कप जीतकर इतिहास रचने के लिए तैयार हैं। मेरे लिए, चाहे पुरुष टीम हो या महिला टीम, कोई फर्क नहीं है, हमेशा भारत खेलता है और हमेशा भारत जीतता है। मैं हमेशा टीम इंडिया के साथ खड़ा रहूंगा।
>
> -टाइगर श्रॉफ

स्टेडियम

बरेली, शनिवार 27 सितंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

मयंक ने यॉर्कशायर के लिए जड़ा बड़ा शतक

हेडिंग्ले : भारतीय बल्लेबाज मयंक अग्रवाल (175) ने डरहम के ख़िलाफ यॉर्कशायर के लिए हेडिंग्ले में एक बेहतरीन शतक लगाया। इस शतक की मदद से उनकी टीम पहली पारी की बढ़त लेने की कगार पर है, ताकि वे रेलिगेशन से बचने की उम्मीद कर सके। यह यॉर्कशायर का इस काउंटी सीजन आख़िरी मैच है। धूप भरे लीड्स के मैदान में यह बल्लेबाजों का दिन था, जहां दो खिलाड़ियों ने शतक लगाए। पहले डरहम के ऑलराउंडर बेन रेन ने अपने पहले दिन के स्कोर नाबाद 87 रनों से आगे खेलना शुरू किया और 101 रन बनाए। यॉर्कशायर के लिए नई गेंद के गेंदबाज जैक व्हाइट ने 69 रन देकर 5 विकेट लिए। अग्रवाल ने अपनी 195 गेंदों की पारी में 20 चौके और 5 छक्के लगाए और एडम लिथ के साथ 127 रनों की साझेदारी की।

जमाल ने गोलकोंडा मास्टर्स खिताब जीता

हैदराबाद : बांग्लादेश के जमाल हुसैन को शुक्रवार को यहां भारी बारिश के कारण अंतिम दौर रद्द किए जाने के बाद एक करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि वाले तेलंगाना गोलकोंडा मास्टर्स का विजेता घोषित किया गया। चंडीगढ़ के अक्षय शर्मा उपविजेता रहे। टूर्नामेंट का नतीजा 54 होल के बाद कुल स्कोर के आधार पर घोषित किया गया। हुसैन (61-62-64) तीसरे दौर के बाद 54 होल में 23 अंडर 187 के स्कोर की बदौलत चार शॉट से आगे चल रहे थे। इस तरह उन्होंने अपना छठा और पिछले साल नवंबर के बाद पहला खिताब जीता।

पैसिफिक बैडमिंटन में चार पदकों पर कब्जा

नई दिल्ली : भारत ने कुआलालंपुर में विशेष ओलंपिक एशिया पैसिफिक बैडमिंटन टूर्नामेंट में विभिन्न स्पर्धाओं में एक स्वर्ण और तीन रजत पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। विशेष ओलंपिक भारत की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार चनवी शर्मा ने 16 से 20 सितंबर तक आयोजित की गई चैंपियनशिप में महिला एकल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता और अपनी जोड़ीदार सुजीता सुकुमारन के साथ मिलकर महिला युगल में रजत पदक हासिल किया। अंकित दलाल ने पुरुष एकल में रजत पदक और अमल बिजू के साथ मिलकर पुरुष युगल में एक और रजत पदक जीतकर अपने पदकों की संख्या दोगुनी कर दी।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम हारी

कैनबरा : भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम को शुक्रवार को यहां नेशनल हॉकी सेंटर में ऑस्ट्रेलिया की अंडर-21 टीम से 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। भारत के लिए लालथंतलुआंगी (47वें मिनट) और सोनम (54वें मिनट) ने गोल किए, जबकि ऑस्ट्रेलिया के लिए बियांका जुरर (36वें मिनट), एवी स्रांसबी (45वें मिनट) और सैमी लव (59वें मिनट) ने गोल दागे। मैच के शुरुआती हाफ में दोनों टीम गोल करने में नाकाम रही। जुरर ने मध्यांतर के बाद पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल कर ऑस्टेलिया का खाता खोला जबकि इसके नौ मिनट के बाद स्रांसबी के गोल से टीम ने 2-0 की बढ़त कायम कर ली।

दबाव लिए बिना खेल का लुत्फ उठाना चाहती हूं : हरमनप्रीत

बेंगलुरु, एजेंसी

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर को आगामी आईसीसी महिला वनडे विश्व कप से पहले प्रशंसकों की उम्मीदों के बारे में पता है लेकिन वह पहली बार खिताब जीतने के दबाव में आए बिना इस पल का लुत्फ उठाना चाहती हैं। भारत टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत 30 अक्टूबर को गुवाहाटी में श्रीलंका के खिलाफ मैच से करेगा।

हरमनप्रीत ने आईसीसी द्वारा आयोजित कप्तानों की संवाददाता सम्मेलन में कहा मुझे लगता है कि अपने देश की कप्तानी करना किसी भी खिलाड़ी के लिए हमेशा एक खास पल होता है। वनडे विश्व कप में अपने देश की कप्तानी करना और भी खास होता है और उससे भी बढ़कर यह घरेलू विश्व कप है इसलिए यह और भी विशेष है। उन्होंने कहा मेरा मतलब है, यह अविश्वसनीय है। जब मैंने खेलना शुरू किया था तो मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मुझे अपने देश की कप्तानी करने का मौका मिलेगा, यह बस एक सपना ही था।

उन्होंने कहा वनडे विश्व कप 12 साल बाद भारत में हो रहा है और मुझे लगता है कि यह हम सभी के लिए बेहद शानदार होने वाला है। हम दबाव लिए बिना इस पल का लुत्फ उठाना चाहते है। भारत पांच अक्टूबर को कोलंबो में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से भिड़ेगा, लेकिन हरमनप्रीत इस मैच से जुड़ी राजनीतिक बातों की चिंता करने के बजाय क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित करना चाहती है।

आईसीसी के कप्तानों के संवाददाता सम्मेलन में भाग लेतीं भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर, ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली, इंग्लैंड की कप्तान नैट साइवर-ब्रंट और न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन। एजेंसी

भारत को हराना मुश्किल होगा : हीली

गत विजेता ऑस्ट्रेलिया की टीम सात बार चैंपियन रही है। कप्तान एलिसा हीली से जब पूछा गया कि क्या यह रिकॉर्ड उनके लिए एक बड़ी मुसीबत है? तो उन्होंने कहा मुझे नहीं लगता कि किसी भी समय चीजों को लेकर बहुत ज्यादा आत्ममुग्ध होना ऑस्ट्रेलिया की संस्कृति में है। मुझे नहीं लगता कि यह इससे आसान हो सकता है। मुझे लगता है कि भारत को उसके घरेलू मैदान पर हराना वाकई बहुत मुश्किल होगा। ऑस्ट्रेलिया ने हाल ही में भारत को उसके घरेलू मैदान पर एकदिवसीय सीरीज में 2-1 से हराकर अपनी तैयारियों को मजबूत किया।

- **कप्तानों के संवाददाता सम्मेलन में हरमनप्रीत ने कहा- देश के लिए खेलना हमेशा होता है खास**

इन कप्तानों ने लिया ऑनलाइन भाग

पाकिस्तान (फातिमा सना), श्रीलंका (चामरी अटापट्टू), दक्षिण अफ्रीका (लौरा वोल्वार्ड्ट) और बांग्लादेश (निगार सुल्ताना जोत्ती) की कप्तानों ने ऑनलाइन प्रेस कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लिया।

भारत के खिलाफ श्रीलंका दबाव में नहीं : अटापट्टू

अटापट्टू ने कहा कि गुवाहाटी में टूर्नामेंट के पहले मैच में प्रबल दावेदार भारत से भिड़ने से पहले श्रीलंका की टीम किसी दबाव में नहीं है।

बेखौफ खेलने का मौका मिलेगा : सोफी

न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन ने कहा कि उनकी टीम के लिए यह अच्छा है कि सब का ध्यान भारत और ऑस्ट्रेलिया पर है। ऐसे में उनकी टीम को बेखौफ क्रिकेट खेलने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा मुझे नहीं लगता कि बहुत ज्यादा उम्मीदें हैं। मुझे लगता है कि लोगों ने इसका जिक्र किया है और आप इस बारे में बात करते रह सकते हैं कि हमने पिछले साल (टी20) विश्व कप कैसे जीता था, लेकिन यह बिल्कुल अलग प्रारूप है। हमें पिछले साल दुबई से मिली सीख को अपनाना होगा। नैट-साइवर ब्रंट को इंग्लैंड की कप्तान और उनकी मुख्य बल्लेबाज होने की दोहरी ज़िम्मेदारी निभानी होगी। दायें हाथ की यह बल्लेबाज इस जिम्मेदारी को निभाने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

एशिया कप के सबसे रोमांचक मुकाबले में भारत ने मैच और श्रीलंका ने जीता दिल

सुपर ओवर से निकला परिणाम, श्रीलंका के निसांका ने खेली शतकीय पारी

दुबई, एजेंसी

सलामी बल्लेबाज पाथुम निसांका के आक्रामक शतक ने भारतीय गेंदबाजों को एशिया कप में पहली बार दबाव में ला दिया, लेकिन सुपर ओवर में अर्शदीप सिंह के बेजोड़ प्रदर्शन से भारतीय टीम ने श्रीलंका को हराकर टूर्नामेंट में लगातार छठी जीत दर्ज की।

शानदार फॉर्म में चल रहे अभिषेक शर्मा के टूर्नामेंट में तीसरे अर्धशतक की मदद से भारत ने पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर 20 ओवर में पांच विकेट पर 202 रन बनाए। जवाब में निसांका के शतक की मदद से श्रीलंका ने जीत की ओर लगभग कदम रख दिया था। हर्षित राणा के आखिरी ओवर में उसे 12 रन और आखिरी गेंद पर तीन रन चाहिए थे, जिस पर दासुन शनाका दो ही रन ले पाए और मैच सुपर ओवर में चला गया। सुपर ओवर पूरी तरह से अर्शदीप के नाम रहा, जिन्होंने पांच गेंद में दो रन देकर दो विकेट लिए। भारत को तीन रन का लक्ष्य मिला जो कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पहली ही गेंद पर हासिल कर लिया। फाइनल में रविवार को भारत का सामना पाकिस्तान से होगा। टूर्नामेंट में ग्रुप चरण और सुपर 4 में भारत उसे हरा चुका है।

इससे पहले लक्ष्य का पीछा करते हुए कुसल मेंडिस को हार्दिक पंड्या ने पहले ही ओवर में आउट कर दिया। इसके बाद निसांका (58 गेंद में 107 रन) और परेरा (32 गेंद में 58 रन) ने भारतीय गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया। हर्षित ने चार ओवर में 54 रन देकर एक विकेट लिया जबकि अर्शदीप ने चार ओवर में 46 रन दिए। श्रीलंका के दोनों बल्लेबाजों ने 12 ओवर से कम में 128 रन जोड़कर सूर्यकुमार की चिंता बढा दी। आखिर में वरुण चक्रवर्ती ने परेरा को आउट करके इस साझेदारी को तोड़ा। निसांका ने अर्शदीप के ओवर में अपना शतक 52 गेंद में पूरा किया। उन्होंने अपनी पारी में सात चौके और छह छक्के लगाए। इससे पहले भारत को पांच विकेट पर 202 रन बनाए थे।

सुपर ओवर के दौरान अर्शदीप सिंह ने गलती से यह सोचकर प्रतिक्रिया व्यक्त की कि श्रीलंका का दूसरा विकेट गिर गया। एजेंसी

भारत

202/5 (20 ओवर)

अभिषेक का मेंडिस बो असलंका	61
शुभमन गिल का और बो तीक्षणा	04
सूर्यकुमार पगबाधा बो हसरंगा	12
तिलक वर्मा नाबाद	49
सैमसन का असलंका बो शनाका	39
हार्दिक पंड्या का और बो चामीरा	02
अक्षर पटेल नाबाद	21

गेंदबाजी : तुषारा 4-0-43-0, तीक्षणा 4-0-36-1, चामीरा 4-0-40-1, हसरंगा 4-0-37-1, शनाका 2-0-23-1

श्रीलंका

202/5 (20 ओवर)

निसांका का वरूण बो राणा	107
कुसल मेंडिस का गिल बो पंड्या	00
कुसल परेरा स्ट सैमसन बो वरूण	58
असलंका का गिल बो कुलदीप	05
मेंडिस का पटेल बो अर्शदीप	03
दासुन शनाका नाबाद	22
जनित लियानागे नाबाद	02

गेंदबाजी : पंड्या 1-0-7-1, अर्शदीप 4-0-46-1, राणा 4-0-54-1, अक्षर 3-0-32-0, कुलदीप 4-0-31-1, वरुण 4-0-31-1

भारत-पाक झड़पों पर आईसीसी ने की कार्रवाई

दुबई,एजेंसी

एशिया कप में भारत और पाकिस्तान की टीमों में बढ़ते तनाव के बीच आईसीसी ने अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए पहलगाम आतंकवादी हमले पर टिप्पणी के लिए भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव पर मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना लगाया है जिसके खिलाफ बीसीसीआई ने अपील की है। जबकि भड़काऊ इशारे करने वाले पाकिस्तान के हारिस रऊफ को भी समान सजा सुनाई गई है। वहीं रविवार को भारत के खिलाफ मैच के दौरान बंदूक चलाने के अंदाज में जश्न मनाने वाले पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान को चेतावनी देकर छोड़ दिया गया है। मैच रैफरी रिची रिचर्डसन ने शुक्रवार को मामले की सुनवाई की।

टूर्नामेंट के एक सूत्र ने कहा आईसीसी मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए टूर्नामेंट खत्म होने तक कोई आधिकारिक विज्ञप्ति जारी नहीं करेगी। यह विज्ञप्ति सोमवार को आ सकती है चूंकि भारत और पाकिस्तान के बीच फाइनल रविवार को खेला जाना है। दोनों टीमों के बीच अभी तक दो मैच हुए और दोनों भारत ने जीते हैं। आईसीसी को सजा के बारे में प्रेस विज्ञप्ति जारी करनी थी लेकिन बाद में तय किया गया कि टूर्नामेंट खत्म होने के बाद ऐसा किया जाएगा।

- **सूर्यकुमार यादव पर मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना लगाया**
- **सजा के खिलाफ बीसीसीआई ने की अपील**
- **हारिस रऊफ पर भी मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना**
- **साहिबजादा फरहान को चेतावनी देकर छोड़ दिया गया**

बीसीसीआई फैसले से सहमत नहीं

समझा जाता है कि बीसीसीआई रिचर्डसन की इस राय से सहमत नहीं है कि सूर्यकुमार ने आतंकवादी हमले के पीड़ितों और अपने देश की सेना के प्रति एकजुटता दिखाकर आचार संहिता का उल्लंघन किया है। जानकार सूत्र ने कहा अगर भारतीय सेना के लिए खड़े होने वाले अपने कप्तान को बीसीसीआई सजा से बचा नहीं पाती तो इसका बुरा प्रभाव पड़ेगा। बीसीसीआई को कप्तान के लिए फटकार भी स्वीकार नहीं करनी चाहिए क्योंकि इसके भी मायने होंगे कि कप्तान सूर्यकुमार यादव दोषी है।

सिर्फ फाइनल का नतीजा रखेगा मायने : हेसन

दुबई, एजेंसी

एशिया कप में भारत के हाथों दो शर्मनाक पराजय झेलने के बावजूद पाकिस्तान के मुख्य कोच माइक हेसन का मानना है कि अब सब सिर्फ फाइनल का नतीजा मायने रखता है। जिसमें टूर्नामेंट में 41 साल में पहली बार चिर प्रतिद्वंद्वी आमने-सामने होंगे।

भारत ने ग्रुप लीग मैच में पाकिस्तान को सात विकेट से और सुपर 4 में छह विकेट से हराया। बांग्लादेश को 11 रन से हराने के बाद हेसन से जब पूछा गया कि रविवार के फाइनल के लिए उन्होंने खिलाड़ियों को क्या संदेश दिया है तो उन्होंने कहा हमें पता है कि हम 14 सितंबर को और 21 सितंबर को खेले थे। लेकिन अब सिर्फ एक ही मैच मायने रखता है और वह है फाइनल।

हमारा फोकस उसी पर है। हम सही समय पर अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाने की कोशिश करेंगे। भारत और पाकिस्तान 1984 में शुरू हुए इस टूर्नामेंट में कभी भी फाइनल में नहीं भिड़े हैं।

चीन में चाइना ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल मैच में अमेरिका की कोको गॉफ कामिला राखिमोवा के खिलाफ शॉट लगाती हुई। एजेंसी

चाइना ओपन में गॉफ का विजयी आगाज

बीजिंग (चीनी), एजेंसी

अमेरिका की दिग्गज टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने शुक्रवार को रूस की कामिला राखिमोवा को सीधे सेटों में हराकर चाइना ओपन में अपने खिताब के बचाव के अभियान की शुरुआत की। आज यहां खेले गए मुकाबले में गॉफ ने राखिमोवा को 6-4, 6-0 से हराया।

21 वर्षीय अमेरिकी टेनिस स्टार के लिए पहले सेट में युवा खिलाड़ी के खिलाफ शुरुआत थोड़ी मुश्किल रही, क्योंकि उन्हें चार ब्रेक पॉइंट का सामना करना पड़ा। दूसरे सेट की शुरुआत में कुछ और ब्रेक पॉइंट बचाने के बाद, उन्होंने पहले दौर का मुकाबला मात्र 44 मिनट में जीत लिया।

मैच के बाद गॉफ ने कहा मुझे उम्मीद थी कि मुकाबला कांटे का होगा। वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं और पिछले कुछ टूर्नामेंटों में उन्होंने शीर्ष खिलाड़ियों के साथ कड़ी टक्कर दी है। मैंने अपनी लय पकड़ ली और लय में आ गई। कोई भी पहला राउंड हारना नहीं चाहता, इसलिए मुझे लगता है कि मैं थोड़ी तनाव में थी, लेकिन मैं खुद को संभालने में कामयाब रही और मुझे लगता है कि इसका असर मेरे स्कोर पर दिखा।

सिनर ने सिलिच को आसानी से हराया

शीर्ष वरीयता प्राप्त जैनिक सिनर ने पूर्व यूएस ओपन चैंपियन मारिन सिलिच को 6-2, 6-2 से हराकर अंतिम 16 में प्रवेश किया। सिनर ने शुरुआत में ही नियंत्रण बना लिया और पहले सेट में तेज रिटर्न और प्रभावशाली बेसलाइन खेल से दो बार विपक्षी की सर्विस तोड़ी। दूसरे सेट में, उन्होंने 5-1 की बढ़त बना ली और बिना किसी कठिनाई के मैच जीत लिया। इससे पहले चीन के झांग झिझेन पहले दौर में फ्रांस के टेरेंस एटमाने से 2-0 से हार गए।

इंतजार खत्म | विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के मुकाबले आज से होंगे शुरू

घरेलू सरजमीं पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को भारत तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी

ब्लेड रनर, कृत्रिम अंगों और व्हीलचेयर की मदद से प्रतिस्पर्धा करने वाले दुनिया के कुछ बेहतरीन पैरा खिलाड़ी शारीरिक चुनौतियों के बावजूद शनिवार से यहां शुरू हो रही अब तक की सबसे बड़ी विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपने अद्भुत साहस, संकल्प और संघर्ष क्षमता का प्रदर्शन करेंगे।

भारत विश्व पैरा खेलों का उभरती हुई ताकत बन चुका है और पहली बार इन खेलों की मेजबानी कर रहा है। पांच अक्टूबर तक चलने वाले इस प्रतियोगिता के 12वें सत्र का उद्घाटन बृहस्पतिवार को यहां के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में हुआ। यह अब तक की सबसे बड़ी पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप है जिसमें 104 देशों के लगभग 2200 खिलाड़ी और अधिकारी मौजूद है। भारत, कतर (2015), यूएई (2019) और जापान (2024) के बाद इस टूर्नामेंट की मेजबानी करने वाला चौथा देश बना है। इस दौरान 1500 से अधिक पैरा एथलीट 186 पदक स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगे जो 2024 के जापान (कोबे) सत्र से 15 अधिक हैं।
पेरिस पैरालंपिक में 308 (112 स्वर्ण, 96 रजत और 100 कांस्य) पदक जीतने वाले से 100 से अधिक पदक विजेता यहां अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इस बार कुल 101 पुरुष, 84 महिला और मिश्रित स्पर्धा होंगी। यह पहली बार है जब भारत इस चैंपियनशिप की मेजबानी कर रहा है। विश्व पैरा एथलेटिक्स के अध्यक्ष पॉल फिट्जगेराल्ड ने कहा कि इसमें कई विश्व रिकॉर्ड बनेंगे और नए चैंपियन सामने आएंगे। उन्होंने विश्व स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए भारत की सराहना की। उन्होंने कहा अब तक की सबसे बड़ी पैरा विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी का श्रेय भारत को जाता है। यह पहली बार है जब पैरा एथलेटिक्स के लिए प्रतियोगिता और अभ्यास स्थल दोनों जगहों पर मोंडो ट्रैक बिछाई गई है। यह ट्रैक खिलाड़ियों के प्रदर्शन को बेहतर करने के साथ चोट के खतरे को कम करती है। अभ्यास क्षेत्र में फ्लड लाइट्स भी लगाई गई हैं ताकि खिलाड़ी सुबह या सूर्यास्त के बाद भी अभ्यास कर सकें। इसके पास एक अत्याधुनिक फिटनेस सेंटर भी बनाया गया है।

शुभंकर विराज।

शीर्ष पांच में जगह बनाने का लक्ष्य

भारत अपने अब तक के सबसे बड़े 74 एथलीटों के दल को मैदान में उतारते हुए पदक तालिका में शीर्ष पांच में जगह बनाने का लक्ष्य बना रहा है। भारत ने 2019 में दुबई सत्र में नौ पदक (दो स्वर्ण, दो रजत, पांच कांस्य), 2023 में पेरिस में 10 (तीन स्वर्ण, चार रजत, तीन कांस्य) और 2024 में जापान के कोबे में 17 पदक (छह स्वर्ण, पांच रजत, छह कांस्य) जीतकर छठा स्थान हासिल किया था। दीप्ति जीवनजी (महिला 400 मीटर टी20), सचिन खिलारी (पुरुष गोला फेंक एफ46), अंतिल (पुरुष भाला फेंक एफ64), एकता भ्यान (महिला क्लब थ्रो एफ51) और सिमरन शर्मा (महिला 200 मीटर टी12) 2024 में जीते गए अपने स्वर्ण पदकों का बचाव करने की उम्मीद करेंगी।

क्रिकेटरों के तरीके ने प्रेरित किया : बोल्ट

मुंबई, एजेंसी

महान धावक उसेन बोल्ट का कहना है कि प्रतिभाशाली क्रिकेटरों को मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए देखने के बाद क्रिकेट उनके लिए ट्रैक पर बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा बना था। बोल्ट का नाम रफ्तार और विश्व रिकॉर्ड का पर्याय है, उन्होंने अपने करियर का अंत आठ ओलंपिक स्वर्ण पदक और 11 विश्व चैंपियनशिप में शीर्ष पोडियम स्थान के साथ किया जो कभी भी किसी भी ट्रैक एवं फील्ड एथलीट ने हासिल नहीं किया।

जमैका के इस खिलाड़ी ने शुक्रवार को जमनाबाई नरसी परिसर में फायरसाइड चैट में कहा मैं बचपन से ही क्रिकेट का बहुत बड़ा मुरीद रहा हूं। मैंने बचपन से ही क्रिकेट देखा है। क्रिकेटरों की प्रतिभा को बढ़ते हुए देखना, वे जिस तरह से काम करते, वे जिस तरह खुद को आगे बढ़ाते और खुद को पेश करते थे, उसने मुझे कम उम्र में कड़ी मेहनत करने और सर्वश्रेष्ठ बनने के लिए प्रेरित किया। जमैका ने माइकल होल्डिंग, कर्टनी वॉल्श, क्रिस गेल और जेफ डुजॉन जैसे कई दिग्गज क्रिकेटर दिए हैं तो हो सकता है कि बोल्ट पर उनका प्रभाव पड़ा हो। बोल्ट के नाम 100 मीटर में 9.58 सेकेंड का विश्व रिकॉर्ड है।